जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

हिण्डौन सिटी

Rashtradoot

फोनः- 230200, 230400 फैक्सः- 07469-230600 वर्षः 17 संख्याः 186 प्रभात हिण्डौन सिटी, रविवार 11 मई, 2025 पो. रजि.SWM-RJ-6069/2017-18 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

बाज नहीं आया पाकिस्तान, तोड़ा सीज़फायर

दोनों देशों के बीच शाम 5 बजे से सीज़फायर शुरु हुआ था, पर 8 बजते ही पाकिस्तान ने गोलीबारी शुरु कर दी

- इसी के साथ सीमावर्ती क्षेत्रों में फिर से ब्लैक आउट कर दिया गया।
- गोलाबारी के बाद जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री ने एक्स पर ट्वीट किया, आखिर सीज़फायर का क्या हुआ।
- राजस्थान में भी पोखरण व जैसलमेर में धमाकों की आवाज़ें सुनी जा रही हैं। कश्मीर में राजौरी, अखनूर, आरएसपुरा व बारामूला में पाकिस्तान ने गोलीबारी की है।
- पंजाब के फिरोज़पुर, पठानकोट व अन्य इलाकों में पाकिस्तान की ओर से बमबारी की गई है।
- प्रशासन ने लोगों से घरों में रहने की अपील की है।

नई दिल्ली, 10 मई। भारत और पाकिस्तान के बीच शनिवार शाम 5 बजे सीजफायर लागू हो गया। इसके 3 घंटे बाद ही, पाकिस्तान ने सीजफायर का उल्लंघन कर दिया। रात 8 बजे से पाकिस्तान की तरफ से जम्मू-कश्मीर के अखनूर, पुंछ, नौशेरा, श्रीनगर, आरएसपुरा, सांबा, उधमपुर में फायरिंग की जा रही है। राजौरी में शेलिंग (तोप और मोर्टार) की गई। उधमपुर में ड्रोन से हमला हुआ।

जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर में आज भी धमाकों की आवाज सुनी गई। सीएम उमर अबदुल्ला ने एक्स पर पोस्ट करते हुए बताया कि आखिर संघर्ष विराम का क्या हुआ? श्रीनगर में धमाकों की आवाजें सुनी गईं।

सीजफायर के ऐलान के बाद, जम्मू-कश्मीर, राजस्थान और पंजाब के बॉर्डर वाले जिलों में ब्लैकआउट रद्द कर दिया था। लेकिन, पाकिस्तान की ओर से जम्मू-कश्मीर में फायरिंग के बाद फिर से ब्लैकआउट कर दिया गया है। बॉर्डर वाले जिलों की बिजली काट दी गई है। लोगों को घर से न निकलने की एडवाइजरी जारी की गई है।

जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग जिले में गोलीबारी जारी है। फायरिंग के बाद तेज ब्लास्ट की आवाज सुनी गई।

फिरोजपुर और पठानकोट में जिला प्रशासन ने फिर से ब्लैकआउट का आदेश दिया है। सीजफायर के ऐलान के बाद, ब्लैकआउट टाल दिया गया था, लेकिन पाकिस्तान की ओर से जम्मू-कश्मीर में फायरिंग के बाद फिर से ब्लैकआउट किया गया। पहले की तरह जिले में बिजली गुल हो गई है। लोगों से घरों में रहने को कहा गया है।

जानकारी के अनुसार, जम्मू-कश्मीर के अखनूर, राजौरी और आरएसपुरा अंतरराष्ट्रीय सीमा पर पाकिस्तान द्वारा आर्टिलरी से गोलाबारी की गई है। वहीं, बारामुला में एक ड्रोन से अटैक हुआ है। पाकिस्तान ने जम्मू के पलनवाला सेक्टर में भी संघर्ष विराम का उल्लंघन किया है। वहीं, भारतीय सेना इस गोलीबारी का मुंहतोड़ जवाब दे रही है। सरकार ने बीएसएफ को पाकिस्तान द्वारा संघर्ष विराम उल्लंघन का मुंहतोड़ जवाब देने को कहा है। इन घटनाओं के बाद जम्मू के बड़े हिस्से में ब्लैकआउट कर दिया गया है। बारामुला में भी ब्लैकआउट किया गया है। श्रीनगर के कई इलाकों में ब्लैकआउट है। इसके अलावा, राजस्थान के पोखरण और जैसलमेर में धमाकों की आवाजें सुनाई दीं।

उधमपुर में पाकिस्तान के ड्रोन दिखे। भारत के डिफेंस सिस्टम ने इन्हें मार गिराया। उधमपुर में ब्लैकआउट है।

वहीं, सेना से जुड़े सूत्रों ने बताया कि भारत की तीनों सेना अभी भी एक्टिव मोड में है। उन्होंने बताया कि वाघा बॉर्डर नहीं खुलेगा और दोनों देशों के बीच व्यापार भी नहीं होगा। अगले 48 घंटे तक थल सेना पिनाका और एस 400 मिसाइल सिस्टम से पाकिस्तान पर नजर बनाकर रखेगी। सूत्रों ने बताया कि जो एयरपोर्ट अभी बंद हैं, 12 घंटे की मॉनिटरिंग के बाद खोले जा सकते हैं। हालांकि, सभी एयर डिफेंस अभी अगले आदेश तक सक्रिय रहेंगे।

पाकिस्तान ने तोड़ा सीज़फायर

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 10 मई। जम्मू-कश्मीर में नियंत्रण रेखा (एल.ओ.सी.) पर और राजस्थान के बाड़मेर और जैसलमेर से लगी भारत-पाकिस्तान सीमा पर भारी गोलाबारी शुरु हो चुकी है। पाकिस्तान की फायरिंग की सीधी जद में ये क्षेत्र आ गए हैं।

कुछ शहरों में पूरी तरह से ब्लैकआउट हो गया है।

अब सवाल यह उठता है कि उस युद्धविराम का क्या हुआ, जिसकी घोषणा डॉनल्ड ट्रंप ने बड़ी धूमधाम से की थी और जिसमें भारत और पाकिस्तान, दोनों की सहमति बताई गई थी?

- चर्चा है कि पाकिस्तान के सेना प्रमुख मुनीर को अमेरिका का आदेश स्वीकार नहीं है।

अब, जबकि पाकिस्तान ने युद्धविराम का उल्लंघन कर दिया है, तो भारत भी प्रतिक्रिया में कार्रवाई शुरु कर देगा और पाकिस्तान पर बमबारी कर सकता है।

क्या इसके पीछे कारण यह है कि पाकिस्तानी सेना प्रमुख असीम मुनीर भारत के साथ शत्रुता समाप्त करने और अमेरिका के आदेशों को मानने से इनकार कर रहे हैं।

यह कोई रहस्य नहीं है कि मुनीर एक कट्टरपंथी विचारधारा वाले सैन्य प्रमुख हैं, जो किसी भी कीमत पर भारत को चुनौती देना चाहते हैं। अब देखना यह है कि इस युद्धविराम का अंततः क्या अंजाम होता है।

क्या भारत-पाक विवाद में ''थर्ड पार्टी'' की एंट्री हो गई है?

दोनों देशों के बीच सीज़फायर की घोषणा को द्विपक्षीय मामलों में ''थर्ड पार्टी की एंट्री'' करार दिया जा रहा है

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 10 मई। एक चौंकाने वाली और अप्रत्याशित घोषणा में अमेरिका के राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने भारत और पाकिस्तान के बीच तत्काल प्रभाव से युद्धविराम की घोषणा कर दी।

अब चर्चा यह शुरु हो गई है कि भारत और पाकिस्तान के विवाद में किसी तीसरे पक्ष की आधिकारिक एंट्री से भारत सरकार की विश्वसनीयता पर बड़ा सवालिया निशान खड़ा हो गया है।

कहा जा रहा है कि प्रधानमंत्री को अब न केवल अपनी पार्टी के भीतर, बल्कि बाहर से भी आलोचना झेलनी पड़ेगी- जिसे अब अमेरिका के सामने समर्पण के रुप में देखा जा रहा है। यह भी कहा जा रहा है कि अगर अब मोदी को पाकिस्तान और मुस्लिम मोर्चे पर भी पराजय झेलनी पड़े, और वह भी राष्ट्रीय सुरक्षा जैसे मुद्दे पर, तो यह उनके लिए, संघ और भाजपा के भीतर बड़ा संकट ला सकता है।

प्रश्न यह पूछा जा रहा है कि ''आतंकवादियों का अंत तक पीछा करेंगे,'' किसी को बख्शा नहीं जाएगा।'' जैसे नारों का क्या हुआ? और तीन दिन तक चले युद्ध के बाद सरकार और भारत को क्या मिला?

- ज्ञातव्य है कि भारत-पाक विवाद में जहाँ भारत ने हमेशा से थर्ड पार्टी को मध्यस्थता का विरोध किया है, वहीं पाकिस्तान हमेशा ''थर्ड पार्टी'' को लाने का समर्थन करता रहा है।
- ''सीज़फायर'' की अचानक घोषणा के बाद भारत में सवाल पूछा जा रहा है कि तीन दिन के इस युद्ध से भारत को क्या मिला, क्या अमेरिका के दबाव में भारत झुक गया है? खासतौर पर संघ व भाजपा में असंतोष उभर सकता है।
- विभिन्न दलों की आंतरिक राजनीति भी उभर गई है। कांग्रेस इंदिरा गांधी और 1971 के वॉर की यादें ताजा कर रही है। पर, प्र.मंत्री मोदी का सीधे ही सामना करने को तैयार नहीं है, सवाल है, पर क्यों?
- यह जो भी कुछ हुआ, उसके नतीजे आगामी दिनों में दिखेंगे। पर, फिलहाल युद्ध का माहौल है तो सब चुप्पी लगाकर बैठे हैं।

भारत युद्धविराम के लिए क्यों राजी हुआ, इसकी अंदरुनी जानकारी अब तक सामने नहीं आई है, लेकिन जो साफ दिखाई दे रहा है, वह यह है कि अब विभिन्न राजनीतिक दलों की आंतरिक राजनीति सतह पर आने वाली है, और सर्वसम्मति समाप्त हो चुकी है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

राजस्थान के सात सीमावर्ती जिलों में फिर से ब्लैक आउट शुरु

दिन में सीज़फायर की घोषणा के साथ ''ब्लैक आउट'' करने का आदेश रद्द कर दिया गया था

- जिन सात जिलों में ब्लैक आउट किया जा रहा है वे हैं, बाड़मेर, बालोतरा, जैसलमेर, जोधपुर, फलौदी, पाली, बीकानेर, हनुमानगढ़ तथा श्रीगंगानगर।
- सीज़फायर की घोषणा के बाद इन जिलों में बाजार खुल गए थे बिजली की आपूर्ति शुरु हो गई थी।

जयपुर, 10 मई। भारत और पाकिस्तान के बीच शनिवार शाम 5 बजे सीज़फायर की घोषणा हुई थी। इसके कुछ घंटों बाद ही पाकिस्तान ने सीज़फायर का उल्लंघन कर दिया है। पाकिस्तान ने जम्मू-कश्मीर में फायरिंग कर दी।

बाड़मेर के जालीपा में तेज धमाका हुआ है और ड्रोन देखे जाने के बाद ब्लैक आउट हो चुका है। इसके बाद तेज धमाके की आवाज सुनी गई है। पुलिस लोगों को सड़क से हटा रही है। श्रीगंगानगर में भी ड्रोन दिखाई दिए हैं।

राजस्थान के बॉर्डर से सटे जिलों, बाड़मेर, बालोतरा, जैसलमेर, जोधपुर, फलोदी, पाली, बीकानेर, हनुमानगढ़ , श्रीगंगानगर में फिर से ब्लैकआउट जारी कर दिया गया है। इसके साथ ही आतिशबाजी करने और ड्रोन उड़ाने पर प्रतिबंध है।

इससे पहले सीज़फायर की घोषणा के बाद शनिवार शाम को राजस्थान के बॉर्डर वाले जिलों में बाज़ार खुल गए थे और सड़कों पर आवाजाही बढ़ गई थी। लोगों ने भारत माता की जय के नारे लगाए थे।

राजस्थान के सरहदी जिलों में पाकिस्तान 3 दिन से अटैक कर रहा था। हालांकि, उसके सभी अटैक नाकाम रहे थे। बढ़ ते तनाव के बीच रेलवे ने राजस्थान से चलने वाली 20 ट्रेनें रद्द कर दीं। नागौर और हनुमानगढ़ में स्कूल-आंगनबाड़ी बंद करने के आदेश दिए गए।

बाड़मेर जिला कलेक्टर टीना डाबी ने जिले में एक बार फिर ब्लैकआउट घोषित कर दिया है। इसके साथ ही लगातार सायरन भी बजाया जा रहा है। एहतियातन लोगों से घरों में जाने और ब्लैकआउट का पालन करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही पुलिस आमजन से घरों के अंदर रहने की अपील कर रही है। सीज़फायर उल्लंघन की सूचना मिलने के बाद महज 5 से 10 मिनट में पूरा बाजार बंद हो गया और लोग अपने घरों की ओर लौटने लगे।

जैसलमेर में रात 8.30 बजे से सुबह 6 बजे तक, जोधपुर में रात 12 बजे से सुबह 4 बजे तक, बीकानेर में शाम 7 बजे से सुबह 5 बजे तक,

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सरकार सर्वदलीय बैठक कर संसद का विशेष सत्र बुलाये

नयी दिल्ली, 10 मई। कांग्रेस ने कहा है कि अमेरिका की तरफ से हुई अभूतपूर्व घोषणा के मद्देनजर राष्ट्रीय हितों को सुनिश्चित करने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में शीघ्र एक सर्वदलीय बैठक बुलाकर तत्काल संसद का विशेष सत्र बुलाया जाना चाहिए, ताकि भविष्य के मुद्दे पर एकजुट होकर सामूहिक चर्चा की जा सके।

कांग्रेस संचार विभाग के प्रमुख जयराम रमेश ने संघर्ष विराम की घोषणा के बाद यहां जारी एक बयान में कहा, वाशिंगटन डीसी से आई अभूतपूर्व घोषणाओं के संदर्भ में अब यह राष्ट्रीय आवश्यकता बन गई है कि इस मुद्दे पर सर्वदलीय बैठक बुलाकर प्रधानमंत्री उसकी अध्यक्षता करें और देश के राजनीतिक दलों को विश्वास में लें, ताकि संकट की घड़ी में राष्ट्रीय हितों की रक्षा सुनिश्चित की जा सके।

- अमेरिका की सीज़फायर की अभूतपूर्व घोषणा के बाद कांग्रेस ने यह मांग की।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

क्या ट्रंप ने सीज़फायर के लिए ''डील'' की पाकिस्तान से?

चर्चा है कि ट्रंप ने आईएमएफ पैकेज के बदले पाकिस्तान से सीज़फायर की डील की है

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 10 मई। जितनी तेजी से शुरू हुआ था, उससे अधिक तेजी से यह समाप्त भी हो रहा है। भारत-पाक संघर्ष में तनाव कम हो रहा है और एक सीज़फायर की घोषणा की गई है। लेकिन इस नाटकीय बदलाव में युद्ध में शामिल दोनों पक्षों और बाहरी शक्तियों की क्या भूमिकाएं रहीं, यह अब भी रहस्य बना हुआ है।

आश्चर्यजनक रूप से, स्याही अभी सूखी भी नहीं थी कि अमेरिका ने दावा किया कि उसकी मध्यस्थता ने चमत्कार कर दिया और दोनों राष्ट्रों ने सीज़फायर पर सहमति दे दी है। अंतरराष्ट्रीय मीडिया भी यही कह रहा है। कहा जा रहा है कि सौदाबाज़ी के लिए मशहूर डॉनल्ड ट्रंप ने पाकिस्तान को आई.एम.एम. पैकेज, जिसकी पाकिस्तान को अपनी तत्काल आवश्यकताओं के लिए सख्त ज़रूरत थी, के बदले सीज़फायर के लिए राज़ी किया।

अगर इसमें कुछ भी सच्चाई है, तो ट्रंप कम से कम इस बात का श्रेय ले सकते हैं कि उन्होंने एक बड़े संकट को टाल दिया, भले ही यूक्रेन युद्ध समाप्त करने का उनका दावा अब तक सच नहीं हुआ हो।

फिर भी, भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने इन हस्तक्षेपों से इन्कार किया और स्पष्ट कहा कि इसमें किसी बाहरी प्रभाव की भूमिका नहीं रही। बातचीत दोनों पक्षों के बीच ही शुरू हुई और सीज़फायर द्विपक्षीय सहमति से हुआ।

हालाँकि, माहौल में इसके संकेत पहले से मौजूद थे–कम से कम तब से, जब कल रात आई.एम.एफ. बेल-आउट पैकेज को वॉशिंगटन में मंजूरी मिली।

तथापि, जब आई.एम.एफ. ने पाकिस्तान के लिए राहत पैकेज की मंजूरी दी, तब संभवतः उसमें पाकिस्तान के आचरण के लिए कुछ अनकही, गैर-वित्तीय शर्तें भी थीं। आखिर, अन्तर्राष्ट्रीय संस्थाएं दिवालिया देशों को केवल हथियारों और आतिशबाज़ी के लिए फंड नहीं देतीं।

आई.एम.एफ. पैकेज के तुरंत बाद, अमेरिका के विदेश मंत्री मार्क रूबियो ने सीधे पाकिस्तान के ''बेकाबू'' सेना प्रमुख को फोन किया। खास बात यह रही कि रूबियो ने पाकिस्तान के विदेश मंत्री को फोन नहीं किया। इससे पहले वे प्रधानमंत्री शहबाज़ शरीफ़ से बात कर चुके थे।

रूबियो की पाकिस्तान के सेना प्रमुख से हुई बातचीत के तुरंत बाद, उन्होंने भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर को भी कॉल किया गया। जयशंकर, जो अपने तीखे और तेज़ जवाबों के लिए जाने जाते हैं, ने शायद अपने अमेरिकी समकक्ष को कुछ सच्चाइयां स्पष्ट रूप से कह दी हों।

इसके बाद, सुबह के समय पाकिस्तान और भारत के सैन्य संचालन महानिदेशकों (डीजीएमओ)के बीच

- सूत्रों ने बताया कि आईएमएफ पैकेज के तुरंत बाद अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने पाकिस्तान के चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ से बात की, उसके बाद उक्त अधिकारी ने एस. जयशंकर से बात की थी।
- विशेषज्ञों ने बताया, इसके बाद दोनों देशों की डीजीएमओ ने वार्ता की और इस प्रकार सीज़फायर के लिए वार्ता की शुरुआत हुई।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अमृतसर सीमा पर हथियार, विस्फोटक का पैकेट पकड़ा

जालंधर, 10 मई। सीमा पर तनावपूर्ण स्थिति के बावजूद, सीमा पार से हथियार गिरोह ने भारतीय धरती पर हथियार पहुंचाने की अपनी दुर्भावनापूर्ण साजिशों को नहीं रोका है।

बीएसएफ ने पंजाब पुलिस के साथ मिलकर आज अमृतसर सीमा पर हथियार, गोला-बारूद और विस्फोटक बरामद किये हैं।

- यह ड्रोन के द्वारा गिराया गया था तथा सीमा पार से हथियार गिरोह द्वारा भारत में हथियार पहुँचाने की साजिश का हिस्सा है।

बीएसएफ के प्रवक्ता ने बताया कि बीएसएफ खुफिया इकाई की विश्वसनीय सूचना के आधार पर, पंजाब पुलिस के सहयोग से बीएसएफ के जवानों ने अमृतसर जिले के संदिग्ध सीमावर्ती क्षेत्र में व्यापक तलाशी अभियान चलाया और दोपहर करीब 12:30 बजे 2.7 किलोग्राम उच्च विस्फोटक, दो हैंड ग्रेनेड

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'रातभर की लम्बी वार्ता के बाद भारत और पाक पूर्ण एवं त्वरित युद्ध विराम पर सहमत हुए'

डॉनल्ड ट्रम्प ने सोशल मीडिया पर भारत और पाकिस्तान की तरफ से युद्ध विराम की घोषणा की

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 10 मई। अपनी सर्वोच्चता और भारत व पाकिस्तान पर पकड़ का स्पष्ट प्रदर्शन करते हुए, अमेरिका के राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रम्प ने घोषणा की कि भारत और पाकिस्तान ''तुरंत पूर्ण युद्ध विराम'' के लिए मान गए हैं। दोनों देशों की राजधानियों को यह जानकारी देने से पहले ही ट्रम्प ने सार्वजनिक घोषणा कर दी। दोनों देशों के बीच 22 अप्रैल के पहलगाम अटैक को बाद से ही टकराव चल रहा है।

ट्रम्प ने कहा कि यूएस की मध्यस्थता की वजह से सीज़फायर हुआ है। परमाणु शक्ति सम्पन्न दोनों देशों के बीच में टकराव बढ़ता ही जाएगा।

अपने सोशल प्लेटफॉर्म ट्रुथ पर एक पोस्ट में ट्रम्प ने कहा, रात भर चली लंबी वार्ता, जिसमें अमेरिका ने मध्यस्थता की थी, के बाद मुझे यह घोषणा करते हुए बहुत खुशी हो रही है कि भारत और पाकिस्तान ''फुल एण्ड इमिजिएट सीज़फायर'' (पूर्ण एवं तुरंत युद्ध विराम) लागू करने के लिए सहमत हो गए है।'' समझदारी और बुद्धिमानी दिखाने के लिए दोनों देशों को बधाई।''

विदेश सचिव विक्रम मिश्री ने घोषणा की, पाकिस्तान के डायरैक्टर जनरल ऑफ मिलिटरी ऑपरेशन्स (डीजीएमओ) ने भारत के डीजीएमओ को आज दोपहर बाद 3 बजकर पैंतीस मिनट पर फोन किया, उनके बीच यह सहमति बनी कि भारतीय समयानुसार, शाम 5 बजे से जमीन, हवा, समुद्र में सभी तरह के गोलीबारी व सैन्य कार्यवाही बंद कर दी जाएगी। दोनों पक्षों को इस बारे में निर्देश दिए गए हैं। दोनों देशों के डीजीएमओ 12 मई को फिर से बात करेंगे।

- ट्रम्प ने साफ तौर पर दावा किया कि यह सीज़फायर अमेरिका की मध्यस्थता की वजह से संभव हो पाया है।
- भारत की तरफ से विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने भी सीज़फायर की पुष्टि करते हुए कहा, पाकिस्तान के डायरैक्टर जनरल ऑफ मिलिटरी ऑपरेशन्स ने भारत के डीजीएमओ को फोन कर शाम 5 बजे से सैन्य कार्यवाही बंद करने की बात कही। दोनों पक्ष इस पर सहमत हैं।
- पाकिस्तान के विदेश मंत्री ने एक्स पर ट्वीट कर सीज़फायर की पुष्टि की।
- अमेरिका का कहना है कि सैन्य टकराव बढ़ने के साथ ही वह चीन तथा अन्य जी-7 देशों के साथ हालात पर निगरानी करता रहा है।

पाकिस्तान के विदेश मंत्री इशाक डार ने एक्स पर लिखा कि पाकिस्तान और भारत ने तत्काल प्रभाव से युद्ध विराम पर सहमति जताई है। पाकिस्तान ने हमेशा शांति व सुरक्षा के लिए प्रयास किया है, पर अपनी संप्रभुता व क्षेत्रीय अखंडता से कभी समझौता नहीं किया।

अमेरिका के विदेश मंत्री मार्क रूबियो ने लिखा, ''गत 48 घंटों में उपराष्ट्रपति जे.डी. वैंस और मैंने भारत व पाक प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तथा शहबाज शरीफ से, भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर, पाक सेना प्रमुख असीम मुनीर और भारत व पाक के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार क्रमशः अजीत डोभाल और असीम मलिक सहित, भारत और पाकिस्तान वरिष्ठ अधिकारियों के साथ वार्ता की है। हम शांति का मार्ग चुनने के लिए प्रधानमंत्री मोदी व शरीफ की सराहना करते हैं।''

अमेरिका के अधिकारी खुले आम दावा कर रहे हैं कि उन्होंने दोनों देशों को युद्ध विराम के लिए राजी किया है।

लेकिन भारतीय सूत्रों ने रुबियों के दावे का खंडन किया व कहा कि किसी भी अन्य मुद्दे पर किसी भी अन्य जगह वार्ता के लिए निर्णय नहीं लिया गया है।

यह घोषणा कई सप्ताहों से बढ़ रहे

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

प.बंगाल में सुंदरवन के तटीय क्षेत्र में निगरानी बढ़ाई

कोलकाता, 10 मई। भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ ते तनाव के मद्देनजर सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) और खुफिया एजेंसियों ने पश्चिम बंगाल के तटीय क्षेत्रों, विशेष रूप से दक्षिण और उत्तर 24 परगना जिले में सुरक्षा कड़ी कर दी है।

बीएसएफ को आशंका है कि देश विरोधी तत्व बंगाल की खाड़ी के

- एक तटीय गाँव से 24 अवैध बाँग्लादेशी घुसपैठियों की गिरफ्तारी के बाद यह कदम उठाया।

माध्यम से भारतीय क्षेत्र में घुसपैठ करने के लिए दोनों देशों के बीच जारी संघर्ष का फैयदा उठा सकते हैं। केंद्रीय और राज्य खुफिया एजेंसियों ने दक्षिण और उत्तर 24 परगना में फैले सुंदरवन के 250 किलोमीटर के तटीय क्षेत्र पर निगरानी तेज कर दी है। यह कदम हाल ही में दक्षिण 24 परगना के एक तटीय

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

काम से शोक उत्पन्न होता है। –धम्मपद

भारत में घास-भूमि संकटापन्न हैं

वैश्विक स्तर पर घासयुक्त पारिस्थितिक तंत्र (जिनमें घास भूमियाँ, सवाना, झाड़ियाँ, वनों के बीच खुली भूमि तथा टुंड्रा क्षेत्र शामिल हैं) पृथ्वी की लगभग 30 से 40 प्रतिशत भूमि को आच्छादित करते हैं और जलवायु परिवर्तन के शमन एवं अनुकूलन, पशुपालन तथा सांस्कृतिक सेवाओं जैसी महत्त्वपूर्ण भूमिकाएँ निभाते हैं। फिर भी, इनकी महत्ता के बावजूद, घासयुक्त पारिस्थितिक तंत्रों के संरक्षण को वनों की तुलना में विश्व स्तर पर अपेक्षाकृत उपेक्षित किया गया है, जिसके परिणामस्वरूप अनेक क्षेत्रों में इनकी क्षय दर वनों की तुलना में अधिक रही है।

भारत और दक्षिण एशिया में घासभूमियों को पारंपरिक रूप से बेकार या बंजर भूमि समझा जाता है। इस त्रुटिपूर्ण धारणा के कारण घासभूमि पारितंत्रों को संरक्षण और महत्त्व नहीं मिला। परिणाम यह हुआ कि ऐसे क्षेत्र खंडित और विनष्ट हो रहे हैं। इनकी विशिष्ट जैव-विविधता तथा स्थानीय समुदायों की आजीविका संकट में पड़ी हैं। लंबे समय तक नीति-निर्माताओं ने घासभूमियों को स्पष्ट रूप से परिभाषित भी नहीं किया। प्राय: इन्हें बिगड़े वनों का हिस्सा या क्षरण-प्राप्त रूप मान लिया गया। परिणामस्वरूप, सुधार के नाम पर कई घास के मैदानों में वृक्षारोपण जैसे अनुचित हस्तक्षेप किए गए। हाल के विश्लेषण दर्शाते हैं कि वृक्ष आवरण बढ़ाने के वैश्विक लक्ष्यों को पूरा करने की मुहिम और घासभूमि प्रबंधन में कई सरकारी एजेंसियों की उलझन भरी भागीदारी ने इन पारितंत्रों को नुक़सान पहुँचाया है, और सरकारी व गैर-सरकारी संस्थानों में व्याप्त वन-पक्षपात ने समस्या को और बढ़ाया है। विशेषज्ञों का मत है कि भारत में घासभूमियों के सफल संरक्षण व पुनर्स्थापन हेतु एक समन्वित राष्ट्रीय नीति-ढाँचे और ठोस पारितंत्र वर्गीकरण प्रणाली की आवश्यकता है।

असल में घासभूमियाँ पारिस्थितिक और सामाजिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। ये पारितंत्र अनेक पारिस्थितिकी सेवाएँ प्रदान करते हैं और जैव विविधता का पोषण एवं संरक्षण करते हैं। कई घासभूमि क्षेत्रों में वनस्पति और जीवों की अनूठी प्रजातियाँ पाई जाती हैं, जिनमें से बहुत-सी केवल इन्हीं आवासों तक सीमित (स्थानिक) हैं। उदाहरण के लिए, राजस्थान के डेजर्ट नेशनल पार्क जहाँ गोडावण प्रजाति पाई जाती है, जैसी घासभूमि में सैकड़ों पौधों की प्रजातियाँ पाई गई हैं। घासभूमियाँ अनेक विशिष्ट वन्यजीवों और वनस्पतियों को आश्रय देती हैं। इनके बने रहने से जल-संचय जैसी पारिस्थितिक सेवाएँ भी मिलती हैं। पश्चिमी घाट की पर्वतीय घासभूमियों जिन्हें शोला कहा जाता है, पर शोध से पता चला है कि यदि वहाँ फैल रहे विदेशी पेड़ों (जैसे यूकेलिप्टस,एकेशिया) को हटाकर मूल घास मैदान को बहाल किया जाए तो जलधारा प्रवाह बढ़ता है।

फिर भी, अपने बहुमूल्य महत्व के बावजूद भारत की घासभूमियाँ अनेक गम्भीर संकटों का सामना कर रही हैं। भूमि-उपयोग परिवर्तन इनमें सबसे प्रमुख है: विशाल घासभूमि क्षेत्रों को कृषि, वनीकरण या विकास परियोजनाओं हेतु परिवर्तित किया जा चुका है। पश्चिमी भारत के थारमरुस्थलीय क्षेत्र मो कई अहम घास के मैदान बढ़ती मानव आबादी और विकास के दबाव के चलते खेतों में बदले जा चुके हैं। तराई-दुआर जैसे इलाकों में स्थिति और भी चिंताजनक है, जहाँ हिमालय की तलहटी की अधिकांश घासभूमि पहले ही कृषि और शहरीकरण की भेंट चढ़ चुकी है।जो थोड़े-बहुत घासस्थल बचे हैं, वे भी धीरे-धीरे झाड़ियाँ और वृक्ष पनपने से सिकुड़ रहे हैं। भारत-नेपाल के संरक्षित तराई-दुआर क्षेत्रों में पिछले तीन दशकों में घासभूमि क्षेत्रफल में लगभग 34 प्रतिशत की कमी आई,जबकि वनों/झाड़ियों का आवरण 8-9 प्रतिशतबढ़ गया है। स्पष्ट है कि कई घासस्थलों में काष्ठीय वनस्पतियों का अतिक्रमण जारी है, जिससे खुले घास के मैदान सिकुड़ते जा रहे हैं।

घासभूमियों पर दूसरा बड़ा संकट बाहरी आक्रामक प्रजातियों (इनवेसिवस्पीशीज) का फैलाव है। देश के विभिन्न भागों में कई अनावश्यक खरपतवार और लताएँ प्राकृतिक घासभूमियों में घुसपैठ कर रही हैं। असम के मानस तथा काज़ीरंगा जैसे राष्ट्रीय उद्यानों के घासस्थलों में क्रोमोलेनाऑडोराटा और मिकेनियामाइक्रांथा जैसी आक्रामक प्रजातियाँ तेज़ी से फैलकर घास के स्थान पर घनी झाड़ियाँ बना रही हैं। ये अवांछित पौधे हाथी, गैंडे, बारहसिंगा आदि बड़े शाकाहारी जीवों के लिए उपलब्ध चारा और आवरण को घटा देते हैं। एक सींग वाले गैंडे के मामले में शिकार रोकने पर तो ध्यान है, मगर घासभूमि में फैलती इन खरपतवारों पर नहीं। यदि यह स्थिति यूँ ही जारी रही तो गैंडे समेत अन्य घासभूमि-निर्भर जीवों के लिए उपयुक्त भोजन और आवास लगातार घटते जाएँगे। पश्चिम भारत की सूखी चारागाह भूमि परप्रोसोपिसजूलीफ्लोरा नामक कांटेदार विदेशी वृक्ष बड़ा संकट बन चुका है। गुजरात के कच्छ जिले की बन्नी घासभूमि में प्रोसोपिसजूलीफ्लोरा के भारी प्रसार ने कई देशज पेड़-झाड़ियों को पीछे ढकेल दिया है। यहाँ तक कि औषधीय महत्व की दुर्लभ गुग्गुल जैसी स्थानीय प्रजाति की संख्या इन झाड़ियों के बढ़ने से घट गई है। प्रोसोपिसजूलीफ्लोरा के आक्रमण से घासभूमि की संरचना बदल जाती है - भले ही कुल प्रजाति संख्या में कुछ खरपतवारों की मौजूदगी से बढ़ोतरी दिखे, पर महत्वपूर्ण स्थानिक प्रजातियाँ और पौष्टिक घासें कम हो जाती हैं। आक्रामक प्रजातियों का बेकाबू फैलाव घासभूमि पारितंत्र की गुणवत्ता और उत्पादकता दोनों घटा देता है।

अनियंत्रित चराई (अत्यधिक चरन) भी कई घासभूमियों के क्षरण का कारण है। हिमालय से लेकर मध्य व पश्चिम भारत तक अनेक चरागाह क्षेत्रों में अत्यधिक पशुपालन दबाव के चलते घास आवरण में कमी, मिट्टी क्षरण और उत्पादकता घटने जैसी समस्याएँ देखी गई हैं। जब चराई की दर घास के पुनर्जीवन से अधिक हो जाए, तो घास दुर्बल पड़कर खरपतवारों को स्थान देने लगती हैं, और अन्ततः भूमि की वहन क्षमता घट जाती है जिससे पशुधन एवं वन्यजीव दोनों प्रभावित होते हैं।

जहाँ घासभूमि में झाड़ियों/वृक्षों का अतिक्रमण बढ़ रहा हो, वहाँ नियंत्रित आग और नियोजित चराई जैसे हस्तक्षेप अपनाकर घासभूमि को खुले स्वरूप में बनाए रखा जा सकता है। अंत में, घासभूमि संरक्षण को प्रभावी बनाने के लिए स्थानीय समुदायों की भागीदारी, वैज्ञानिक समझ और शासन की दृढ़ इच्छाशक्ति - इन तीनों की आवश्यकता है।

अग्नि प्रबंधन की चुनौतियाँ भी घासभूमियों को प्रभावित करती हैं। आग कई उष्णकटिबंधीय घासभूमि पारितंत्रों का प्राकृतिक अंग रही है - समय-समय पर नियंत्रित आग से पुरानी घास हटकर नई घास का अंकुरण होता है और वृक्षों का अत्यधिक बढ़ना थमता है। लेकिन आज कई अभयारण्यों में आग का संतुलन बिगड़ गया है: कहीं हर साल अनियंत्रित आग लगने से कुछ हिस्से बार-बार जलते हैं, तो कहीं आग पूरी तरह रोक देने से झाड़ियाँ बेरोकटोक फैल जाती हैं। तराई के अभयारण्यों में उपग्रह आंकड़ों से पता चला है कि पार्क के भीतर सड़कों के किनारे आग की घटनाएँ अंदरूनी हिस्सों की तुलना में कहीं अधिक होती हैं, जिससे वे घास के मैदान बारंबार जलकर क्षितठास्त हो रहे हैं। पश्चिमी घाट में भी आग-निषेध की नीति के फलस्वरूप कई घासभूमियाँ वनों में तब्दील हो गई हैं। इसलिए आग का न तो अतिप्रयोग हो और न ही पूरा निषेध - संतुलित अग्नि प्रबंधन घासभूमि के लिए आवश्यक है।

घासभूमि पारितंत्रों पर हाल के वैज्ञानिक अध्ययनों से इन प्रणालियों की जटिलता पर नई रोशनी पड़ रही है। एक नियंत्रित प्रयोग में शुष्क उष्णकटिबंधीय घासभूमि की कुल प्राथमिक उत्पादकता वर्षा बढ़ने पर बढ़ गई, पर यह वृद्धि मुख्यत: घास (ग्रैमिनॉइड) प्रजातियों से आई; चौड़ी पत्ती फ़ोर्ब प्रजातियों में ऐसा लाभ नहीं देखा गया। वास्तव में कुछ फ़ोर्ब प्रजातियाँ बहुत कम या बहुत अधिक वर्षा, दोनों परिस्थितियों में घट गईं - जिससे संकेत मिलता है कि वर्षा पैटर्न में बड़े बदलाव इन संवेदनशील प्रजातियों को नुकसान पहुँचा सकते हैं और घासभूमि की जैव-विविधता को बदल सकते हैं। घासभूमियों की उत्पादन क्षमता मिट्टी में पोषक तत्वों की उपलब्धता पर भी निर्भर करती है। पश्चिमी भारत की बन्नी घासभूमि में फॉस्फोरस की कमी को घास उत्पादन घटने का प्रमुख कारण पाया गया है; लेकिन नियंत्रित मध्यम चराई जैसे प्रबंधन से मिट्टी में पोषक चक्रण बढ़ाकर घासभूमि की उत्पादकता और स्थायित्व सुधारा जा सकता है। अंत में,घासभूमियों के पुनर्स्थापन से कार्बन भंडारण क्षमता भी बढ़ सकती है। एक अध्ययन के अनुसार अर्ध-शुष्क सवाना घासभूमियों में बहाली के केवल तीन वर्षों बाद मिट्टी के कार्बन भंडार बिना बहाली वाले स्थलों की तुलना में लगभग 35 प्रतिशत अधिक पाए गए। शोधकर्ताओं ने निष्कर्ष निकाला है कि प्रभावी संरक्षण और बहाली से ये घासभूमियाँ प्राकृतिक कार्बन सिंककी तरह कार्य कर सकती हैं।

इन चुनौतियों को देखते हुए भारत में घासभूमियों की रक्षा, सतत प्रबंधन और पुनर्स्थापन के लिए बहुआयामी रणनीतियाँ अपनाना अत्यावश्यक है। सबसे पहले, नीति-निर्माण के स्तर पर घासभूमियों को उनका उचित स्थान देना होगा। जब तक राष्ट्रीय स्तर पर घासभूमियों को एक अलग और महत्त्वपूर्ण पारितंत्र के रूप में मान्यता देकर उन्हें वेस्टलैंड या निम्न श्रेणी के दर्जे से बाहर नहीं निकाला जाता,तब तक इनके साथ होने वाला भेदभाव समाप्त नहीं होगा। एक समठा राष्ट्रीय घासभूमि नीति तथा स्पष्ट पारितंत्र-वर्गीकरण ढाँचे की आवश्यकता है, जिससे संरक्षण और प्रबंधन प्रयासों को सही दिशा मिल सके। स्थानीय स्तर पर परिस्थितियों के अनुसार विकेन्द्रीकृत योजनाएँ बनानी होंगी। दक्षिण भारत की कंगयम घासभूमि इसका एक उत्कृष्ट उदाहरण है, जहाँ स्थानीय किसानों ने लगभग 150 वर्षों से घेराबंदी कर चराई को नियंत्रित करते हुए, अंतराल पर चारा फसलें उगाते हुए और जल-संचयन व सिंचाई का उपयोग करके इस शुष्क क्षेत्र की घासभूमि को सतत उत्पादक बनाए रखा है।सुनिश्चित भू-अधिकार और सामुदायिक सहयोग की बदौलत यह चारागाह एक सदी से अधिक समय तक स्थिर बना रहा, जो दर्शाता है कि समुदाय-आधारित प्रबंधन घासभूमि संरक्षण में अत्यंत प्रभावी हो सकता है।

आक्रांत वनस्पतियों से प्रभावित घासभूमियों में उन्हें नियंत्रित करने और हटाने के विशेष उपाय ज़रूरी हैं। कच्छ की बन्नी घासभूमि में प्रोसोपिसका प्रसार रोकने के लिए एक अध्ययन में यांत्रिक उन्मूलन (झाड़ियों को जड़ समेत हटाना) और आंशिक छंटाई (लॉपिंग) दो तरीकों का परीक्षण किया गया। परिणामों के अनुसार प्रोसोपिसको पूर्णत: हटाने पर घासभूमि की देशी वनस्पति आवरण और प्रजाति विविधता, नियंत्रण की तुलना में तीन से छह गुना तक बढ़ गई, जबकि केवल छंटाई से विशेष लाभ नहीं हुआ। हालाँकि प्रोसोपिस का पूरी तरह उन्मूलन महंगा है और कुछ स्थानीय लोग ईंधन-चारे के लिए उस पर निर्भर हैं, इसलिए विशेषज्ञों ने सुझाव दिया है कि बहाली के दौरान कुछ भाग प्रोसोपिस युक्त छोड़ना और शेष को प्रोसोपिसमुक्त रखना एक व्यावहारिक समाधान हो सकता है। राजस्थान के घासबीड में भी प्रोसोपिस हटाना आवश्यक है। संरक्षित क्षेत्रों में सक्रिय खरपतवार नियंत्रण अपनाकर भी घासभूमियों को पुनर्जीवित किया जा रहा है, और इसके परिणाम अच्छे मिले हैं। असम के मानस राष्ट्रीय उद्यान में पार्क प्रबंधन तथा अन्य संगठनों ने मिलकर क्रोमोलेना जैसी खरपतवारों को काटकर-जलाकर दर्जनों हेक्टेयर घासभूमि बहाल की है और बेहतर गश्त और निगरानी द्वारा यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि ये आक्रामक प्रजातियाँ फिर सिर न उठा सकें। जहाँ घासभूमि में झाड़ियों/वृक्षों का अतिक्रमण बढ़ रहा हो, वहाँ नियंत्रित आग और नियोजित चराई जैसे हस्तक्षेप अपनाकर घासभूमि को खुले स्वरूप में बनाए रखा जा सकता है। अंत में, घासभूमि संरक्षण को प्रभावी बनाने के लिए स्थानीय समुदायों की भागीदारी,वैज्ञानिक समझ और शासन की दृढ़ इच्छाशक्ति - इन तीनों की आवश्यकता है। तभी हम सुनिश्चित कर पाएँगे कि ये मूल्यवान घासभूमि पारितंत्र भविष्य के लिए सुरक्षित रहें और बंजर भूमि समझकर की जाने वाली उपेक्षा से मुक्त हो सकें।

-अतिथि सम्पादक,
डॉ. दीप नारायण पाण्डेय
(भारतीय वन सेवा से सेवानिवृत्त तथा वर्तमान में राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान में विजिटिंग प्रोफेसर)
(यह लेखक के निजी विचार हैं और 'सार्वभौमिक कल्याण के सिद्धांत' से प्रेरित हैं)

चाकसू कस्बे के विभिन्न वार्डों में पेयजल समस्या के कारण लोग परेशान

लोगों के अनुसार हालात ये हो चुके हैं कि वार्ड के घरों में नहाने के पानी की तो दूर की बात, पीने के लिए भी पानी नहीं है

चाकसू, (निसं)। कस्बे के विभिन्न वार्डों में पेयजल समस्या के कारण लोग परेशान हैं। पानी की समस्या को लेकर लोगों ने विरोध प्रदर्शन किया। लोगों ने पानी की कमी के कारण होने वाली परेशानियों को लेकर अपनी चिंताएं व्यक्त की है।

लोगों ने अधिकारियों एवं जिम्मेदार जनप्रतिनिधियों को ज्ञापन और मौखिक रूप से मामले को लेकर सैकड़ों बार अवगत करा दिया है, लेकिन अभी तक कोई सुनवाई नहीं हुई है। हालात ये हो चुके हैं कि वार्ड के सभी घरों में नहाने के पानी की तो दूर की बात है, पीने के लिए भी पानी नहीं है। लोगों के अनुसार विभाग की ओर से कागजों में ही कार्य किया गया है। मामला नगर पालिका क्षेत्र के शितला माता इलाके के वार्ड नम्बर 34 एवं 35 का है। जब पूर्व कृषि मंडी अध्यक्ष कैलाश चंद शर्मा एवं जलदाय विभाग जेईएन पेयजल समस्याओं के जायजे के लिए शीतला माता इलाके में पहुंचने पर वहां एकत्रित वार्ड वासियों ने पेयजल समस्याओं को लेकर आ रही परेशानियों की झड़ी लगा दी। मौजूद महिलाओं ने बताया कि 20-25 सालों से शीतला माता इलाके के लोग परेशान है। वर्षों पूर्व तत्कालीन विधायक प्रोमिला कुन्डारा के समय पेयजल सप्लाई के लिए पानी की टंकी का निर्माण हुआ था लेकिन टंकी निर्माण से अब तक वार्डवासियों को 10 से 15 दिन बाद पानी सप्लाई मिल पाती है। वह भी तब मिलती है तब बार-बार जिम्मेदार जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों से गुहार लगाई जाती है। दोनों वार्डों में रेगुलर सप्लाई के लिए कई बार जिम्मेदारों को अवगत कराने के बावजूद भी आज तक समस्या का समाधान नहीं हो पाया है, जिससे पानी की कमी से लोग अपने रोजमर्रा के कामों को भी ठीक से नहीं कर पा रहे हैं।

वार्डवासियों को हेडपंपों एवं महंगी दरों से मिलने वाले पानी के टैंकरों के सहारे जीवन यापन करना पड़ रहा है। वार्ड वासियों को विभाग के टैंकरों एवं 10-15 दिन में टंकी से मिलने वाली अपर्याप्त सप्लाई के कारण आए दिन झगड़ों का भी सामना करना पड़ता है। वार्डवासियों ने जलदाय विभाग एवं जनप्रतिनिधियों से जल्द से जल्द समस्या समाधान की मांग की है। गोपाल गौतम एवं वार्ड वासियों के अनुसार जिस ठेकेदार के तहत टंकी का निर्माण हुआ है निर्माण से लेकर अब तक टंकी को विभाग को सुपुर्द नहीं किया गया है, जिसके चलते यहां लोगों को नल के कनेक्शन नहीं मिल पा रहे हैं। ठेकेदार और विभाग के बीच क्या मतभेद है इसकी जानकारी नहीं है, लेकिन इसका खामियाजा आम जनता को भुगतना पड़ रहा है। इस पर मौके पर मौजूद पूर्व कृषि मंडी अध्यक्ष कैलाश चंद शर्मा एवं जलदाय विभाग जेईएन दिलखुश मीणा ने वार्डवासियों को 10 दिन में समस्या समाधान का आश्वासन दिया है।

जेईएन दिलखुश मीणा ने बताया कि नगर पालिका प्रशासन की ओर से यहां कनेक्शन स्वीकृति के निर्देश नहीं मिलने के चलते यहां अब तक लोगों को नल कनेक्शन जारी नहीं हुए हैं, जिसके चलते यहां लोगों को बिना बिलिंग के टैंकों द्वारा एवं 10-15 दिन में विभाग की ओर से टंकी से पानी की सप्लाई दी जाती है। समस्या समाधान की कोशिश की जा रही है।

नगर पालिका अधिशासी अधिकारी डॉ. बनवारी लाल मीणा से बात करने पर बताया कि उपरोक्त मामला मेरी जानकारी में नहीं है। पूरी जानकारी कर लोगों को अति शीघ्र राहत दिलाई जाएगी।

नगर पालिका अध्यक्ष कमलेश बैरवा ने बताया कि नल कनेक्शन की स्वीकृति नहीं मिलने का मामला मेरे संज्ञान में आया है। पालिका की ओर से जल्द ही कनेक्शन लेने के लिए स्वीकृति जारी कर दी जाएगी।

जलदाय विभाग जेईएन व पूर्व कृषि मंडी अध्यक्ष कैलाश चंद शर्मा को वार्ड वासियों ने पेयजल समस्याओं को लेकर आ रही परेशानियों के बारे में जानकारी दी।

- वार्डवासियों को हेंडपंपों एवं महंगी दरों से मिलने वाले पानी के टैंकरों के सहारे जीवन यापन करना पड़ रहा है
- वार्डवासियों ने जलदाय विभाग एवं जन प्रतिनिधियों से जल्द से जल्द समस्या समाधान की मांग की है

श्रीमाधोपुर न्याय क्षेत्र में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन

राष्ट्रीय लोक अदालत में 225 प्रकरणों का निस्तारण किया गया।

श्रीमाधोपुर, (निसं)। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली, राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जयपुर एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, सीकर के तत्वाधान में शनिवार को इस वर्ष की द्वितीय राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया।

गीता पाठक (एडीजे) अध्यक्ष तालुका विधिक सेवा समिति, श्रीमाधोपुर ने बताया कि श्रीमाधोपुर न्याय क्षेत्र में तीन राष्ट्रीय लोक अदालत बैंचों का गठन किया गया है, जिसमें बैंच संख्या एक व दो श्रीमाधोपुर न्यायालय परिसर एवं बैंच संख्या तीन खण्डेला न्यायालय परिसर में प्रात: दस से सायं पांच बजे तक प्रकरणों की सुनवाई की गयी, जिसमें श्रीमाधोपुर तालुका स्थित न्यायालयों में लंबित राजीनामा योग्य सिविल, फौजदारी प्रकरणों, एम.ए.सी.टी.. पारिवारिक न्यायालय, घरेलू हिंसा, 138 एन.आई. एक्ट एवं प्री-लिटिगेशन (बैंक/बीमा कम्पनियों एवं बीएसएनएल, एवीवीएनएल, अजमेर) आदि के कुल 5153 प्रकरण चिन्हित किये गये, जिसमें कुल 225 प्रकरणों का निस्तारण एवं राशि 2 करोड़ 18 लाख 04 हजार 30 रुपए के अवार्ड पारित किये गया, जिनमें न्यायालयों में लंबित 128 प्रकरण एवं प्री-लिटिगेशन के 97 प्रकरणों का निस्तारण राष्ट्रीय लोक अदालत में राजीनामा के माध्यम से किया गया। इसी क्रम में अपर जिला एवं सेशन न्यायालय, श्रीमाधोपुर में लंबित मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण के चार प्रकरणों का निस्तारण किया गया जिनमें 11 लाख 75 हजार रूपये के अवार्ड पारित किये गये एवं 18 पारिवारिक प्रकरणों का निस्तारण लोक अदालत की भावना से किया गया। इस मौके पर एसीजेएम क्रम संख्या-1 अनूप कुमार तथा सदस्य अधिवक्ता भारत भूषण सामोता एवं संजय कुमार शर्मा, विद्युत निगम, बैंक, वित्तीय संस्थानों आदि के अधिकारी व कर्मचारी तथा न्यायालय कर्मचारीगण एवं अधिवक्तागण तथा काफी संख्या में पक्षकार उपस्थित रहे।

- द्वितीय राष्ट्रीय लोक अदालत में कई प्रकरणों का निपटारा किया

बाल अधिकारिता विभाग ने कई बाल विवाह रुकवाए

कोटा, (निसं)। जिला बाल संरक्षण इकाई एवं बाल अधिकारिता विभाग के सहायक निदेशक रामराज मीणा ने बताया कि बाल अधिकारिता विभाग, चाइल्ड हेल्पलाइन, सृष्टि सेवा समिति जस्ट राइट फॉर चिल्ड्रन, लाड़पुरा तहसील की टीम एवं कोटा शहर व ग्रामीण पुलिस के संयुक्त तत्वाधान में शनिवार को कार्रवाई करते हुए कई बच्चों के बाल विवाह को रुकवाया।

संरक्षण अधिकारी दिनेश शर्मा ने बताया कि चाईल्ड हेल्पलाइन 1098 पर सूचना मिली थी की महावीर नगर थाना क्षेत्र में एक नाबालिग बालक का विवाह का आयोजन होने वाला है, जिस पर टीम मौके पर पहुंची और बालक के दस्तावेजों की जांच की गई तो बालक 21 वर्ष से कम पाया गया जिस पर टीम द्वारा उसके परिजनों को पाबंद किया गया। वहीं दूसरी सूचना मंडाना थाना क्षेत्र से प्राप्त हुई थी जिस पर टीम मौके पर बच्चों के घर पहुंची जहां बालिका जांच के दौरान 18 वर्ष से अधिक की पाई गई, परंतु बालक 21 वर्ष से कम आयु का निकाला, जिस पर उपस्थित टीम ने बालक के परिजनों को मौके पर ही पाबंद किया। तीसरी सूचना गुमानपुरा थाना क्षेत्र के छावनी रामचंद्रपुरा में नाबालिग बच्चों की शादी की सूचना प्राप्त हुई, जिस पर संयुक्त टीम बच्चों के घर पर पहुंची और दस्तावेजों की जांच की गई जिसमें बालक और बालिका दोनों ही 18 वर्ष से कम आयु के पाए गए। इन परिस्थितियों में व बाल विवाह ना हो जाए को मध्यनजर रखते हुए दोनों बच्चों को बाल कल्याण समिति की सदस्य हरप्रीत कौर के समक्ष पेश किया व दोनों बच्चों को आश्रय गृह में अस्थाई आश्रय दिलवाया गया है।

जिला प्रशासन की टीम ने सभी बच्चों के परिजनों को हिदायत दी 18 व 21 वर्ष से कम आयु के बालक एवं बालिका की शादी करना गैरकानूनी है व बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006 के तहत अपराध है। अत: आप अपने बच्चों की शादी लड़के की 21 वर्ष की आयु पूर्ण करने वह लड़की की 18 वर्ष पूर्ण करने के बाद ही करें।

बाल विवाह रुकवाने गई टीम में बाल अधिकारिता विभाग के संरक्षण अधिकारी दिनेश शर्मा, संजय मेहरा, सृष्टि सेवा समिति से जिला समन्वयक भूपेंद्र सिंह, चाईल्ड हेल्पलाइन काउंसलर महिमा पांचाल, सुपरवाइजर जयवीर खटाना, श्रुति शर्मा, केस वर्कर बंटी सुमन, सौरभ मेहरा, लाड़पुरा तहसील से नायब तहसीलदार रेखराज स्वामी, पटवारी शुभम अग्रवाल, पटवारी रिंकू रईस, राजेश सैनी, कानूनगो राजेंद्र, महावीर नगर थाने से सहायक उपनिरीक्षक नरेंद्र सिंह, मंडाना थाने से हेड कांस्टेबल कमल सिंह, गुमानपुरा थाने से सहायक उप निरीक्षक कुंवर सिंह उपस्थित रहे।

- बाल विवाह रुकवाकर परिजनों को पाबंद किया गया

10 से कम छात्रों वाले इंग्लिश मीडियम स्कूल बंद नहीं होंगे

बीकानेर, (निसं)। प्रदेश के जिन इंग्लिश मीडियम स्कूलों में 10 से कम छात्र हैं, इनको बंद करने की योजना सरकार ने बनाई थी। प्रदेश में ऐसे 600 से 800 स्कूल बताए जा रहे थे लेकिन सरकार बैकफुट पर आई और स्कूल न बंद करने के साथ यहां प्रवेश करने की अनुमति दे दी गई।

दूसरी ओर प्रवेश आगामी आदेशों तक स्थगित करने के मामले में भी शिक्षा विभाग बैकफुट पर आ गया है। अब राज्य के सभी 3737 महात्मा गांधी इंग्लिश मीडियम स्कूलों में प्रवेश होंगे। माध्यमिक शिक्षा निदेशक आशीष मोदी ने इस संबंध में आदेश जारी किए हैं। वहीं 6 मई को जारी कुछ स्कूलों में प्रवेश के कार्यक्रम को आगामी आदेशों तक स्थगित करने के ऑर्डर को शिक्षा निदेशक ने वापस ले लिया है। महात्मा गांधी इंग्लिश मीडियम स्कूलों में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन लिए जा रहे हैं। यह आवेदन शाला दर्पण पोर्टल के जरिए हो रहे हैं। एक अभ्यर्थी अधिकतम पांच स्कूलों में ऑनलाइन आवेदन कर सकेगा। प्रवेश के लिए अभ्यर्थी ऑनलाइन आवेदन 15 जून तक कर सकेंगे। लॉटरी 17 जून को निकाली जाएगी।

- माध्यमिक शिक्षा निदेशक आशीष मोदी ने इस संबंध में आदेश जारी किए
- महात्मा गांधी इंग्लिश मीडियम स्कूलों में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन जारी

राशिफल रविवार 11 मई, 2025

पंडित अनिल शर्मा

वैशाख मास, शुक्ल पक्ष, चतुरदशी तिथि, रविवार, विक्रम संवत 2082, स्वाती नक्षत्र सोमवार प्रात: 6:17 तक, व्यतिपात योग सोमवार प्रात: 5:10 तक, गर करण प्रात: 6:46 तक, चन्द्रमा तुला राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-मेष, चन्द्रमा-तुला, मंगल-कर्क, बुध-मेष, गुरू-वृष, शुक्र-मीन, शनि-मीन, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

आज रवियोग दिन 1:18 से आरम्भ होगा। भद्रा रात्रि 8:02 से आरम्भ होगी। आज हिश्रन्नमस्ता जयन्ती, श्रीनृसिंह जयन्ती, व्रत, व्यतिपात पुण्यं, मदर डे है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर 7:25 से 9:04 तक, लाभ अमृत 9:04 से 12:23 तक, शुभ 2:02 से 3:42 तक।

राहूकाल: 4:30 से 6:00 तक। सूर्योदय 5:45, सूर्यास्त 7:01

मेष
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में सामूहिक प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

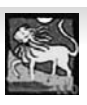

सिंह
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। मित्रों/रिश्तेदारों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। आज नये-पुराने मित्रों से मुलाकात हो सकती है।

धनु
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। आज घर-परिवार में अतिथियों के आगमन से उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

वृष
स्वास्थ्य में सुधार होगा। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे।

कन्या
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। आज शुभ संदेश प्राप्त हो सकते हैं। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है।

मकर
अपने अति आवश्यक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। आज कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। आज महत्वपूर्ण कार्यों से संबंधित वार्ता सफल रहेगी।

मिथुन
परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। आज समय रचनात्मक कार्यों में व्यतीत होगा। आज धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है।

तुला
अपने आवश्यक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। आज कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। स्वास्थ्य ठीक रहेगा।

कुंभ
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। आज परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। घर-परिवार में सुख-सुविधाओं में वृद्धि होगी।

कर्क
घर-परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी।

वृश्चिक
अनगर्ल कार्यों में समय खराब हो सकता है। अनावश्यक धन खर्च होगा। घर-गृहस्थी के खर्चों में वृद्धि होगी। धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं।

मीन
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं। अरज बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। नवीन कार्यों के लिए दिन ठीक नहीं है। यात्रा में परेशानी हो सकती है।

सार-समाचार

शिविर में 46 यूनिट रक्तदान

गंगापुर सिटी, (निसं)। जिला अस्पताल में शनिवार को केमिस्ट एसोसिएशन ने रक्तदान शिविर का आयोजन किया। भारत-पाक के बीच तनावपूर्ण स्थिति को देखते हुए यह कदम उठाया गया। केमिस्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष राजेंद्र सोनी और सचिव ओमप्रकाश अग्रवाल ने बताया कि जम्मू कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमले में कई नागरिकों की मौत के बाद भारत ने ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया है। अस्पताल के पीएमओ डॉक्टर दिनेश गुप्ता और ब्लड बैंक प्रभारी विजेंद्र गुप्ता ने युवाओं से रक्तदान के लिए आगे आने का आग्रह किया। रक्तदान शिविर में ब्लड बैंक प्रभारी डॉक्टर विजेंद्र गुप्ता एवं विजय गुप्ता की टीम के निर्देशन में 46 यूनिट ब्लड एकत्रित किया गया। केमिस्ट एसोसिएशन अध्यक्ष राजेंद्र सोनी, कृष्ण कुमार गोयल, राजेंद्र गर्ग, लक्ष्मी नारायण अग्रवाल, अनिल गुप्ता, नरेश जैमिनी, वेद प्रकाश शर्मा, विजेंद्र सिरोहिया, विनोद सिरोहियाया, गौरव सोनी,सौरभ सोनी सहित कई केमिस्ट साथी एवं अन्य गणमान्य देशभक्त नागरिको ने रक्तदान किया। कार्यक्रम में केमिस्ट एसोसिएशन के कृष्ण कुमार कुबेर, राजेंद्र बीआर, वेदप्रकाश शर्मा बंटी, लक्ष्मीनारायण अग्रवाल, अनिल गुप्ता, विजेंद्र सिरोहिया, नरेश जैमिनी सहित एसोसिएशन के अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

स्वास्थ्य केंद्र का निरीक्षण किया

गंगापुर सिटी, (निसं)। जिला अस्पताल में मौसमी बीमारियों और लू से निपटने की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अनिल कुमार जैमिनी ने शुक्रवार को स्वास्थ्य केंद्रों का निरीक्षण किया। उन्होंने यूपीएचसी उदेई मोड और जिला अस्पताल का औचक दौरा किया। दोनों स्वास्थ्य केंद्रों में सभी व्यवस्थाएं दुरुस्त पाई गईं। स्टाफ भी समय पर उपस्थित था। सीएमएचओ ने अस्पतालों को पर्याप्त दवाइयां रखने के निर्देश दिए हैं। लू और हीट वेव के मरीजों के लिए फ्ल्यूड और ओआरएस की व्यवस्था की गई है। बेड रिजर्व रखे गए हैं। मरीजों की सुविधा के लिए एसी, कूलर और ठंडे पानी की व्यवस्था की गई है। जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक में कलेक्टर के निर्देशों का पालन किया जा रहा है। आरसीएच गतिविधियां और परिवार कल्याण कार्यक्रम के लक्ष्यों को पूरा करने पर जोर दिया गया है। एनसीडी कार्यक्रम के तहत स्क्रीनिंग की जा रही है। दोपहर 2 बजे सीएमएचओ ने निजी अस्पतालों के साथ बैठक की। जननी सुरक्षा योजना में प्रगति बढाने के निर्देश दिए गए। आपात स्थिति से निपटने के लिए विभागीय कर्मचारियों की छुट्टियां रद्द कर दी गई हैं। सभी अस्पतालों को आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने और विभाग को पूरा सहयोग देने को कहा गया है।

श्यामलाल मीणा बने अध्यक्ष

गंगापुर सिटी, (निसं)। विजयलक्ष्मी ऑडिटोरियम में क्षेत्रीय विकास मंच की बैठक आयोजित की गई। बैठक में सर्वसम्मति से नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। गवर्नमेंट कॉलेज से रिटायर्ड प्रिंसिपल श्यामलाल मीणा को अध्यक्ष चुना गया। डॉ. सीताराम गुप्ता को महामंत्री बनाया गया। कार्यकारिणी में सूरज प्रसाद गर्ग को उपाध्यक्ष, घनश्याम मेठी को कोषाध्यक्ष, चोखेलाल वर्मा को संगठन मंत्री और राजेंद्र शर्मा को विधि सलाहकार नियुक्त किया गया। मंच के संरक्षक प्रहलादलाल गुप्ता और ईश्वरलाल शर्मा ने रेलवे परियोजनाओं और गंगापुर सिटी के विकास में मंच की भूमिका पर प्रकाश डाला। नवनियुक्त अध्यक्ष श्यामलाल मीणा ने समाज सेवा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता जताई। संस्थापक संयोजक डॉ. हेमंत शर्मा ने बताया कि मंच में सभी सामाजिक और व्यापारिक संगठनों के प्रतिनिधियों को शामिल किया जाएगा। बैठक में डॉ. जुगल किशोर तलवार, प्रो. मटरूमल मीणा, लख्खी शाक्यवार, ओमप्रकाश शर्मा, लक्ष्मीनारायण, हीरालाल शाक्य समेत कई प्रमुख लोग उपस्थित रहे।

फूल बंगला झांकी आज

गंगापुर सिटी, (निसं)। नरसिंह भक्त मण्डल के तत्वाधान में नरसिंह जयन्ती केअवसर पर नरसिंह कॉलोनी स्थित नरसिंह मंदिर पर रविवार को विशाल छप्पन भोग एवं फूल बंगला झांकी का आयोजन किया जायेगा। महंत रामबाबू शर्मा ने बताया कि योगाचार्य डा दासलाल जी महाराज के सानिध्य में रविवार शाम सवा 7 बजे भगवान नरसिंह की जयन्ती के अवसर प फूल बंगला एव छप्पन भोग झांकी सजाई जायेगी। शाम को संध्या आरती के बाद आमजन को दर्शनार्थ खोला जायेगा। नरसिंह भक्त मण्डल के सदस्यो ने बताया कि छप्पन भोग की तैयारिया पूर्ण कर ली गई है। उन्होने शहर के सभी धर्मप्रेमी बंधुओ से अधिक से अधिक संख्या में छप्पन भोग झांकी के दर्शन कर पुण्य लाभ उठाने की अपील की है। छप्पन भोग के प्रसाद का वितरण सोमवार को शाम 5 बजे से किया जायेगा।

राष्ट्रीय लोक अदालत में 2 करोड़ 23 लाख के अवार्ड पारित

गंगापुर सिटी, (निसं)। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सवाई माधोपुर के निर्देशानुसार तालुका विधिक सेवा समिति गंगापुर सिटी के तत्वाधान में शनिवार को वर्ष की द्वितीय राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया। तालुका सचिव ने बताया कि लोक अदालत में आपसी सहमति से प्रकरणों के निस्तारण के लिए तालुका गंगापुर सिटी में कुल2 बेंचों का गठन किया गया। राष्ट्रीय लोक अदालत में

■ राष्ट्रीय लोक अदालत में 344 प्रकरणों का हुआ निस्तारण

राष्ट्रीय लोक अदालत में लंबित प्रकरणों का निस्तारण करते न्यायिक अधिकारी।

प्रथम बेंच की अध्यक्षता रेशमा खान, अपर जिला एवं सेशन न्यायधीश संख्या 2, गंगापुरसिटी द्वारा की गई।

खान ने बताया कि लोक अदालत विवादों को निपटाने का वैकल्पिक साधन है जहां विवादों का आपसी सहमति से निपटारा किया जाता है यह कम समय में विवादों को निपटाने के लिए आसान और अनौपचारिक प्रक्रिया है। लोक अदालत के अवसर पर न्यायाधिकारी, ग्राम न्यायालय मनीषा कुमारी, उप जिला कलेक्टर गंगापुर सिटी बृजेंद्र मीणा, पैनल अधिवक्ता नीरज खंडेलवाल ने लोक अदालत में समझाइश कर प्रकरणों का निस्तारण किया। इस दौरान बडी संख्या में पक्षकार, अधिवक्ता गण, बैंकों के अधिकारी गण व राजस्व न्यायालय के अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे। लोक अदालत में सभी बैंचो द्वारा कुल 344 प्रकरणों का निस्तारण किया गया जिसमे 2 करोड 23 लाख रुपए से अधिक के अवार्ड पारित किए गए। पूरे दिन चली लोक अदालत के दौरान बेंच संख्या 1 के द्वारा अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश संख्या 1 के 39 लंबित प्रकरणों का निस्तारण किया गया। इसी बेंच के द्वारा अपर जिला में सेशन न्यायाधीश संख्या 2 के 15 प्रकरणों का निस्तारण किया गया तथा अतिरिक्त वरिष्ठ सिविल न्यायाधीश एवं अतिरिक्त मुख्य न्यायाधीश मजिस्ट्रेट गंगापुर सिटी के लंबित 57 प्रकरणों का निस्तारण किया गया और प्रिलिटिगेशन स्तर के मामलों में 165 प्रकरणों का निस्तारण किया गया। बेंच संख्या 2 के द्वारा अतिरिक्त सिविल न्यायाधीश एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट गंगापुरसिटी के 62 लंबित प्रकरणों का निस्तारण किया गया। इसके साथ ही अतिरिक्त सिविल न्यायाधीश एवं न्यायाधीश संख्या 1, गंगापुरसिटी के 7 प्रकरणों तथा अतिरिक्त सिविल न्यायाधीश एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट संख्या 2 के 28 लंबित प्रकरणों का निस्तारण किया गया। ग्राम न्यायालय के 10 लंबित प्रकरणों का निस्तारण किया गया तथा 2 करोड 23 लाख से अधिक राशि के अवार्ड पारित किए गए।

नि:संतान्ता व आईवीएफ परामर्श शिविर आयोजित

भरतपुर,(निसं)। डॉ. कुसुम शर्मा हॉस्पीटल कैम्पस गोपालगढ भरतपुर में निसंतान्ता एवं आईवीएफ परामर्श शिविर का आयोजन किया गया।

हॉस्पीटल की डायरेक्टर डॉ. कुसुम शर्मा स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ ने बताया कि इस शिविर में आसपास के ग्रामीण एवं शहरी 28 मरीजों ने परामर्श लिया, इसमें 6 दम्पत्ति ऐसे भी थे जो पूर्व में इलाज से लाभान्वित हो चुके थे।शिविर में जिन भी दम्पत्ति को बच्चा होने में किसी भी प्रकार की दिक्कत आ रही है, जिन महिलाओं को बच्चेदानी की रसोली, फैलोपियन ट्ययूब ब्लॉक, बच्चेदानी में टीबी, बार बार गर्भधारण होने के पश्चात भी गर्भपात होना, अधिक उम्र होने पर महीना न आना या फिर संतान न होना, एक बार संतान होने पर दोबारा गर्भ धारण न होना, दो या तीन बार आईयूआई कराने पर भी असफलता मिलना, अनियमित माहवारी या अण्डों का नहीं बनना एवं समय पर नहीं फूटना और पुरूषों में शुक्राणु में कमी होना आदि किसी भी समस्या के कारण माता पिता बनने के सुख से वंचित रह गये हैं उन्हें संतान उत्पत्ति के लिए सही मार्गदर्शन दिया गया।

भरतपुर के डॉ. कुसुम शर्मा हॉस्पीटल में नि:संतान्ता व आईवीएफ परामर्श शिविर का आयोजन हुआ।

इस शिविर में जयपुर के प्रसिद्ध डॉक्टर निशांत दीक्षित द्वारा निसंतान्ता एवं आईवीएफ के मरीजों के लिए परामर्श दिया गया। इस मौके पर पर अजय शर्मा, नरेन्द्र शर्मा, संजय तिवारी, सुरेश शर्मा, दीपक कुमार, मनीष, करतार, बोबी, सुमित, रवि, दिव्या, सुरभि, पुष्पलता, सीमा राजपूत आदि मौजूद रहे।

लोक अदालत का आयोजन

भरतपुर, (निसं)। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण एवं राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशन में केषव कौषिक, जिला एवं सेषन न्यायाधीश, भरतपुर कि अध्यक्षता में भरतपुर मुख्यालय व डीग जिले के मुख्यालय तथा तालुकाओं की न्यायिक एवं राजस्व न्यायालयों में 20 लोक अदालत बैंचों का गठन किया जाकर पारिवारिक, मोटर दुर्घटना दावा, चैक अनादरण, दाण्डिक शमनीय तथा अन्य प्रकृति के लम्बित प्रकरणों तथा विद्युत, बीमा, बैंक आदि विषय के प्रीलिटिगेषन प्रकरणों के निस्तारण हेतु वर्ष की द्वितीय राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया। इस लोक अदालत में भरतपुर जिले में सिविल एवं राजस्व न्यायालयों में लंबित चले आ रहे 11765 प्रकरणों का निस्तारण किया गया एवं बैक/वित्तीय संस्थाओं/बीमा कम्पनीयों तथा राजस्व से सम्बन्धित मामलों, प्री-लिटिगेशन के 47577 प्रकरणों का राजीनामे से निस्तारण किया जाकर 40064823 रूपये का अवार्ड पारित किया गया।भरतपुर मुख्यालय एवं तालुका पर स्थित मोटर वाहन दुर्घटना दावा अधिकरण में जरिये राजीनामा 47 प्रकरण निस्तारित किये जाकर लगभग 35056000 से अधिक अवॉर्ड राशि पारित की गयी।

एक गिरफ्तार

भरतपुर, (निसं)। पुलिस ने अवैध हथियार सहित एक गिरफ्तार किया है। जिला पुलिस अधीक्षक भरतपुर मृदुल कच्छावा के निर्देशन में अवैध हथियारों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के तहत अति. पुलिस अधीक्षक बयाना हरिराम व वृत्ताधिकारी वृत रूपवास नीरज शर्मा आरपीएस के सुपरवीजन में थानाधिकारी पन्नालाल मय जाप्ता द्वारा कार्यवाही करते हुये अवैध हथियार रखने के मामले में आरोपी मनोज उर्फ खन्ना कुशवाह निवासी बीघा का पुरा सैपऊ जिला धौलपुर को गिरफतार किया।

गंगा मंदिर पर तीन दुकानों को ढहाया

भरतपुर, (निसं)। भरतपुर के गंगा मंदिर को रियासतकालीन स्वरूप देने के लिए मंदिर के आसपास के क्षेत्र से अतिक्रमण हटाया जा रहा है। आज सुबह नगर निगम की टीम बुलडोजर लेकर गंगा मंदिर पहुंची। मंदिर के गेट के पास बानी 3 अवैध दुकानों को बुलडोजर से तोड़ा गया। नगर निगम ने पहले ही नोटिस देकर दुकानें खाली करवा दी थी। तीनों दुकानें नगर निगम की जमीन पर अतिक्रमण कर बनाई गई थी। अतिक्रमण हटाने के दौरान लोगों की भीड भी जमा रही ।

■ 60 फीट रोड पर अतिक्रमण कर बनाई थी दुकानें, जनवरी से दिए जा रहे थे नोटिस

नगर निगम के आयुक्त श्रवण कुमार विश्नोई ने बताया कि गंगा मंदिर के एंट्री गेट के पास तीन दुकानें बनी हुई थी। मंदिर के पास का रोड़ 60 फ़ीट का है। अतिक्रमण करके रोड को छोटा कर दिया गया था। यहां पर गोपाल बैंड और मोबाइल की दुकानें थी। तीनों दुकान वालों को जनवरी से नोटिस दिया जा रहा था। कल दुकानें खाली कर दी गई थी। जिसके बाद आज दुकानों को तोड़ दिया गया है।गंगा मंदिर के एंट्री का रास्ता अब पूरा 60 फ़ीट चौड़ा हो गया है। अब मंदिर की एंट्री के लिए हेरिटेज लुक में गेट बनाया जाएगा। अतिक्रमण को तोड़ने के लिए 2 बुलडोजर का सहारा लिया गया।

राष्ट्रीय लोक अदालत में 20586 प्रकरणों का किया निस्तारण

करौली, (निसं)। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर के निर्देशानुसार एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की अध्यक्ष एवं जिला एवं सेशन न्यायाधीश करौली माधवी दिनकर के निर्देशन में 'शनिवार को करौली जिले के समस्त न्यायिक न्यायालयों,समस्त राजस्व न्यायालयों,जिला उपभोक्ता प्रतितोष आयोग करौली व श्रम विभाग में लंबित सभी प्रकृति के विवादों से संबंधित एक दिवसीय राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन ऑफलाईन के साथ-साथ ऑनलाईन माध्यम से किया गया।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव एवं अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश ममता चैधरी व अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश विनोद कुमार बागडी व तथा अतिरिक्त सिविल न्यायाधीश एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट सुश्री लक्षिता सूत्रकार ने मॉ सरस्वती के चित्रपट पर दीप प्रज्वलित कर राष्ट्रीय लोक अदालत का शुभारम्भ किया गया। राष्ट्रीय लोक अदालत के आयोजन हेतु करौली मुख्यालय पर 3 सपोटरा मुख्यालय पर 1, ताल्लुका मुख्यालय हिण्डौन सिटी पर 2, श्रीमहावीरजी पर 1 एवं टोडाभीम पर 1 लोक अदालत बैंचों का गठन किया गया। इस प्रकार सम्पूर्ण जिले में कुल 8 बैंचों द्वारा लोक अदालत में राजीनामा के आधार पर प्रकरणों का निस्तारण किया गया। करौली मुख्यालय पर बैंच संख्या 1 के अध्यक्ष विनोद कुमार बागडी अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश, बैंच संख्या 2 की अध्यक्ष सुश्री लक्षिता सूत्रकार अतिरिक्त सिविल न्यायाधी'I एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट, बैंच संख्या 3 की अध्यक्ष श्रीमती ममता चैधरी सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की बैंचों का गठन किया गया। बैच संख्या 1 में सदस्य वीरेन्द्र सिंह धावाई अधिवक्ता व सुरेन्द्र चतुर्वेदी सदस्य जिला उपभोक्ता प्रतितोष आयोग करौली एवं बैंच संख्या 2 में सदस्य श्री नितिन शर्मा अधिवक्ता रहे एवं बैंच संख्या 3 में सदस्य महेन्द्र सिंह गुर्जर तहसीलदार तहसील करौली व सदस्य रहे। राष्ट्रीय लोक अदालत में सम्पूर्ण करौली जिले में न्यायालयों में लम्बित प्रकरणों में से 3564 प्रकरण रखे गये जिनमें से 1571 प्रकरणों का निस्तारण किया जाकर राशि 2,96,06,866- रूपयें का अवार्ड पारित किया गया तथा बैंक एवं वित्तीय संस्थाओं के प्रि-लिटिगेशन के 24152 प्रकरण रखे गये जिनमें से 19015 प्रकरणों का निस्तारण किया जाकर 2,96,39,223ध्- रूपयें का अवार्ड पारित किया गया इस प्रकार कुल 27716 प्रकरण रखे गये जिनमें से 20586 प्रकरणों का निस्तारण किया जाकर राशि 5,92,46,089ध्-रूपये का अवार्ड पारित किया गया। क्षेत्र विशेष की समस्या को देखते हुए विद्युत विभाग के विद्युत बिल की बकाया राशि के प्रकरणों में राष्ट्रीय लोक अदालत आयोजन से पूर्व जिला मुख्यालय करौली, सपोटरा, नादौती एवं तालुका विधिक सेवा समिति हिण्डौनसिटी, श्रीमहावीरजी व टोडाभीम पर विभिन्न दिनाकों को प्री-काउंसलिंग कैम्प आयोजित कर पक्षकारान के मध्य प्री-काउंसलिंग करवायी गयी। प्री-काउंसलिंग के दौरान पक्षकारान को समझौता राशि निर्धारित की गयी जिस पर अधिकाषत: पक्षकारों द्वारा समझौता राशि अदा करने हेतु समय चाहा गया। जिसके क्रम में शनिवार को पक्षकारान द्वारा राष्ट्रीय लोक अदालत में उपस्थित होकर समझौता राशि अदा करने पर विद्युत विभाग के कुल 1071 प्रकरण निस्तारित हुए है। भविष्य में भी 13 सितम्बर को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत में भी विद्युत विभाग के प्रकरणों में प्री-काउंसलिंग कैम्प आयोजित किये जायेंगे।

श्रीराधारमण मंदिर का 158वां स्थापना दिवस मनाया

भरतपुर, (निसं)। भरतपुर लक्ष्मण मंदिर के निकट स्थित प्राचीन मंदिर श्री राधारमण जी महाराज के मंदिर के 158वें स्थापना दिवस के अवसर पर श्रीधाम वृन्दावन से पधारे आलोक कृष्ण गोस्वामी महाराज ने कहा कि बृज ही ब्रहमा है तथा ब्रहमा ही बृज है, बृज का हृदय वृन्दावन है तथा वृन्दावन के हृदय की चेतना राधा और कृष्ण हैं, जहां पर राधा कृष्ण के मंदिर हैं, वहां उनकी ही चेतना के दर्शन होते हैं। इस स्थापना महोत्सव पर पधारे समस्त भक्तजन इस चेतना का आनन्द ले रहे हैं, उन्होंने संपूर्ण बृज क्षेत्र के महत्व पर भी विस्तार से प्रकाश डाला और कहा कि वृन्दावन की तरह ही मथुरा, गोकुल, गोवर्धन व बरसाना आदि चौरासी कोस में स्थित बृज क्षेत्र के सभी स्थल पुण्य क्षेत्र हैं। गोस्वामी के मंदिर की स्थापना के बारे में बताया एवं भजन संकीर्तन के साथ वाणी को विराम दिया।

इस अवसर पर प्रात: 8.30 बजे श्रीधाम वृन्दावन से पधारे आलोक कृष्ण गोस्वामी एवं बलराम गोस्वामी महाराज ने प्रिय प्रियतम का दूध, दही, घी, शक्कर, शहर, केशर व अनेक प्रकार की औषधियों से अभिषेक किया। इस दौरान पं. प्रेमी शर्मा वेद मन्त्रोचार का उच्चारण करते रहे। वृन्दावन से पधारे ललित शर्मा व वीरेन्द्र शर्मा सहयोग करते रहे।इस मौके पर मुख्य

प्राचीन मंदिर श्री राधारमण मंदिर का स्थापना दिवस मनाया।

अतिथि भरतपुर जिला अठावाल महासभा के अध्यक्ष सीए अतुल मित्तल अन्तर्राष्ट्रीय वैश्य सम्मेलन के वरिष्ठ उपाध्यक्ष अनुराग गर्ग, शिक्षाविद् वासुदेव गुप्ता, प्रमुख व्यवसायी कपूरचंद सिंघल माचिस वाले, कथावाचक भगवानदास राम भक्त, कांठोस नेता धर्मेन्द्र शर्मा, भरतपुर व्यापार महासंघ अध्यक्ष भगवानदास बंसल एवं डा. नरेन्द्र अठावाल बंटी रहे। गोस्वामी व समस्त प्रमुख आगन्तुक महानुभावों का सम्मान प्रबंध कारिणी के अध्यक्ष चन्द्रमोहन गुप्ता एडवोकेट, उपाध्यक्ष डी.डी. गोयल, मंत्री मोहन मित्तल, महेश गोयल सर्राफ, अर्जुन बंसल एवं विष्णु लोहिया ने पटका, माला, शॉल उढाकर किया।मंदिर प्रांगण में भव्य फूल बंगला व रोशनी कराई गयी, पूरा प्रांगण भक्ति भाव में डूब गया। अन्त में चरणामृत, ठंडाई व कुलिया प्रसादी वितरित की गयी। इस मौके पर ओमप्रकाश सिंघल मिन्टू, एस. एन. अग्रवाल, विष्णु गोयल आर्शीवाद, गोविन्द अग्रवाल, महेश चंद सिंघल, प्रेम गोयल, मुकेश अग्रवाल बजाज, मोहनलाल ग्रवाल, राजकुमार तिलकधारी, प्रो. अशोक गुप्ता, एस.पी. जिंदल, प्रहलाद लोहिया, पूर्व जिला महिला अध्यक्षा विनीता गुप्ता, डा. मिथलेश अद्रवाल, ओमप्रकाश शर्मा, परषोत्तम डीगिया, रामअवगतार कोठारी, सीमा मंगल, गायत्री अठावाल, अनीता मित्तल आदि उपस्थित रहे।

सार-समाचार

मौसिकी से कराया रूबरू

भरतपुर (निस)। नेटथियेट कार्यक्रम की श्रृंखला में आज 'सरुर-ए-ग़ज़ल' कार्यक्रम में सुप्रसिद्ध ग़ज़ल सिंगर 'जावेद हुसैन' ने अपनी मखमली आवाज़ में सुप्रसिद्ध शायरों की गजलों का गुलदस्ता पेश कर मौसिकी से रूबरू कराया। नेटथियेट के राजेन्द्र शर्मा राजू ने बताया कि कलाकार जावेद ने अपने कार्यक्रम की शुरूआत सुप्रसिद्ध शायर सैयद हबीबुर रहमान नियाजी की गजल 'दिल लिया और मुकर गया कैसे, उल्टे इल्जाम धर गया कैसे' से की । इसके बाद उन्होंने मोहम्मद उस्मान आरिफ की एक ग़ज़ल 'प्यार का जज्बा नया रंग दिखा देता है, अजनबी चेहरे को महबूब बना देता है' फिर शायर चराग जयपुरी की 'मेरे प्यार को भुला तो ना दोगे कहीं दोस्त बनकर दगा तो ना दोगे' को जब अपनी पुरकशिश आवाज में इन ग़ज़लों को सुनाया तो दर्शक वाह-वाह कर उठे और अंत में शायर मिर्जा गालिब की मशहूर गजल 'कोई उम्मीद पर नहीं आती कोई सूरत नजर नहीं आती' सुनाकर अपनी गायिकी का परिचय दिया। ज्ञात रहे की अभी हाल ही में आकाशवाणी द्वारा कलाकार जावेद हुसैन को ए ठोड की उपाधि से सम्मानित किया गया है । जावेद एक संगीत परिवार से ताल्लुक रखते हैं । उनके गुरु पिता और चाचा पद्मश्री अहमद हुसैन मोहम्मद हुसैन देश के सुप्रसिद्ध गज़ल गायक है। इनके के साथ वायलिन पर 'गुलज़ार हुसैन' ,की बोर्ड पर 'रहबर हुसैन', हारमोनियम पर 'हीरेंद्र कुमार भट्ट', गिटार पर 'बिलाल हुसैन' और तबले पर 'शफात हुसैन' ने अपनी उंगलियों का जादू दिखाकर गज़ल की इस महफिल को परवान चढाया। सभी कलाकारों ने अपनी शानदार संगत से कार्यक्रम को ऊंचाइयां दी। कार्यक्रम संयोजक नवल डांगी तथा कार्यक्रम में इम्पीरियल प्राइम कैपिटल के कला रसिक मनीष अग्रवाल की ओर से कलाकारों को स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया।

स्कूल में किया मॉकड्रिल

गंगापुर सिटी, (निसं)। स्वामी विवेकानंद राजकीय मॉडल स्कूल डिब्बस्या में आपदा प्रबंधन की मॉक ड्रिल आयोजित की गई। इस प्रशिक्षण में जाट बडौदा पंचायत के सभी सरकारी और निजी स्कूलों के विद्यार्थी और शिक्षक शामिल हुए। वरिष्ठ शिक्षक योगेश चंद शर्मा और शिक्षिका अनिता शर्मा ने विद्यार्थियों को आपातकालीन स्थिति में सुरक्षित रहने के उपाय बताए। प्रिंसिपल भगवान सहाय गुप्ता ने जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुई आतंकी घटना का जिक्र किया। उन्होंने बताया कि 22 अप्रैल को आतंकवादियों ने दो दर्जन से अधिक नागरिकों की हत्या कर दी। इसके जवाब में भारत ने ऑपरेशन सिंदूर चलाया और पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों को नष्ट कर दिया। मॉक ड्रिल में प्रिंसिपल ने विशेष सुरक्षा निर्देश दिए। उन्होंने ब्लैकआउट की स्थिति में लाइट बंद करने की सलाह दी। साथ ही अफवाहों से बचने और सायरन या हूटर की आवाज पर शांत रहने का निर्देश दिया। इस दौरान मीडिया प्रभारी पुखराज मीना, डिब्बस्या की प्रिंसिपल विजयबाई मीना और समस्त स्टाफ ने भी मॉक ड्रिल में हिस्सा लिया।

राष्ट्र जय यज्ञ का आयोजन

गंगापुर सिटी, (निसं)। विप्र फाउंडेशन जोन एक-डी और ब्राह्मण समाज ने राष्ट्र जय यज्ञ का आयोजन किया। यह यज्ञ नसिया कॉलोनी स्थित विजयलक्ष्मी ऑडिटोरियम में संपन्न हुआ। यज्ञ का मुख्य उद्देश्य पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद चल रहे ऑपरेशन सिंदूर में तैनात जवानों का मनोबल बढाना था। कार्यक्रम में भगवान परशुराम की आराधना की गई। संकल्प सिंदूरी कार्यक्रम तहत ओम राम राम परशुराम, परशु हस्ताय नमः मंत्र का जाप किया गया। प्रदेशाध्यक्ष डॉ. हेमंत शर्मा ने बताया कि 22 अप्रैल को पहलगाम में आतंकियों ने 24 निर्दोष लोगों की हत्या कर दी। इसके जवाब में भारत ने ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया। इस ऑपरेशन में पाकिस्तान स्थित आतंकी ठिकानों को नष्ट किया गया। पाकिस्तान की ओर से ड्रोन हमले और सीमा पर फायरिंग की जा रही है। सीमा पर तनावपूर्ण स्थिति बनी हुई है। विप्र फाउंडेशन के युवा जिलाध्यक्ष धनेश शर्मा ने कहा कि यह संकल्प देश की रक्षा में लगे सैनिकों को भावनात्मक समर्थन देने का प्रयास है। कार्यक्रम में प्रदेश कोषाध्यक्ष सुरेश चंद शर्मा, प्रदेश उपाध्यक्ष विष्णु, जिलाध्यक्ष दिलीप तिवाडी समेत विप्र फाउंडेशन के कई पदाधिकारी और समाज के लोग मौजूद रहे।

चुनाव निर्विरोध संपन्न

गंगापुर सिटी, (निसं)।अग्रवाल समाज समिति कार्यकारिणी के 14 सदस्यों का 6 वर्ष के लिए एवं तीन रिक्त सदस्यों का चुनाव निर्विरोध संपन्न हुए। चुनाव अधिकारी हरिचरण गुप्ता रिटायर्ड प्रिंसिपल ने बताया कि द्विवार्षिक कार्यकारिणी चुनाव के लिए 19 आवेदन प्राप्त हुए दो आवेदकों द्वारा अपना नाम वापस लेने पर 17 सदस्यों का निर्विरोध चुनाव संपन्न हुए जिसमें अनिल गुप्ता, अरुण गुप्ता, अशोक मंगल, कैलाश मित्तल, दिनेश गुप्ता, प्यारेलाल गर्ग, बृजेश गुप्ता, महेश गुप्ता, मोहनलाल गुप्ता, मोहनलाल मित्तल, रमेश चंद, विश्व बंधु आर्य, वेद प्रकाश गुप्ता एवं शिवदयाल गुप्ता का 6 वर्ष के लिए तथा महेश चंद सर्वेयर 4 वर्ष, गोपाल लाल गुप्ता, सुरेश चंद्र मित्तल का 2 वर्ष के लिए चयन निर्विरोध किया गया। पदाधिकारीयों के चुनाव 11 मई रविवार को शाम 5.०० बजे अग्रवाल भवन ट्रस्ट में कराए जाएंगे। प्रचार प्रसार मंत्री वेदप्रकाश मंगल ने बताया कि 17 नवीन सदस्यों का शपथ ग्रहण सहित 42 सदस्यों की कार्यकारिणी 2 वर्ष के लिए अग्रवाल समाज समिति के पदाधिकारीयों का गठन करेगी।

एसडीआरएफ टीम ने प्रशिक्षण दिया

भरतपुर, (निसं)। भरतपुर में शनिवार को राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड जिला मुख्यालय भरतपुर के तत्वावधान में बाबूराम वेदांता सीनियर सेकेंडरी स्कूल नई मंडी भरतपुर में राज्य आपदा प्रतिसाद बल एसडीआरएफ की सी कंपनी पुलिस लाइन भरतपुर की 10 सदस्य टीम द्वारा देश में चल रहे तनाव की स्थिति से उत्पन्न विपरीत परिस्थिति में डरने के बजाय स्वयं को, अपने परिवार को और समाज को सुरक्षित रखने का का प्रशिक्षण दिया गया। इसके अंतर्गत प्राकृतिक एवं अप्राकृतिक आपदा के समय हमें बचाव की कौनसे उपाय करने चाहिए इसके बारे में अवगत कराया गया। साथ ही साथ चोट लगे पर प्राथमिक उपचार, सीपीआर विधि, स्ट्रक्चर बनाना, आग लगे हुए गैस सिलेंडर को बुझाने के उपाय बताये। इस अवसर पर सी.ओ. स्काउट देवेंद्र कुमार मीना, हेड कांस्टेबल हरिप्रसाद शर्मा, स्काउटर पूरन सिंह, भगतसिंह गुलशन सचिव स्थानीय संघ कांमा, संजय सिंह गाइडर अंजु कुमारी एवं 178 स्काउट गाइड व रोवर्स रेंजर्स ने भाग लिया।

चिकित्सा संस्थान का निरीक्षण किया

भरतपुर, (निसं)। जिला कलेक्टर डीग उत्सव कौशल के निर्देशन में डीग जिले में 25 चिकित्सा संस्थानों का निरीक्षण कर आवश्यक सुविधाओं का जायजा लिया गया व जरूरी व्यवस्थाओं को दुरुस्त रखने के दिशा-निर्देश दिए गए। कौशल ने जिला स्तरीय अधिकारी, उपखंड अधिकारी, तहसीलदार और विकास अधिकारीयों को निर्देशित कर यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए थे कि राज्य सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं का सफल संचालन एवं क्रियान्वयन समुचित रूप से हो सके।

विचार संगोष्ठी का आयोजन

भरतपुर, (निसं)। विप्र फाउंडेशन भरतपुर द्वारा प्रेम गार्डन में एक विचार संगोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमें सभी ब्राह्मण समाज के गण मान्य वरिष्ठ विद्वत जन शामिल हुए।

विचार संगोष्ठी को महामंडलेश्वर स्वामी प्रखर महाराज व उनके शिष्य आनन्द ब्रह्मचारी ने संबोधित करते हुए ब्राह्मण समाज की कामधेनु गायत्री व गायत्री मंत्र के महत्व को बताते हुए आज की परिस्थितियों गायत्री मंत्र के पुरुष्चरण व गायत्री यज्ञ के बारे मे बताया। प्रखर महाराज का परिचय विप्र फाउंडेशन के प्रांतीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष गंगाराम पाराशर द्वारा दिया। विप्र फाउंडेशन के प्रांतीय महा मंत्री दयाचन्द पचौरी, प्रदेश मंत्री बृज भूषण पाराशर, जिलाध्यक्ष डॉ सुशील पाराशर, नेमी चन्द शर्मा संरक्षकष्विप्र फाउंडेशन द्वारा माला, पटका, शाल, फेटा, प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया।

पश्चिम मध्य रेल
यांत्रिक विभाग
वरि. म. या. अभि./प.म.रे./कोटा/06 – 2025–26 दिनांक 08.05.2025
मंडल रेल प्रबंधक(यांत्रिक) पश्चिम मध्य रेलवे, कोटा द्वारा टर्न की के आधार पर निम्नलिखित कार्य के लिए निर्धारित प्रपत्र पर खुली निविदा (सिंगल पैकेट सिस्टम में) भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से पर्याप्त अनुभवी एवं वित्तीय क्षमता रखने वाली प्रतिष्ठित फर्म/कंपनी से IREPS पोर्टल पर आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र IREPS पोर्टल पर दिनांक 30.05.2025 को 15:00 बजे बंद हो जाएगी तथा उसी दिन 15:30 बजे पर खोली जायेगी। **टेंडर नं.**– वरि.मं.या.अभि./प.म.रे./कोटा/06/2025 –26, **कार्य का विवरण**– कोटा – सिकलाईन–कोटा में पैनल पैचिंग (वैगनों के दोषपूर्ण बॉडी पैनल और फर्श की कटिंग, फिटिंग और वेल्डिंग) का 24 महीने की अवधि का कार्य।, **अनुमानित लागत**– 11334484.35/–, **बयाना राशि**– 206700.00, **कम्प्लीशन पीरियड**– 24 माह, **निविदा खुलने की दिनांक एवं समय**– 30.05.2025 को 15:30 बजे, रेलवे वेबसाईट www.ireps.gov.in पर डाली गई ई–निविदा सूचना में संपूर्ण विवरण उपलब्ध है। संपर्ण निविदा प्रपत्र उपरोक्त वेबसाईट से उतारा जा सकता है। (हस्ता.)
मंडल रेल प्रबंधक (यौंत्रिक) पमरे, कोटा
स्वच्छ भारत अभियान एक कदम स्वच्छता की ओर

पुलिस कार्रवाई के लिए कांस्टेबल ने रूपये मांगे, पीड़ित ने एसपी को शिकायत की

भीण्डर पुलिस थाने के स्वागत कक्ष में मीडिया का कैमरा देखकर रुपये लेने से इंकार किया

भीण्डर, (निसं)। भीण्डर पुलिस थाने के स्वागत कक्ष में एक कांस्टेबल ने पुलिस कार्रवाई करने की एवज में रूपये मांगे तो मीडिया का कैमरा देखकर लेने से इंकार कर दिया, जबकि एक दिन पहले ही कांस्टेबल ने प्रार्थी को बढ़िया कार्रवाई करने की एवज में 7000 रूपये की मांग की थी। इसको लेकर प्रार्थी ने कांस्टेबल के खिलाफ उदयपुर पुलिस अधीक्षक को शिकायत की है।

भीण्डर थानान्तर्गत सवना गांव निवासी गणेश पिता शंकरलाल रावत ने 9 मई को भीण्डर पुलिस थाने में रिपोर्ट दी कि गांव के ही 7-8 युवकों ने उसके साथ मारपीट की है। इस मामले की जांच बीट कांस्टेबल नारायण मीणा कर रहे थे, उन्होंने गणेश रावत को फोन करके थाने बुलाया और कमरे में ले जाकर कहा कि 7000 रूपये दे देना, जिससे मामले के आरोपियों के खिलाफ बढ़िया कार्रवाई करूंगा और उनको अच्छे पट्टे भी मारूंगा, लेकिन उस समय गणेश रावत के पास पैसे नहीं थे तो उसने अगले दिन आकर देने की बात कही।

भीण्डर पुलिस थाने के स्वागत कक्ष में कॉस्टेबल को रूपये देने की पेशकश करता प्रार्थी।

मीडिया का कैमरा देखकर पैस लेने से कर दिया इंकार :-प्रार्थी गणेश रावत व उसके परिजनों ने शनिवार को ये बात मीडिया को बताई तो भीण्डर पुलिस थाने पहुंच करके स्वागत कक्ष में बैठे कांस्टेबल नारायण मीणा को गणेश रावत के हाथों रूपये देने की पेशकश की, जिस पर कॉस्टेबल नारायण मीणा मीडिया का कैमरा देखकर रूपये मांगने से इंकार करते हुए रूपये लेने से मना कर दिया। इसके बाद प्रार्थी गणेश रावत ने अन्य परिजनों ने उदयपुर पुलिस अधीक्षक को लिखित में शिकायत भेजी, वहीं इस शिकायत से वल्लभनगर पुलिस उपधीक्षक व भीण्डर थानाधिकारी को भी अवगत करवाया।

नारायण मीणा, कांस्टेबल पुलिस थाना भीण्डर ने बताया कि मैंने इनसे किसी भी प्रकार से रूपये नहीं मांगे हैं।

पुनाराम गुर्जर, थानाधिकारी भीण्डर ने बताया कि मैं नाके पर था, शिकायत की जानकारी नहीं है।

फर्जी इंस्टाग्राम पोस्ट करने पर मामला दर्ज : निवाई में सायबर पुलिस थाने में फर्जी इंस्टाग्राम पोस्ट करने वाले तीन आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज हुआ है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार डॉ. के.एन. मोदी विश्वविद्यालय के पीआरओ तनुज सैगर की कुछ माह पूर्व कुछ अज्ञात लोगों ने फर्जी इंस्टाग्राम अकाउंट बनाकर आपत्तिजनक पोस्ट की थी जिसकी शिकायत सायबर पुलिस थाना व पुलिस महानिदेशक सायबर क्राइम से की गई, जिसमें पुलिस ने मामला दर्ज करके जांच शुरू की।

सायबर पुलिस की जांच में तीन जनों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है तथा अन्य और लोगों के शामिल होने की आशंका पर पुलिस जांच कर रही हैं। उन्होंने बताया कि जो भी लोग इस प्रकरण में शामिल हैं तथा इस तरह की रील को शेयर करते हैं उनके खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी।

श्रीगंगानगर जिले में प्रस्तावित पंचायतीराज उप चुनाव टले

श्रीगंगानगर, (निसं)। भारत-पाक सीमा पर बढ़े तनाव और सुरक्षा हालातों को देखते हुए राज्य निर्वाचन आयोग ने श्रीगंगानगर जिले में प्रस्तावित पंचायत राज उपचुनाव फिलहाल स्थगित कर दिए हैं। आयोग ने आदेश जारी कर कहा कि सीमावर्ती क्षेत्रों की सुरक्षा प्राथमिकता है। किसी भी संभावित खतरे से बचने के लिए यह फैसला लिया गया है।

राज्य निर्वाचन आयोग ने 2 मई को प्रेस नोट जारी कर एक जून 2024 से 31 दिसंबर 2024 के बीच पंचायत राज संस्थाओं में रिक्त पदों पर उपचुनाव कराने की घोषणा की थी लेकिन संबंधित जिलों के निर्वाचन अधिकारियों की ओर से आई संवेदनशीलता की रिपोर्ट के आधार पर चुनाव स्थगित करने का निर्णय लिया। आयोग ने जिला निर्वाचन अधिकारी अधिसूचना जारी करने और जरूरी सूचना प्रसारित करने के निर्देश दिए हैं।

श्रीगंगानगर जिले में जिला प्रमुख का पद कुलदीप इंदौरा के सांसद बनने के बाद खाली हुआ था। इस पर उपचुनाव प्रस्तावित था। इसके अलावा जिला परिषद सदस्य, पंचायत समिति सदस्य, सरपंच, उप सरपंच और पंच के कई पदों पर भी उपचुनाव होने थे। इन क्षेत्रों में आदर्श आचरण संहिता लागू हो गई थी, जो अब चुनाव स्थगित होने के साथ स्वत: स्थगित मानी जाएगी। पूर्व में घोषित कार्यक्रम के अनुसार अधिसूचना 9 मई को जारी होनी थी। नामांकन की अंतिम तिथि 14 मई तय थी। नामांकन पत्रों की संवीक्षा 15 मई को होनी थी। नाम वापसी की अंतिम तिथि 16 मई रखी गई थी। मतदान 26 मई को सुबह 7 से शाम 5 बजे तक होना था। मतगणना 27 मई को सुबह 9 बजे से होनी थी। जिला प्रमुख और प्रधान के लिए मतदान 28 मई को, उप प्रमुख के लिए 29 मई को प्रस्तावित था। श्रीगंगानगर जिले में जिला परिषद के वार्ड 16, सूरतगढ़ की ग्राम पंचायत सिंगरासर के वार्ड 5, ग्राम पंचायत 02 एसडी के वार्ड 6, अनूपगढ़ की ग्राम पंचायत 15 एबी सहित कई क्षेत्रों में पंच, सरपंच और पंचायत समिति सदस्य के लिए उपचुनाव की तैयारियां शुरू हो चुकी थीं। जिला परिषद में कुलदीप इंदौरा के सांसद बनने के बाद प्रमुख का पद रिक्त हुआ था। सदस्य पद का उपचुनाव पहले ही हो चुका है।

राज्य निर्वाचन आयोग ने स्पष्ट किया कि भारत-पाक सीमा पर युद्ध जैसे हालात बने हैं। ऐसे में कानून व्यवस्था बनाए रखने और मतदान प्रक्रिया में किसी प्रकार की बाधा से बचने के लिए यह कदम उठाया गया है। आयोग ने यह निर्णय संबंधित जिला निर्वाचन अधिकारियों की रिपोर्ट और अनुशंसा के आधार पर लिया है।

बीकानेर में आरयूएचएस की परीक्षाएं स्थगित : भारत-पाकिस्तान सीमा पर तनाव के चलते बीकानेर जिला प्रशासन ने कई अहम निर्णय लिए हैं। कलेक्टर नम्रता वृष्णि ने आदेश दिया है कि स्कूल-कॉलेज के बाद अब कोचिंग संस्थान भी अगले आदेश तक बंद रहेंगे।

राजस्थान स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय की 15 मई से होने वाली सभी परीक्षाएं स्थगित कर दी गई हैं। कुलपति के निर्देश पर मेडिकल, पैरा मेडिकल और नर्सिंग संकाय की परीक्षाएं अगले आदेश तक टाल दी गई हैं। सीमावर्ती क्षेत्रों में ब्लैकआउट को देखते हुए सवा सात से साढ़े सात बजे के बीच अंधेरा होने से पहले ही दुकानें बंद करने का आदेश दिया गया।

बीकानेर शहर के अलावा आसपास के कस्बों में संचालित कोचिंग संस्थाओं को भी बंद रखना होगा। जिला शिक्षा अधिकारी शर्मा ने कहा-राष्ट्रीय हित में सभी प्रबंधकों को इसकी पालना सुनिश्चित करनी होगी। नागरिक सुरक्षा/आपदा प्रबंध के तहत जिला प्रशासन ने ये आदेश जारी किया हैं। बीकानेर शहर में 5 हजार से ज्यादा बच्चे कई छोटी-बड़ी कोचिंग संस्थाओं में पढ़ रहे हैं। ये कोचिंग शहर के विभिन्न हिस्सों में संचालित हो रही है। शाम के समय कोचिंग चलने से बाजार में वाहनों की रेलमपेल रहती है।

मंदिर से छत्र चोरी करने वाले चार बदमाश गिरफ्तार

आठ किलो चांदी एवं तीन सोने के छत्र बरामद किए

- **माल खरीदने वाले दो सर्राफा व्यापारियों को भी गिरफ्तार किया**

उदयपुर, (कासं)। मंदिर से छत्र चोरी करने के मामले में चार आरोपियों एवं माल खरीदने वाले दो सर्राफा व्यापारियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया। आरोपियों ने छह से अधिक वारदातें करना कबूल किया है। पुलिस ने इनके कब्जे से आठ किलो चांदी एवं तीन सोने के छत्र बरामद किए।

प्रकरण के अनुसार 4 मई को पीड़ित राजेन्द्र कुमार दवे निवासी बोहरा गणेशजी ने पुलिस थाने में रिर्पोट दी कि मेरे मकान पर बना ज्वाला माताजी मंदिर का अज्ञात बदमाश ताला तोड़ सोने-चांदी के छत्र चुरा ले गए। मामले में प्रकरण दर्ज होने पर जिला पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमेश ओझा, पुलिस उपाधीक्षक छगन राजपुरोहित के सुपरविजन में प्रतापनगर थानाधिकारी राजेन्द्र सिंह चारण के नेतृत्व में गठित दल ने मौके से मिले साक्ष्यों एवं मुखबीर से मिली सूचना के आधार पर कालूनाथ पुत्र उदयनाथ निवासी गांवगुडा कालिघाटी खमनोर राजसमंद, लोकेश पुत्र प्रभु निवासी रामतनगर भुवाणा बाईपास सुखेर, विनोद उर्फ बांका पुत्र अमरा निवासी इन्द्रा कॉलोनी गोवर्धन विलास को तथा माल खरीददार विनय सोनी पुत्र लक्ष्मीलाल सोनी निवासी नई हवेली चौक नाथद्वारा राजसमन्द तथा ऋषभ सोनी पुत्र लक्ष्मीलाल सोनी निवासी नई हवेली चौक नाथद्वारा राजसमन्द को गिरफ्तार किया। पूछताछ में आरोपियों ने छह से अधिक वारदातें करना कबूल किया। पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही से आठ किलो चांदी तथा तीन सोने के छत्र बरामद किए। आरोपियों के खिलाफ खमनोर राजमन्द, गोवर्धन विलास, सुखेर पुलिस थाना क्षैत्रों से चोरी के प्रकरण दर्ज है। पूछताछ में आरोपियों ने सुखेर थाना क्षैत्र चित्रकूट नगर काली मगरी, मीरा नगर, बेदला में मकानों से चोरी की वारदातें करना कबूल किया। प्रकरण में चोरी किए सोने चांदी के छत्र विनय सोनी व ऋषभ सोनी को बेचना बताया। इस पर इन्हें गिरफ्तार कर माल बरामद किया।

सात वर्ष से फरार स्थाई वारंटी गिरफ्तार

पुलिस ने सात वर्ष से फरार स्थाई वारंटी को गिरफ्तार किया।

टोंक, (निसं)। पुलिस ने सात वर्ष से फरार स्थाई वारंटी को गिरफ्तार किया है। जिला पुलिस अधीक्षक विकास सांगवान निर्देशन में चलाये जा रहे वांछित अपराधियों की धरपकड़ विशेष अभियान के तहत मोटाराम बेनिवाल अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मालपुरा टोंक व आशीष प्रजापत वृत्ताधिकारी मालपुरा के सुपरविजन में थानाधिकारी राजकुमार ने थाना लाम्बाहरिसिंह की टीम गठीत कर वांछित अपराधियों की धरपकड़ के दौरान सात वर्ष से फरार चोरी नकबजनी का स्थाई वारंटी कैलाश उर्फ कालू उर्फ पप्पू पुत्र मोती मोग्या (बावरी) निवासी बडोली थाना दूनी हाल ग्राम मोरला थाना लाम्बाहरिसिंह को ग्राम मोरला से डिटेन कर गिरफ्तार किया गया।

श्रीगंगानगर में 10वीं-12वीं ओपन बोर्ड परीक्षायें स्थगित

श्रीगंगानगर, (निसं)। भारत पाकिस्तान तनाव के मद्देनज़र राजस्थान के सीमावर्ती जिले श्रीगंगानगर में शनिवार सुबह रेड अलर्ट घोषित किया गया। रेलवे ने सुरक्षा कारणों से 3 ट्रेनों का संचालन रद्द कर दिया। इस बीच शनिवार सुबह 10.30 बजे रेड अलर्ट का सायरन बजा। यहां सुबह आठ बजे रेड अलर्ट जारी किया था, लेकिन दो घंटे बाद ग्रीन अलर्ट जारी कर दिया गया। कुछ ही देर बार दोबारा रेड अलर्ट का सायरन बजाया गया। लोगों को घरों में रहने की सलाह दी गई है। बाजार पूरी तरह बंद रहे। लोगों को सुबह 10.30 बजे के करीब धमाकों की आवाज सुनाई दी। प्रशासन ने आमजन से अपील की है और बिना वजह घर से बाहर नहीं निकलने की सलाह दी। नागरिकों से कहा गया कि वे प्रशासन द्वारा जारी सुरक्षा प्रोटोकॉल का पूरी तरह से पालन करें और अफवाहों से बचें।

जिले में एयर स्ट्राइक की संभावनाओं को देखते हुए चेतावनी जारी की गई। जिला प्रशासन ने विशेष निगरानी दलों की तैनाती की। सुरक्षा एजेंसियां हाईअलर्ट पर हैं। लोगों से अपील की है कि सोशल मीडिया पर किसी भी भ्रामक सूचना को न फैलाएं और केवल अधिकृत स्रोतों पर ही भरोसा करें। प्रशासन ने दोहराया है कि सतर्कता ही सबसे बड़ा बचाव है और हर नागरिक की जिम्मेदारी है कि वह सहयोग करें। श्री गंगानगर में रेड अलर्ट के कारण रेलवे ने चार ट्रेनों को रद्द किया। जिसमें गाड़ी नं. 04767 हनुमानगढ़ से श्री गंगानगर, गाड़ी नं. 04770 गंगानगर से हनुमानगढ़, गाड़ी नं. 54761 श्री गंगानगर से सुरतगढ़, गाड़ी नं. 054760 सुरतगढ़ से श्री गंगानगर, रेलवे ने इन चारों गाड़ियों को सुरक्षा कारणों के चलते रद्द किया है।

बीकानेर में प्रशासन ने दुकानें बंद करवाई : भारत-पाकिस्तान के बीच बढ़े तनाव को लेकर बीकानेर में शनिवार दोपहर को पहले ग्रीन अलर्ट जारी किया गया था, जिसे बाद में बढ़ाकर रेड अलर्ट कर दिया गया। वहीं, शहर से आठ किलोमीटर दूर स्थित सीमावर्ती नाल क्षेत्र में सुबह से ही रेड अलर्ट जारी रहा।

सुरक्षा एहतियात के तौर पर प्रशासन की ओर से सभी बाजारों और दुकानों को बंद करवाया। नेशनल हाइवे सहित गांवों के मुख्य बाजार भी बंद कर दिए। नाल थानाधिकारी विकास बिश्नोई ने बताया कि आला अधिकारियों के निर्देश पर यह कार्रवाई की है। जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन की टीमें पूरी तरह से सक्रिय हैं और सड़कों पर गश्त कर रही हैं। सुरक्षा के मद्देनजर लोगों को घरों में रहने की सलाह दी। प्रशासन की ओर से स्थिति पर कड़ी नजर रखी गई। सीमावर्ती क्षेत्रों में विशेष सतर्कता बरती गई।

एक ही परिवार के नौ लोग उल्टी-दस्त से पीड़ित, तीन की मौत

देवी कुंड सागर के कुम्हारों के मोहल्ले का मामला

- **छह जने पीबीएम हॉस्पिटल में भर्ती, उपचार जारी**
- **'अस्पताल में एक बेड पर दो मरीजों को सोना पड़ रहा है'**

बीकानेर, (निसं)। देवी कुंड सागर के कुम्हारों के मोहल्ले में रहने वाले एक ही परिवार के कई लोग एक साथ उल्टी-दस्त से पीड़ित हैं। एक सप्ताह में इस परिवार के नौ लोगों में से तीन की मौत हो चुकी है तथा छह अब भी पीबीएम हॉस्पिटल में भर्ती हैं।

भाजपा जिला प्रवक्ता अशोक प्रजापत ने बताया कि परिवार की महिलाएं वार्ड में भर्ती है, लेकिन उनकी सार संभाल नहीं हो पा रही है। सोने के लिए पर्याप्त मात्रा में बेड नहीं है। एक बेड पर दो मरीजों को सोना पड़ रहा है। मेडिकल कॉलेज प्रिंसिपल को इस संबंध में जानकारी देकर पीड़ित परिवार के उचित उपचार की मांग की गई है। बीपीएचओ के कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष किशन संवाल ने बताया कि एक सप्ताह में परिवार के जगदीश कुम्हार उनकी मां मोहिनी देवी और भतीजी जशोदा की मौत हो चुकी है। मौत का कारण उल्टी-दस्त बताया गया है। गायत्री और पूजा की हालत ज्यादा खराब है, जबकि मंजू, जेठी, कांता, कोजा की स्थिति सामान्य है। उधर पीबीएम अधीक्षक डॉ. सुरेंद्र कुमार वर्मा का कहना है कि इसके संबंध में उनके पास किसी तरह की शिकायत नहीं आई है। फिर भी पता लगाया जा रहा है।

सोशल मीडिया पर की गई भड़काऊ पोस्ट विवादों में

अजमेर, (कासं)। भाजपा नेता व नगर निगम अजमेर के डिप्टी मेयर नीरज की सोशल मीडिया एक्स अकाउंट पर की गई भड़काऊ पोस्ट विवादों के घेरे में आ गई है। डिप्टी मेयर नीरज के एक्स अकाउंट पर कांग्रेस का हाथ, पाकिस्तान और आतंक के साथ पोस्ट और कांग्रेस के हाथ निशान को हराकर उस पर चांद और तारा लगाकर शेयर किए गए वॉलपेपर व पोस्ट पर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता व पूर्व आरटीडीसी अध्यक्ष धर्मेंद्र राठौड़ ने निशाना साधा और पोस्ट को सवालों के घेरे में खड़ा किया। साथ ही मुख्यमंत्री व एसपी से इस मामल में उचित कार्रवाई का आग्रह किया है।

फर्जी पट्टा बनवाकर जमीन हड़पी, आरोपी गिरफ्तार

- **पुलिस मामले की जांच में जुटी है**

अजमेर, कासं)। सिविल लाइंस थाना पुलिस ने फर्जी दस्तावेज के आधार पर फर्जी पट्टा बनाकर जमीन हड़पने की कोशिश करने वाले आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी ने नकली दस्तावेज बनाकर जमीन हड़पने की कोशिश की थी। पीड़ित ने आरोपी के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी।

एसपी वंदिता राणा ने मामले का खुलासा करते हुए बताया कि सिविल लाइन थाने में 26 मार्च को परिवादी जब्बर सिंह निवासी प्लॉट नंबर 27 जेसी नगर माकड़वाली रोड अजमेर ने लिखित शिकायत देते हुए रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उसकी पत्नी कल्पना कंवर ने 17 जनवरी 1997 को पदमचंद संचेती निवासी लाखन कोटड़ी से एक प्लॉट खरीदा था। यह प्लॉट जेसी नगर चौरसियावास में स्थित है, जिसका नंबर 43 है, प्लॉट पर पक्की बाउंड्रीवाल बनाकर लोहे का दरवाजा और पौधे लगाए गए थे।

उक्त प्लॉट पर सिराज खान निवासी चौरसियावास ने मिलीभगत करके फर्जी दस्तावेज तैयार कराए और एडीए में प्लाट का अपने नाम नियमन कराने का षड्यंत्र करने की कोशिश की। सिराज खान ने फर्जी दस्तावेज तैयार कराकर, दस्तावेज के आधार पर खुद के नाम कराने का काम किया। शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। जांच में सामने आया कि सिराज ने उमर खां निवासी चौरसियावास माकड़वाली रोड के मौजूद वारिसान इलायची बानो से मिलीभगत कर परिवादी के प्लॉट का फर्जी पट्टा बनाकर उसकी लीज डीड शाहरुख के नाम कराई और इस डीड के आधार पर फर्जी रजिस्ट्री सिराज खान ने अपने पक्ष में करवा ली। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

चूरू में डेढ़ घंटे रेड अलर्ट रहा, पुलिस ने बाजार बंद कराये

चूरू में पुलिस ने बाजार बंद कराये। इस दौरान सड़कों पर सन्नाटा रहा।

चूरू, (निसं)। भारत की सीमा पर चल रहे तनाव के बीच चूरू में शनिवार सुबह रेड अलर्ट जारी कर दिया। रेलवे स्टेशन और गढ़ चौराहे से बजाये गये सायरन के बाद पुलिस की गाड़ियों से लोगों को घरों में जाने की हिदायत दी गई। पुलिस ने बाजार बंद कराये। एसपी जय यादव सहित पुलिस के जवानों ने शहर में गश्त की। यह रेड अलर्ट सुबह साढ़े आठ बजे से दस बजे तक जारी रहा। इस दौरान जिला कलेक्टर अभिषेक सुराणा ने वीडियो संदेश जारी कर लोगों को सुरक्षित स्थानों पर जाने की अपील की। डेढ़ घंटे बाद ग्रीन अलर्ट जारी कर सामान्य स्थिति में वापस लौटे। एसपी जय यादव ने बताया कि रेड अलर्ट के दौरान लोगों को घरों और सुरक्षित स्थान पर रहने की हिदायत दी गई। उन्होंने बताया कि लोग बिना वजह बाजार में भीड़ ना करें। जिला प्रशासन हर स्थिति से निपटने के लिए तैयार है। आमजन भी पुलिस का पूरा सहयोग करें। एसडीएम बिजेंद्र सिंह ने बताया कि यह कोई मॉक ड्रिल नहीं है। यह रेड अलर्ट है, इसलिए आमजन प्रशासन का पूरा सहयोग करें।

जिला कलेक्टर अभिषेक सुराणा ने बताया कि अब आमजन को दिन-रात के समय एयर रेड अलर्ट के लिए तैयार रहना चाहिए। प्रशासन की ओर से सायरन बजाने और सूचित करने पर पूर्ण सतर्कता के साथ सुरक्षित स्थान पर शरण लें। प्रशासन की ओर से सूचित करने पर पूर्ण ब्लैक आउट की पालना सुनिश्चित करें। इसके साथ ही वर्तमान परिस्थिति को देखते हुए सूर्यास्त के बाद कम से कम और अति आवश्यक परिस्थिति में ही घर से बाहर निकलें। कृपया घरों, कार्यालयों और प्रतिष्ठानों की सभी लाइटें बन्द रखें।

संस्कारों के निर्माण में संस्कृत भाषा की महती भूमिका : शिक्षा मंत्री दिलावर

राजसमंद, (निसं)। संस्कृत भाषा न सिर्फ वैज्ञानिक एवं प्राचीन भाषा है, वरन इसी से संस्कार निर्माण भी होता है। यह बात शिक्षा, संस्कृत शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर ने शनिवार को पीपरडा पंचायत के राजकीय वरिष्ठ उपाध्याय संस्कृत विद्यालय शंकरपुरा में कला कक्ष, विज्ञान लेब तथा पुस्तकालय कक्ष के लोकार्पण के अवसर पर कही।

उन्होंने संस्कृत शिक्षा विभाग में किये जा रहे प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि राजसमन्द की पूर्व विधायक स्व. किरण माहेश्वरी की इच्छा थी कि यहां संस्कृत में बीएसटीसी खुले, अत: यहां विधायक मद, डीएमएफटी या अन्य मद से भवन निर्माण होता है तो इस स्थान पर संस्कृत शिक्षक प्रशिक्षण संस्थान की स्थापना की जाएगी। कार्यक्रम का शुभारम्भ उन्होंने दीप प्रज्ज्वलन से किया तथा नव निर्मित कक्षा कक्षों पर मौली बंध खोलकर उद्घाटन किया एवं शिला पट्टिका का अनावरण किया। इससे पहले अपने संबोधन में राजसमन्द विधायक दीप्ति किरण माहेश्वरी ने मंत्री का आभार व्यक्त किया तथा मुख्यालय पर संस्कृत शिक्षक प्रशिक्षण संस्थान की पुरजोर मांग की। उन्होंने संस्कृत को अपनी प्रिय भाषा बताते हुए ग्राम जनों से संस्कृत में नमस्कार किया।

राजकीय वरिष्ठ उपाध्याय संस्कृत विद्यालय शंकरपुरा में आयोजित समारोह को शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने सम्बोधित किया।

मंच पर जिला प्रमुख रतनी देवी जाट, प्रधान पंचायत समिति राजसमन्द अरविन्द सिंह राठौड़, पूर्व जिलाध्यक्ष मान सिंह बारहठ, नगर परिषद् के पूर्व सभापति सुरेश पालीवाल, राणा राजसिंह मंडल अध्यक्ष गोपाल श्रीमाली मंचासीन थे। कार्यक्रम में भारतीय जनता पार्टी के जगदीश बागोरा सुन्दरचा, महेन्द्र सिंह खारण्डिया, जवाहर जाट भावा, उपाध्यक्ष कुलदीप सिंह गौड़, पार्षद सूर्यप्रकाश, बूथ अध्यक्ष विनोद सिंह ग्राम पंचायत पीपरडा की प्रशासक सीता देवी पालीवाल, समाजसेवी गणेश लाल पालीवाल के साथ अनेक कार्यकर्ता तथा ग्रामीण महिला-पुरूष उपस्थित थे। अतिथियों का स्वागत संभागीय संस्कृत शिक्षा अधिकारी भगवती शंकर व्यास, अति परियोजना समन्वयक घनश्याम गौड, मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी नरोत्तम दाधीच, संस्कृत शिक्षा जिला नोडल अधिकारी अलका पालीवाल, उपनिरीक्षक राममोहन शर्मा, कन्या महाविद्यालय की अध्यक्ष किरण राठौड़, खंगार सिंह आदि ने साफा, पगडी उपरणा से किया। कार्यक्रम में जिला परिषद् के मुख्य कार्यकारी अधिकारी ब्रजमोहन बैरवा, मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी राजेन्द्र कुमार गग्गड, जिला शिक्षा अधिकारी नूतन प्रकाश जोशी, राजकीय संस्कृत महाविद्यालय के प्राचार्य रामदेव दीक्षित, राजस्थान शिक्षक संघ राष्ट्रीय के अभय सिंह राठौड़, सतीश आचार्य, सुजीत त्रिपाठी, नटवर लाल पंचाल, प्रधानाचार्य भेरू सिंह, मांगीलाल, देवेन्द्र जीनगर, विजय पालीवाल, राजेन्द्रप्रसाद, सागर सिंह, सुधा शर्मा, सुनिता परिहार, संतोष कुमार सहित जिले के समस्त संस्कृत विद्यालयों के प्रधानाध्यापक एवं स्टाफ उपस्थित रहे। राजकीय वरिष्ठ उपाध्याय संस्कृत विद्यालय शंकरपुरा के प्रधानाचार्य अनुराग सोलंकी ने आभार व्यक्त किया तथा संयोजन दिनेश श्रीमाली तथा ऋषभ कुमार जैन ने किया।

- **शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने पीपरडा के राजकीय वरिष्ठ उपाध्याय संस्कृत विद्यालय शंकरपुरा में कला कक्ष, विज्ञान लेब तथा पुस्तकालय कक्ष के लोकार्पण किया**

मंथली नहीं दी तो एस.आई. ने क्लब में शराब पीकर उत्पात मचा कर कर्मचारियों को पीटा

क्लब संचालक ने प्रतापनगर थाने में दी शिकायत

जयपुर। मंथली नहीं देने पर प्रतापनगर थाने में तैनात एसआई ने शराब के नशे में क्लब में उत्पात मचाया और क्लब संचालक व उसके कर्मचारियों से मारपीट की। यह पूरी घटना क्लब में लगे सीसीटीवी कैमरों में भी कैद हो गई। इस पूरे मामले को लेकर क्लब संचालक ने प्रतापनगर थाने में एसआई के खिलाफ शिकायत दी है। संचालक ने इस पूरे मामले की शिकायत पुलिस कमिश्नर, डीजीपी, गृह मंत्री से लेकर सीएम तक को भेजी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार हल्दीघाटी मार्ग सेक्टर 23 प्रतापनगर निवासी पिंटू गुर्जर ने थाने में एक लिखित शिकायत दी। शिकायत में बताया कि वह सेक्टर 23 प्रतापनगर में सिग्मा नाम से क्लब, रुफटॉप और लॉज का संचालन करता है। 9 मई की रात करीब 12 बजे क्लब में ग्राहक जा चुके थे और स्टाप सामान समेटने में जुटे थे ताकि क्लब को बंद किया जा सके। इसी दौरान प्रतापनगर थाने में तैनात एसआई देवेंद्र कुमार क्लब में आया और गाली-गलौच करने लगा।

शराब के नशे में होने के कारण उन्होंने एसआई को समझाने का प्रयास किया, लेकिन एसआई उसके और उसके कर्मचारियों के साथ मारपीट करने लगा। देवेंद्र कुमार ने कहा कि अगर वह मंथली नहीं देगा तो वह क्लब नहीं चलने देगा। उसकी कमिश्नर तक अच्छी जान पहचान है। आरोपी ने डंडे से वहां पर मौजूद सभी कर्मचारियों से

■ पुलिस कमिश्नर से लेकर मुख्यमंत्री तक को भेजी शिकायत

मारपीट कर क्लब से बाहर निकाल दिया। यह पूरी घटना क्लब में लगे सीसीटीवी कैमरे में भी कैद हो गई। इस पूरी घटना का सीसीटीवी फुटेज शिकायत के साथ थाना पुलिस और अन्य को भी भेजी है। डंडे से मारपीट करने से कई कर्मचारी और उसका महंगा मोबाइल क्षितग्रस्त हो गया। डंडे से वार कर एसआई ने क्लब के डीजे को भी नुकसान पहुंचाया है।

पीड़ित ने आरोप लगाया कि आरोप पहले भी क्लब में आ चुका है और धौंस जताकर फ्री में भोजन खाने के साथ बीयर पीकर गया था। अगर पुलिस इस तरह से परेशान करेंगी तो व्यापार करना मुश्किल हो जाएगा। ऐसे में कोई भी ठीक तरह से व्यापार नहीं कर पाएगा।पुलिस अगर इसी तरह उसे परेशान करेगी तो मजबूरी में उसे व्यापार बंद करना पडेगा। उसने इस कारोबार में मोटा पैसा लगाया है। ऐसे में वह कर्ज में चला जाएगा। वह पूरी ईमानदारी से कारोबार कर रहा है। हालांकि इस घटना से करीब 15 दिन पहले सीएसटी टीम ने हथियार होने की सूचना पर क्लब पर दबिश दी थी लेकिन टीम को यहां पर कुछ भी नहीं मिला था।

एसआई देवेंद्र सिंह ने बताया कि यह इल्जाम झूठे है। देर रात तक क्लब चल रहा था। जब मैं वहां पहुंचा तो कई लोग मौजूद थे और शराब पी रहे थे। संचालक को क्लब बंद करने को कहा और वहां पर मौजूद लोगों को बाहर निकालने को कहा। बाहर नहीं निकालने पर वहां पर मौजूद लोगों को डंडे मारकर बाहर निकालना पड़ा। रात एक बजे तक क्लब चलाना गलत है।

थानाधिकारी प्रतापनगर मनोज बेरवाल ने बताया कि क्लब में एसआई द्वारा मारपीट करने को लेकर शिकायत आई है। मामले की जांच की जा रही है। अगर एसआई दोषी पाया जाता है तो उसके खिलाफ कार्रवाई होगी। हालांकि इसमें मंथली मांगने जैसी कोई बात सामने नहीं आई है। ऊपर स्तर भी इसकी शिकायत पहुंची है।

जिला कलेक्टर के निर्देश पर फील्ड में उतरे अधिकारी

बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन सहित भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों का किया निरीक्षण

जिले के उपखंड अधिकारियों तहसीलदार एवं नायब तहसीलदार शनिवार को फील्ड में उतरे एवं उपखंड के बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन सहित अन्य भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों का निरीक्षण किया।

जयपुर। जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी के निर्देश पर जिले के उपखंड अधिकारियों तहसीलदार एवं नायब तहसीलदार शनिवार को फील्ड में उतरे एवं उपखंड के बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन सहित अन्य भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों का निरीक्षण किया। इस दौरान अधिकारियों ने आमजन से संवाद किया एवं उन्होंने किसी भी आपात स्थिति के लिए सतर्क रहने, प्रशासन का सहयोग करने, गाइडलाइन की पालना करने एवं अफवाहों पर ध्यान नहीं देने की अपील की।

■ चिकित्सालयों एवं स्वास्थ्य केन्द्रों पर व्यवस्थाओं का लिया जायजा

साथ ही अधिकारियों ने क्षेत्र के चिकित्सालयों, स्वास्थ्य केन्द्रों एवं ब्लड बैंकों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने स्वास्थ्य केन्द्रों में चिकित्सा अधिकारियों, नर्सिंग कर्मियों, रक्त, दवाओं, चिकित्सकीय उपकरणों की उपलब्धता सहित अन्य अन्य आवश्यक इंतजामों का जायजा लिया। निरीक्षण के बाद पुलिस अधिकारियों के साथ अधिकारियों ने स्थानीय व्यापार संघों, संगठनों एवं संस्थाओं के प्रतिनिधियों के साथ संवाद किया। साथ ही, अन्य विभागों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों की समीक्षा बैठक भी ली और क्षेत्र में कानून व्यवस्था सहित अन्य बिंदुओं पर आवश्यक दिशा निर्देश प्रदान किये।

केशव विद्यापीठ में पुराने छात्रों का सम्मेलन संपन्न

श्री अग्रसेन स्नातकोत्तर शिक्षा महाविद्यालय, केशव विद्यापीठ, जामडोली, जयपुर में पुरातन छात्र समिति द्वारा पुरातन छात्र सम्मेलन का आयोजन किया गया।

जयपुर। श्री अग्रसेन स्नातकोत्तर शिक्षा महाविद्यालय, केशव विद्यापीठ, जामडोली, जयपुर में पुरातन छात्र समिति द्वारा पुरातन छात्र सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस सम्मेलन का शुभारंभ अतिथियों द्वारा माँ सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना के साथ किया गया।

सम्मेलन के मुख्य अतिथि प्रांत प्रचार प्रमुख राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, जयपुर प्रचारक अविनाश पंवार रहे। अध्यक्षता केशव विद्यापीठ समिति सचिव मेघसिंह चौहान ने की। इस सम्मेलन में केशव विद्यापीठ समिति संयुक्त सचिव अशोक कुमार गुप्ता, महाविद्यालय प्रबंध समिति अध्यक्ष महेन्द्र अग्रवाल, महाविद्यालय प्राचार्य प्रो. रीटा शर्मा, उप प्राचार्य डॉ. सतीश चन्द मंगल, पुरातन छात्र समिति अध्यक्ष डॉ. बी.के. गुप्ता, सचिव डॉ. मुदित राठौड़, कोषाध्यक्ष डॉ. रेवत सिंह मंचासीन रहे।

प्राचार्य प्रो. रीटा शर्मा ने महाविद्यालय का परिचय दिया। मुख्य अतिथि अविनाश पंवार ने पूर्व छात्रों को हनुमान कहते हुए महाविद्यालय से जुड़े रहकर इसके आदर्शों एवं जीवन मूल्यों को समाज में प्रसारित कर जीवन को सफल के साथ सार्थक बनाने के लिए प्रेरित किया तथा पर्यावरण, ग्लोबल वार्मिंग, सामाजिक समरसता पर चर्चा की। कार्यक्रम अध्यक्ष मेघसिंह चौहान ने महाविद्यालय के जीवन मूल्यों एवं भारतीय सांस्कृतिक विरासत का समाज में प्रचार-प्रसार करने का आग्रह किया। उद्घाटन सत्र में डॉ. बी.के. गुप्ता ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

कोषाध्यक्ष डॉ. रेवत सिंह ने पुरातन छात्र परिषद का परिचय दिया। इस सत्र में सभी पूर्व छात्रों का परिचय करवाया गया। सम्मलेन में वर्ष 1982-83 से लेकर वर्तमान सत्र के छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे और अपने अनुभव और जीवन यात्रा साझा की। इस अवसर पर पूर्व छात्रों के लिए सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं मुक्त सत्र का आयोजन किया गया जिसमें सभी पूर्व छात्रों ने बढ़-चढ़कर रंगारंग प्रस्तुतियों देकर इस सम्मेलन को यादगार बनाया। अंत में सभी पूर्व छात्रों को स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया। मंच संचालन पूर्व छात्रा डॉ सपना शाह एवं डॉ. राजेन्द्र शर्मा ने किया। इस सम्मेलन के प्रभारी डॉ. मुदित राठौड़ रहे।

41 किलो 300 ग्राम अवैध डोडा चूरा सहित दो तस्करों को धर-दबोचा

जालुपुरा थाना पुलिस ने अवैध मादक पदार्थ डोडा चूरा सहित दो तस्करों को गिरफ्तार किया है।

जयपुर। जालुपुरा थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए ऑपरेशन क्लीन स्वीप के तहत कार्रवाई करते हुए 41 किलो 300 ग्राम अवैध मादक पदार्थ डोडा चुरा सहित दो तस्करों को धर-दबोचा है। पुलिस आरोपी तस्करों से पूछताछ करने में जुटी है।

पुलिस उपायुक्त जयपुर उत्तर राशि डोगरा डूडी ने बताया कि पुलिस कमिश्नरेट की ओर से चलाए जा रहे ऑपरेशन क्लीन स्वीप के तहत जालुपुरा थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए अवैध मादक पदार्थ डोडा चुरा की सप्लाई करने वाले तस्कर 40 वर्षीय विकास कुमार और 20 वर्षीय अजय कश्यप को पोलोविक्ट्री से गिरफ्तार किया गया है। जिनके पास से 41 किलो 300 ग्राम अवैध मादक पदार्थ डोडा चुरा जब्त किया गया है। पुलिस आरोपियों से अवैध मादक पदार्थ की खरीद-फरोख्त के बारे में पूछताछ करने में जुटी है।

रिम सहित दो टायर खोल ले गये चोर

जयपुर। रामनगरिया थाना इलाके में चोर मकान के बाहर खड़ी कार के दो टायर रिम सहित खोलकर ले गए और कार को पत्थरों पर खड़ा कर गए। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच में जुटी है।

पुलिस के अनुसार कुसुम विहार जगतपुरा निवासी उमेश कुमार ने मामला दर्ज करवाया कि उसने रात को कार अपने घर के बाहर खड़ी की थी। सुबह देखा तो कार के आगे के दो टायर रिम के साथ गायब मिले।

चोर कार के दो टायर खोलकर उसे पत्थरों पर खड़ा कर गए। इस पर पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंच कर पुलिस ने साक्ष्य लेकर जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने मामला दर्ज कर घटना स्थल और उसके आस-पास के सीसीटीवी फुटेज खंगालना शुरू कर दिया है।

सार-समाचार

दुविषा ने पेंटिंग के जरिये ऑपरेशन सिंदूर समझाया

जयपुर। भारत का ऑपरेशन सिन्दूर में पाकिस्तान पर एयर स्ट्राइक कर न्याय हुआ। हर सिंदूर का बदला लिया गया। आखिर सिंदूर की क्या अहमियत है समझा दिया गया पाकिस्तान को। जयपुर की दुविषा कुमावत कक्षा 6 केंद्रीय विद्यालय नंबर 3 की छात्रा ने अपनी पेंटिंग के जरिए पहलगाम से लेकर भारत के न्याय तक समझाया। जिसमें हर आंसू को गिरते सिंदूर का गोला बारूद बता कर आतंकवादियों को मार गिराया। जिसमें देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, देश की सेना की दोनों बेटियों ओर देश की जल, थल वायु सेना को न्याय में दिखाया गया है।

रील देख घर छोड़कर भागे 3 नाबालिग

जयपुर। श्याम नगर थाना इलाके में घर छोड़कर नाबालिग तीन लड़का-लड़कियों के भागने का मामला सामने आया है। पुलिस ने तीनों को पीछा कर दिल्ली से पकड़ सुरक्षित घरवालों को सौंप दिया। पूछताछ में सामने आया कि मोबाइल पर रील देखकर ऐश-आराम जिंदगी जीने के लिए घर से भागे थे। पुलिस उपायुक्त जयपुर दक्षिण दिगंत आनंद ने बताया कि श्याम नगर इलाके में 16 वर्षीय दो लड़कियां और 16 वर्षीय एक लड़का एक ही कॉलोनी में रहते है। 6 मई को नाबालिग तीनों लड़का-लड़कियां घर से बिना बताए चले गए। नाबालिग बेटा-बेटियों को गायब मिलने पर परिजनों ने उनकी तलाश की। काफी ढूंढने के बाद भी तीनों का पता नहीं चला। श्याम नगर थाने में परिजनों ने अपने बच्चों के लापता होने पर शिकायत दी। पुलिस ने तुरंत एफआईआर दर्ज कर तीनों की तलाश शुरू की। घर के आस-पास लगे सीसीटीवी फुटेजों को पुलिस टीम ने खंगाला। पुलिस टीम पीछा कर नाबालिगों को दिल्ली से ढूंढ कर पकड़ लिया। दिल्ली से तीनों को लेकर आई पुलिस ने नाबालिगों को उनके परिजनों को सौंप दिया। पूछताछ में सामने आया कि वह ऐश-आराम की आजाद जिंदगी जीना चाहते थे। मोबाइल पर रील देखकर वह घर छोड़कर दिल्ली चले गए।

टैक्सी कार में टोंक से जयपुर आ रही कॉलेज छात्रा अपहरण

जयपुर। मालपुरा गेट थाना इलाके में एक कॉलेज छात्रा अपहरण करने का मामला सामने आया है। बताया जा रहा है कि छात्रा में टैक्सी कार में टोंक से जयपुर आ रही थी और सवारियों के उतरने के बाद चालक ने युवती को कार में लॉक कर लिया। विरोध कर कार रोकने की कहने पर चालक ने जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने अपहरण की सूचना मिलते ही लोकेशन के आधार पर पीछा कर कार को पकड़ लिया। पुलिस ने अपहरण कॉलेज छात्रा को सुरक्षित छुड़ाकर आरोपी चालक को गिरफ्तार किया है। एएसआई रामकिशोर ने बताया कि उत्तर प्रदेश की रहने वाली 22 वर्षीय युवती ने थाने में मामला दर्ज करवाया कि वह निवाई टोंक स्थित एक हॉस्टल में रहकर कॉलेज में पढ़ती है। जो हॉस्टल से जयपुर आने के लिए निकली थी। हॉस्टल से कुछ दूरी पर बस स्टैंड पर खड़े होकर इंतजार कर रही थी। वहां आकर रुकी एक कार में जयपुर जाने के लिए दो सवारियों के साथ बैठ गई। जयपुर के मालपुरा गेट पर दोनों सवारी उतर गईं। इसके बाद कार ड्राइवर रास्ते में टोंक रोड छोड़कर दूसरे रास्ते की तरफ कार ले जाने लगा। कार रोकने की कहने पर लॉक कर रफ्तार बढ़ा दी। विरोध करने पर जान से मारने की धमकी दी। कॉलेज छात्रा को अपहरण का अहसास होने पर अपनी सहेली को कॉल कर मदद मांगी। सहेली की सूचना पर पुलिस ने अपहरण कॉलेज छात्रा के मोबाइल लोकेशन के आधार पर पीछा शुरू किया। पुलिस टीम ने पीछा कर रेनवाल से आगे कार को पकड़ लिया। पुलिस ने कॉलेज छात्रा को सुरक्षित मुक्त करवा आरोपी चालक को गिरफ्तार किया।

परिवर्तन की शुरुआत हमारे भीतर से ही होती है : जया किशोरी

जयपुर। परिवर्तन की शुरुआत हमारे भीतर से ही होती है। यह कहना है आध्यात्मिक वक्ता, गायिका, प्रेरक वक्ता, जीवन कोच और समाज सुधारक जया किशोरी का। वे बिड़ला सभागार में फिक्की फ्लो जयपुर चेप्टर की ओर से हुए खास उद्बोधन इग्राइटिंग पर्पज विद जया किशोरी में बोल रही थीं। जया किशोरी ने हर आयु वर्ग को अपने उद्देश्य पर ध्यान केंद्रित करने, अपनी ऊर्जा को सकारात्मक दिशा में चलाने के लिए प्रेरित किया। आत्म-चिंतन, आंतरिक शक्ति और जीवन में उद्देश्य की भूमिका पर उनके प्रेरणादायी विचारों ने उपस्थित जनसमूह को गहराई से प्रभावित किया। उनके संदेश ने यह स्पष्ट किया कि परिवर्तन की शुरुआत हमारे भीतर से ही होती है।

ग्राम पंचायत पुनर्गठन को लेकर मांगा जवाब

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने ग्राम पंचायतों के पुनर्गठन में पंचायती राज विभाग के परिपत्र की पालना नहीं करने पर प्रमुख पंचायती राज सचिव व जिला कलेक्टर करौली सहित अन्य से जवाब मांगा है। जस्टिस अनूप कुमार ढंड ने यह आदेश करौली जिले की सपोटरा पंचायत समिति के राजस्व ग्राम किराडी और गढी के स्थानीय ग्रामीणों की याचिका पर दिए।

याचिका में अधिवक्ता विजय पाठक ने बताया कि करौली जिले की हाड़ौती ग्राम पंचायत का पुनर्गठन कर अलग ग्राम पंचायत पदमपुरा बनाई जा रही है। राजस्व ग्राम किराडी और गढी को नई ग्राम पंचायत में जोड़ा जा रहा है। इन दोनों राजस्व गांवों की दूरी नई बनने वाली ग्राम पंचायत से करीब 10 किलोमीटर है। जबकि पूर्व की ग्राम पंचायत हाड़ौती केवल तीन किलोमीटर ही है। याचिका में कहा कि पंचायती राज विभाग के 13 फरवरी के परिपत्र के अनुसार नई ग्राम पंचायत में शामिल होने वाले सभी जगहों की सीमा मिलनी जरूरी है। ऐसे में पदमपुर ग्राम पंचायत के पुनर्गठन में इसकी अवहेलना की गई है। नई ग्राम पंचायत 10 किलोमीटर दूर पदमपुरा में याचिकाकर्ता के राजस्व गांवों को राजनीतिक दखल से नई ग्राम पंचायत से ज्यादा दूरी होते हुए भी जोडा जा रहा है। जिस पर सुनवाई करते हुए अदालत ने पंचायत राज विभाग व स्थानीय जिला कलेक्टर से जवाब तलब किया है।

उपचुनाव प्रत्याहरित

जयपुर। पंचायतीराज संस्थाओं में 31 दिसम्बर, 2024 तक रिक्त हुए पदों के लिए राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा उपचुनाव करवाए जाने की घोषणा की गई थी। जिन्हें वर्तमान परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए प्रत्याहरित किया गया है। राज्य निर्वाचन अधिकारी एवं सचिव नलिनी कठोतिया ने बताया कि पंचायतीराज संस्थाओं के रिक्त हुए पदों पर उपचुनाव की घोषणा की गई थी।

लाल बत्ती पार कर ट्रक ने बाइक और बोलेरो को टक्कर मारी

जयपुर। बगरू थाना इलाके के अजमेर रोड पर शनिवार दोपहर लाल बत्ती पार कर ट्रक ने बाइक और बोलेरो को टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार युवक की मौत हो गई, जबकि बोलेरो सवार दो युवक घायल हो गए। हादसा दोपहर करीब एक बजे हुआ।

पुलिस के अनुसार दोपहर करीब एक बजे अजमेर रोड पर ठीकरिया मोड पर लालबत्ती पार कर ट्रक ने बाइक और बोलेरो को टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार अजमेर निवासी 27 वर्षीय प्रकाश चंद की मौत हो गई, जबकि

■ अजमेर रोड पर हादसा : एक की मौत, दो घायल

हादसे में बोलेरो सवार कोटपूतली निवासी बृजेश कुमार और कमलेश कुमार घायल हो गए। हादसे की सूचना पर मौके पर पहुंच कर पुलिस ने घायलों को अस्पताल पहुंचाया, जहां पर उनका इलाज जारी है।

एएसआई रामसहाय ने बताया कि लाल बत्ती पार कर ट्रक ने बाइक और बोलेरो को टक्कर मार दी। इससे बाइक ट्रक के नीचे गई। हादसे में बाइक सवार युवक और बोलेरो सवार दो युवक घायल हो गए थे।

घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया, जहां पर उपचार के दौरान बाइक सवार की मौत हो गई। हादसे के बाद दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को जब्त कर थाने पर खड़ा करवा दिया गया। हादसे के बाद अजमेर रोड पर करीब एक किमी लम्बा जाम लग गया। दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को हटाकर यातायात को सुचारू करवाया गया।

मुख्य सचिव ने नागरिक सुरक्षा सिस्टम को सक्रिय करने के निर्देश दिये

मुख्य सचिव सुधांश पंत की अध्यक्षता में शनिवार को शासन सचिवालय जयपुर में नागरिक सुरक्षा सलाहकार समिति की प्रथम बैठक आयोजित की गयी।

जयपुर। मुख्य सचिव सुधांश पंत की अध्यक्षता में शनिवार को शासन सचिवालय जयपुर मे नागरिक सुरक्षा सलाहकार समिति की प्रथम बैठक आयोजित की गयी। इस अवसर पर प्रदेश

■ नागरिक सुरक्षा सलाहकार समिति की प्रथम बैठक आयोजित

में वर्तमान परिस्थितियों में की जा रही सिविल डिफेंस तैयारियों की समीक्षा की। बैठक में आपदा प्रबंधन, बिजली प्रबंधन, चिकित्सा सेवाएं, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति से संबंधित महत्वपूर्ण बिंदुओं पर दिशा-निर्देश दिए गए।

मुख्य सचिव ने केंद्र सरकार के दिशा-निर्देशों के अनुसार नागरिक सुरक्षा सिस्टम को सक्रिय करने के निर्देश दिए। राज्य के रणनीतिक महत्व को देखते हुए उन्होंने किसी भी सम्भावित परिस्थिति के मद्देनजर आवश्यक तैयारी करने के निर्देश दिएउन्होंने होमगार्डस, अग्निशमन सेवाएं तथा नागरिक सुरक्षा विभाग,जिला प्रशासन तथा राज्य आपदा प्रबंधन के सभी हितधारकों तथा सम्बंधित विभागों को आयोजित की जाने वाली गतिविधियों के सभी सुचारू एवं वास्तविक क्रियान्वयन के लिए आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इस अभ्यास में सायरन के साथ संभावित हवाई हमले की तैयारी तथा ब्लैकआउट उपाय, भवनों में आग की घटनाओं, तलाश एवं बचाव कार्य, घायलों को बाहर निकालना, प्राथमिक उपचार तथा अति जोखिम वाले क्षेत्र से नागरिकों का निकास शामिल है।

पंत ने नागरिक सुरक्षा जागरूकता को रेखांकित करते हुए कहा कि राज्य में किसी भी संभावित आपदा के लिए सामुदायिक तैयारी अनिवार्य है। उन्होंने नागरिक सुरक्षा पर बल देते हुए कहा कि इसमें शांति तथा आपदा काल में नागरिकों तथा सम्पत्तियों को सुरक्षित करने के लिए व्यवस्थित प्रयास शामिल हैं। मुख्य सचिव ने नागरिक सुरक्षा वार्डन तथा स्वयं सेवक समूह, राष्ट्रीय कैडेट कोर, राष्ट्रीय सेवा योजना के नामांकन और संवेदनशील जगहों को चिन्हित करना, चेतावनी पद्धित के क्रियान्वयन, ब्लैकआउट और नागरिक सुरक्षा योजना का अभ्यास, चिकित्सा सहायता, भोजन, पानी और अग्निशमन आदि आपातकालीन सेवाओं और नागरिक प्रशिक्षण तथा जागरूकता अभियान के संचालन की समीक्षा की।

जगजीत सिंह मोंगा, निदेशक नागरिक सुरक्षा विभाग ने प्रदेश में नागरिक सुरक्षा संरचना पर गृह रक्षा, अग्निशमन सेवाएं तथा नागरिक सुरक्षा के संबंध में विस्तृत प्रस्तुति दी। उन्होंने मजबूत नागरिक सुरक्षा प्रणाली पर बल देते हुए प्रदेश के रणनीतिक महत्व को देखते हुए कहा कि इस समय सभी तैयारियां अत्यंत आवश्यक है।

बैठक में अतिरिक्त मुख्य सचिव, गृह आनंद कुमार, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़, डिस्कॉम अध्यक्ष आरती डोगरा, डीजीपी, इंटेलिजेंस संजय अग्रवाल, एडीजी सिविल राइट्स मालिनी अग्रवाल, एडीजी एसडीआरएफ हवा सिंह घुमरिया सहित संबंधित विभागों के उच्चाधिकारी उपस्थित रहे।

बिना कार्यकाल पूरा हुए पंचायत समिति प्रधान की सदस्यता खत्म क्यों की : हाईकोर्ट

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने शाहपुरा पंचायत समिति की प्रधान की सदस्यता समाप्त करने और उसके जगह पर किसी अन्य को चार्ज देने की कार्रवाई को चुनौती देने के मामले में अतिरिक्त मुख्य पंचायती राज सचिव और जिला कलेक्टर सहित अन्य से जवाब मांगा है। जस्टिस अनूप कुमार ढंड ने यह आदेश मंजू देवी शर्मा की याचिका पर दिए। अदालत ने याचिका की कॉपी अतिरिक्त महाधिवक्ता कपिल प्रकाश माथुर को दिलाते हुए मामले की सुनवाई 12 मई को रखी है।

याचिका में बताया कि याचिकाकर्ता देवन से वार्ड सदस्य थी और सितंबर 2021 में शाहपुरा पंचायत समिति की प्रधान बनीं। उसका कार्यकाल 5 साल के लिए था। इस दौरान ही राज्य सरकार ने 22 अप्रैल 2025 को अधिसूचना जारी कर नगर परिषदों के गठन में कई वार्ड को शामिल करने के लिए कहा। इसके चलते याचिकाकर्ता का वार्ड भी शाहपुरा नगर परिषद में शामिल कर लिया और उसकी वार्ड सदस्यता भी खत्म हो गई। इसके बाद राज्य सरकार ने 5 मई को आदेश जारी कर प्रधान का कार्यभार किसी अन्य वार्ड सदस्य को दिए जाने के लिए कहा। इसे हाईकोर्ट में चुनौती देते हुए कहा गया कि याचिकाकर्ता साल 2021 में नियमानुसार प्रधान के पद पर पांच साल के लिए निर्वाचित हुई थी। उसका कार्यकाल सितंबर 2026 में खत्म होगा। पंचायती राज अधिनियम नियम 17 व 30 के अनुसार पांच साल का कार्यकाल पूरा करने का प्रावधान है। उसके प्रधान पद पर किसी अन्य को लगाए जाने की प्रक्रिया चल रही है। ऐसे में इस प्रक्रिया पर रोक लगाई जाए। जिस पर सुनवाई करते हुए एकलपीठ ने संबंधित अधिकारियों से जवाब तलब किया है।

50 लाख रुपए की सायबर ठगी के मामले में तीन गिरफ्तार

आरोपियों के पास से पांच आईफोन, एंड्राइड मोबाइल व एक कार जब्त की

बौंली-बामनवास, (निसं)। सवाई माधोपुर जिला पुलिस द्वारा चलाए जा रहे एंटीवायरस अभियान के तहत बौंली थाना पुलिस ने सायबर ठगी के तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों ने करीब 50 लाख रुपए की ठगी करना स्वीकार किया है।

बौंली पुलिस थाने की गठित टीम में शामिल सहायक उप निरीक्षक रूपसिंह, हैड कांस्टेबल धर्मेंद्र चौधरी, कांस्टेबल मुकेश कुमार व शीशराम की टीम को गश्त के दौरान सूचना मिली कि खिरनी रोड पुलिया के नीचे एक सफेद रंग की कार में तीन लड़के अपने मोबाइल से ऑनलाइन सायबर ठगी कर रहे हैं, सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची एवं ऑनलाइन सायबर ठगी कर रहे आरोपी राजेश उर्फ पिंटू मीणा निवासी बहनोली, आशीष उर्फ शेरा मीणा निवासी पीपलवाड़ा एवं आशीष कुमार मीणा निवासी पीपलवाड़ा सभी पुलिस थाना बौंली को गिरफ्तार कर उनके पास से पांच आईफोन व एंड्राइड मोबाइल एवं एक लग्जरी कार जब्त की है। आरोपियों ने कई लोगों से करीब 50 लाख रुपए की ऑनलाइन ठगी करना स्वीकार किया है। पुलिस आरोपियों से अन्य साथियों व बैंक खातों के बारे में अनुसंधान कर रही है।

- पुलिस आरोपियों से अन्य साथियों व बैंक खातों के बारे में अनुसंधान कर रही है

बौंली थाना पुलिस ने सायबर ठगी के तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया।

हाई रेड अलर्ट के दौरान बाड़मेरवासियों ने प्रशासन का सहयोग किया

बाड़मेर, (नि.सं.)। सीमावर्ती बाड़मेर जिले पर पाकिस्तान द्वारा शुक्रवार रात्रि व शनिवार सुबह हुए नाकाम ड्रोन अटैक और उसके बाद संभावित एयर रेड को लेकर दिनभर हाई रेड अलर्ट पर रहने के बाद शाम को सीजफायर की खबर आ गई। सीजफायर की खबर के बाद बाडमेर प्रशासन ने आमजन से सामान्य जनजीवन की और लौटने का आग्रह किया और प्रशासन का सहयोग करने के लिए आभार जताया।

जानकारी के अनुसार शुक्रवार देर रात बाडमेर में रेड अलर्ट किया गया। दर्जनों ड्रोन अटैक को सेना ने निष्क्रिय कर दिया। शनिवार अल सुबह करीब पांच बजे फिर से ड्रोन अटैक की खबर आई, जिसके बाद फिर से रेड अलर्ट किया गया। करीब 10 बजे प्रशासन ने संभावित एयर रेड को लेकर हाई रेड अलर्ट घोषित करते हुए पूरा बाजार बंद करवाया और आवागमन पर रोक लगा दी। दोपहर 3.30 बजे के करीब दो घंटे के लिए आशिंक रूप से आवश्यक सेवाओं के लिए छूट दी गई। हाई रेड अलर्ट के दौरान शहरवासियों ने प्रशासन का पूरा सहयोग किया और गाइड लाइन की पालना की। शाम के करीब 5 बजे सीजफायर की खबर आने के बाद बाजार धीरे धीरे खुलने लगे और आवागमन शुरू हुआ।

- दस बजे प्रशासन ने संभावित एयर रेड को लेकर हाई रेड अलर्ट घोषित करते हुए बाजार बंद करवाये

जिला कलेक्टर टीना डाबी ने बताया कि भारत-पाकिस्तान के बीच हुई सीजफायर की आधिकारिक घोषणा के मद्देनजर जिला प्रशासन द्वारा राष्ट्रीय सुरक्षा के लिहाज से जारी किए गए सभी दिशा निर्देशों को वापस लिया जाता है। न्होंने बताया कि इस संबंध में जिले में 6 बजे बाद किए जाने वाले ब्लैकआउट, बाजार बंद रखने सहित अन्य दिशा निर्देशों को तुरंत प्रभाव से वापस लिया जाता है। उन्होंने बताया कि इस विकट स्थिति में जिस तरह बाडमेर जिलेवासियों का सहयोग मिला, वह वाकई काबिले तारीफ है। जिला प्रशासन जिले के सभी लोगों का प्रशासन द्वारा समय-समय पर जारी निर्देशों की अनुपालना करने के लिए आभार व्यक्त करता है।

अधूरे पड़े नाले का निर्माण कार्य शुरू हुआ

अजमेर, (कासं)। नगर निगम के वार्ड संख्या 31 की एचएमटी के पास की सड़क के नाले निर्माण कार्य को ठेकेदार द्वारा अधूरा छोड़े गए निर्माण कार्य कार्य पुन: शुरू हो गया है, जिस पर क्षेत्रवासियों ने प्रशासन का आभार जताया। वहीं वार्ड संख्या 28 व 29 मुख्य सड़क मार्ग के अधूरे पड़े डामरीकरण कार्य की व गुणवत्ता जांच की मांग की है।

सियाराम नगर विकास समिति की महिला मंडल की पुष्पा शेखावत और लक्ष्मी चित्तौड़िया ने बताया कि ब्यावर रोड स्थित सियाराम नगर और हरिओम कॉलोनी की सड़कों को इन्द्रप्रस्थ गैस एजेन्सी द्वारा और जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के जलदाय विभाग द्वारा पिछले लगभग दो माह से खोदकर छोड़ दिया गया है। जिला प्रशासन के संबंधित विभागों द्वारा शहर के विकास के निर्माण कार्यों की गुणवत्ता एवं अधूरे छोड़े गये कार्यों की समीक्षा मानीटरिंग समय पर नहीं की जाती है, जिसका खामियाजा आम नागरिकों को उठाना पड़ रहा है। सायरी, नोसर देवी, चन्दा मंगलानी, लक्ष्मी नायक, रामीदेवी, कानाराम चौहान, प्रभु गुर्जर, नरेश मंगलानी सहित अन्य क्षेत्रवासियों ने जन सेवा समिति और अजयमेरू सेवा समिति के पदाधिकारी रमेश लालवानी द्वारा विभागों कई बार अनुरोध भी किया, लेकिन आज तक कोई सुध नहीं ली जा रही है। हरिओम कालोनी विकास समिति चंदवरदाई नगर अजमेर के पदाधिकारियों ने सचिव आरएस चित्तौड़िया और अखिल भारतीय जन कल्याण ट्रस्ट के पदाधिकारियों ने कलेक्टर लोक बंधु और एडीएम सिटी गजेन्द्र राठौड़ से मांग की है कि नगर निगम के वार्ड संख्या 28 व 29 में मुख्य मार्ग की सड़क के अधूरे पड़े डामरीकरण के कार्य को शीघ्र पूरा कराया जाए। साथ ही कार्य की गुणवत्ता की जांच कराई जाए।

बिना नम्बर की कार में अवैध शराब पकड़ी

सांचौर पुलिस ने अवैध शराब सहित कार को जब्त किया।

जालोर, (कासं)। जालोर जिले के सांचौर पुलिस ने शनिवार को पंजाब निर्मित अवैध अंग्रेजी शराब के 46 कॉर्टन व 132 बोतल एवं इनोवा कार को जब्त किया है। बरामद अवैध शराब व वाहन की अनुमानित कीमत करीब बीस लाख रुपये आंकी गई है। बिना नम्बरी इनोवा कार में अलग-अलग नम्बरों की छह नम्बर प्लेटें भी मिली है।

सांचौर पुलिस थानाधिकारी देवेन्द्रसिंह के निकटतम निर्देशन में गठित टीम ने नौ मई को दौरान गश्त गंगाप्रसाद उपनिरीक्षक मय जाब्ता की टीम द्वारा मुखबिर से प्राप्त सूचना के अनुसार भारतमाला थराद रोड़ पहुंचे, जहां दुर्घटनाग्रस्त बिना नम्बरी इनोवा वाहन खड़ा मिला। वाहन इनोवा कार की तलाशी ली गई, तो वाहन में पंजाब निर्मित अवैध शराब के 46 कार्टुन एवं 132 खुली बोतलें भरी हुई पायी गई। उपरोक्त वाहन में भरी हुई पंजाब निर्मित अवैध शराब एवं वाहन इनोवा कार को जब्त किया गया। अज्ञात मुलजिम के विरूद्ध प्रकरण आबकारी एक्ट में पंजीबद्ध किया जाकर अनुसंधान किया जा रहा है। अज्ञात मुलजिम की तलाश जारी है।

- इनोवा कार में अलग-अलग नम्बरों की छह नम्बर प्लेटें भी मिली
- शराब व कार की कीमत बीस लाख रुपये बताई

संयुक्त निदेशक ने राजगढ़ चिकित्सालय का निरीक्षण किया

संयुक्त निदेशक डॉ. दिनेश पारीक ने वार्ड में भर्ती मरीजों से जानकारी ली।

राजगढ़, (निसं)। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के ब्लाइंड कंट्रोल के संयुक्त निदेशक डॉ. दिनेश पारीक ने शनिवार को राजगढ़ चिकित्सालय का निरीक्षण कर व्यवस्था सुधार के निर्देश दिए। गर्मी के मौसम में तापघात एवं अन्य मौसमी बीमारियों की रोकथाम को लेकर अलवर जिले के दौरे के तहत राजगढ़ में शनिवार को महिला चिकित्सालय एवं पुरुष चिकित्सालय का निरीक्षण किया एवं भर्ती मरीजों से जानकारी ली। निरीक्षण में स्टोर में उपलब्ध निशुल्क दवाओं की जानकारी, प्रयोगशाला में हो रही जांचों की स्थिति, ऑपरेशन थिएटर एवं वार्ड में भी व्यवस्थाओं की जानकारी ली। उन्होंने बताया कि सभी व्यवस्थाएं संतोषजनक मिली। कुछ समस्याओं के समाधान के बारे में चिकित्सा प्रभारी को निर्देश दिए। इस दौरान पारीक ने चिकित्सा प्रभारी को मौसमी बीमारियों के बढ़ते प्रकोप के कारण पर्याप्त संख्या में निशुल्क दवा वितरण केंद्र स्थापित करने, सोनोग्राफी केंद्र पर महिला चिकित्सा की 6 घंटे उपस्थिति एवं इमरजेंसी में रात्रि कल में चिकित्सक की मौजूदगी निर्धारित करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर उन्होंने वार्ड में भर्ती मरीजों से रोगों के बारे में एवं निशुल्क दवा योजना की जानकारी ली। इस अवसर पर चिकित्सा कमलेश मीणा, मांगीलाल मीणा, राजेंद्र सैनी एवं पैरामेडिकल स्टाफ मौजूद रहा।

- मरीजों से जानकारी लेकर व्यवस्था सुधार के निर्देश दिए

टिगरिया गांव में चार-पांच दिन से नहीं हो रही पेयजल आपूर्ति

बौंली-बामनवास, (निसं)। क्षेत्र के टिगरिया गांव में करीब चार-पांच दिन से पेयजल आपूर्ति नहीं होने के कारण ग्रामीण बेहद परेशान हैं। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से पेयजल आपूर्ति व्यवस्थित रूप से चालू कराने की मांग की है।

ग्रामीण घनश्याम डीलर, दीपक सांगला, मनराज मीणा व सचिन घुणावत ने बताया कि टिगरिया गांव में करीब चार-पांच दिन से पेयजल आपूर्ति नहीं होने के कारण आमजनों के अलावा जीव- जंतु, पशु-पक्षी एवं पालतू मवेशी सभी परेशान हैं। जलदाय विभाग के अधिकारियों की उदासीनता प्राणियों पर भारी पड़ रही है, विभाग के अधिकारी मोटर जलने, विद्युत लाइन में फॉल्ट आने, कम वोल्टेज आने जैसी कई समस्या बताकर कभी भी पेयजल आपूर्ति बंद कर देते हैं। पेयजल आपूर्ति का समय भी इनके द्वारा निर्धारित नहीं किया गया है, बिना समय कभी भी पेयजल आपूर्ति शुरू करने के कारण कई मर्तबा पानी व्यर्थ चला जाता है।

इस बारे में जब जलदाय विभाग के कनिष्ठ अभियंता महेंद्र कुमार मीना से जानकारी ली गई तो उन्होंने बताया कि करीब तीन गांव की मोटर खराब होने के कारण उन्हें ठीक करने में समय लग गया, आज बाटोदा की मोटर को ठीक कर सप्लाई सुचारु कर दी गई है। कल सोमवार तक टिगरिया गांव की पेयजल सप्लाई सुचारु कर दी जाएगी।

- ग्रामीणों ने प्रशासन से पेयजल आपूर्ति व्यवस्थित रूप से चालू कराने की मांग की

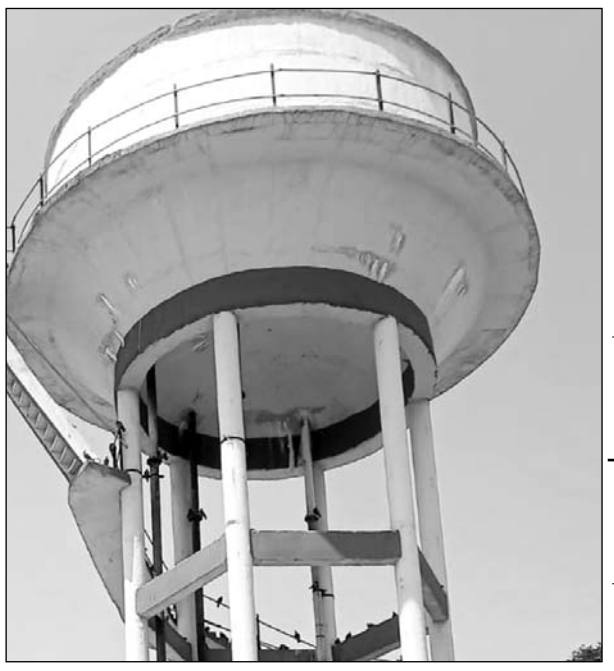

टिगरिया गांव में पेयजल सप्लाई के लिये बनी टंकी।

होटल नाज अग्निकांड : पीड़ितों को सहायता मिलेगी

अजमेर, (कासं)। तारागढ़ स्थित हजरत मीरां साहब दरगाह की पंचायत खुद्दाम सैय्यद जादगान की बैठक शनिवार को संपन्न हुई। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि गत दिनों होटल नाज अग्निकामंड में मारे गए लोगों और घायलों को आर्थिक सहायता प्रदान की जाएगी।

पंचायत खुद्दाम सैयद जादगान तारागढ़ के सचिव सैयद रब नवाज जाफरी ने बताया कि शनिवार को पंचायत खुद्दाम सैयद जादगान दरगाह हजरत मीरां साहब तारागढ़ की मीटिंग में प्रस्ताव पारित किया है। एक मई को डिग्गी चौक स्थित होटल नाज में आग हादसे में पांच जायरीन की मौत हो गई थी और कई लोग घायल भी हुए थे। पंचायत के सदस्यों ने घायलों का जेएलएन अस्पताल पहुंच कर स्वास्थ्य संबंधित जानकारी ली और मरने वालों के परिजन को सांत्वना दी।

बैठक में निर्णय लिया गया कि पंचायत द्वारा अग्निकांड के पीड़ितों को आर्थिक सहायता देने की घोषणा की गई थी। शनिवार को पंचायत के सदस्यों द्वारा तय किया गया मृतकों के आश्रित को 15 हजार और घायलों को प्रत्येक को 5 हजार रुपए की आर्थिक मदद की जाएगी। साथ ही सभी सदस्यों ने हादसे में मारे गए लोगों के लिए उनकी मगफिरत की दुआ की और घायलों के जल्द स्वास्थ्य लाभ के लिए दुआ की।

जाफरी ने बताया कि बैठक सैयद अक़ील हुसैन की अध्यक्षता में आयोजित हुई। इस मीटिंग में सभी सातों पदाधिकारी और सदस्य मौजूद रहे। मीटिंग में सैयद अक़ील हुसैन, सैयद रब नवाज जाफरी, सैयद मेहमूद इजलाल, सैयद फिरोज, हसन, सैयद सफदर हुसैन व सैयद शकील रजा मौजूद रहे।

- पंचायत दरगाह हजरत मीरा साहब की बैठक में निर्णय लिया

सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक पोस्ट पर कार्रवाई होगी : एसपी

अजमेर, (कासं)। भारत-पाक सीमा पर ऑपरेशन सिंदूर के सुरक्षा एजेंसियों से मिले निर्देशों पर अजमेर पुलिस भी अलर्ट है। एसपी वंदिता राणा ने जिला पुलिस के अधिकारियों को निर्देश दिए कि देर रात तक सभी थाना क्षेत्रों में नाकाबंदी की जाए। साथ उन्होंने सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक पोस्ट करने वालों के खिलाफ कार्यवाही करने की बात भी कही। नसीराबाद उपखंड स्थित छावनी क्षेत्र में सात बजे बाद लाइट, आतिशबाजी व डीजे पर पाबंद लगाई है। एसी राणा ने लोगों से अपील की कि भारत-पाक के तनाव के मद्देनजर अहतियात बरतें। भारत-पाक के बढ़ते तनाव को देखते हुए अजमेर में जिला पुलिस के साथ ही सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट पर है।

एसपी राणा ने बताया कि मौजूदा हालात को देखते हुए जिलेभर में थाना अधिकारियों को देर रात तक नाकाबंदी का आदेश दिया गया है। यह आदेश वर्तमान परिस्थितियों में सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए है। इसके साथ ही उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि सोशल मीडिया पर किसी भी आपत्तिजनक पोस्ट पर तत्काल कार्रवाई की जाएगी। इसके अतिरिक्त नसीराबाद में सात बजे के बाद लाइटिंग, आतिशबाजी और डीजे बजाने पर प्रतिबंध रहेगा। यह प्रतिबंध शांति और व्यवस्था बनाए रखने के लिए है।

स्वेच्छा से प्रतिष्ठानो को क्षेत्रवार बंद करेंगे व्यापारिक महासंघ ने की अपील :-देश की परिस्थितियों के अनुसार श्री अजमेर व्यापाारिक महासंघ के प्रमुख पदाधिकारियों ने अध्यक्ष महेन्द्र बंसल और महासचिव रमेश लालवानी के नेतृत्व में निर्णय लिया है कि देश में हालात सामान्य होने तक स्वेच्छा से व्यापारियों द्वारा प्रतिष्ठानों को रात्रि नौ बजे बंद कर दिया जाएगा और प्रशासन के ब्लैक आउट में पूरा सहयोग दिया जाएगा। महासंघ के राजेन्द्र मूरजानी ने बताया कि उपरोक्त निर्णय से एडीएम सिटी गजेन्द्र सिंह राठौड़ के साथ आयोजित सुरक्षा संबंधी संयुक्त बैठक में सूचित किया है।

झुंझुनूं से सीमावर्ती जिलों के लिए 86 यूनिट ब्लड के साथ एंबुलेंस भेजी

झुंझुनूं, (निसं)। आपदा प्रबंधन के मध्यनजर रखते हुए झुंझुनूं जिले से सीमावर्ती जिले के लिए अति आवश्यक एवं जीवनरक्षक रक्त की 86 यूनिट के साथ एंबुलेंस को रवाना किया गया।

पीएमओ डॉ. जितेंद्र भांबू ने बताया कि झुंझुनूं जिले के सरकारी एवं निजी बल्ड बैंक के समग्र सहयोग से एवं आमजन के द्वारा राष्ट्रहित के मद्देनजर स्वैच्छिक रक्तदान से प्राप्त रक्त की 86 यूनिट सीमावर्ती जिले में भेजी गई। पीएमओ डॉ. जितेंद्र भांबू ने बताया कि बीडीके अस्पताल की अपील पर आमजन एवं स्वास्थ्यकर्मियों ने राष्ट्रहित में रक्तदान में बढ़-चढ़ कर भाग लिया। अस्पताल प्रबंधन ने राष्ट्रहित में योगदान देने वाले आमजन का धन्यवाद ज्ञापित किया। आपदा प्रबंधन के मद्देनजर बीडीके अस्पताल पीएमओ की अपील पर बीडीके अस्पताल के ईएनटी विशेषज्ञ डॉ. दुष्यंत बसेरा, शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. संजय खीचड़, अंकित कुमार, नवीन कुमार, दिनेश, अनिल, महेश कुमावत, कालीचरण, महेंद्र कुमार, विक्रम पूनियां, इमरान खान, शिवराज, दिनेश कुमार, कपिल, सुनिलसिंह, तेजपाल, राहुल, शंकर, शिव कुमार समेत 30 आमजन ने स्वैच्छिक रक्तदान में योगदान दिया। ब्लड बैंक प्रभारी सोनू धायल ने बताया कि बीडीके अस्पताल से डीएच नवलगढ़, ट्रोमा सेंटर उदयपुरवाटी के लिए भी बल्ड भिजवाया गया है ताकि वहां भर्ती मरीजों के एमरजेंसी में काम आ सके।

नकदी व जेवर चोरी का आरोपी गिरफ्तार

कोटपूतली, (निसं)। स्थानीय थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए गत 6 व 7 मई की मध्य रात्रि को कस्बे के डाबला रोड़ स्थित भागीरथ एनक्लेव में एक मकान में हुई चोरी की वारदात को अंजाम देने वाले अभियुक्त को गिरफ्तार कर चोरी का माल बरामद किया है।

एसएचओ राजेश शर्मा ने जानकारी देते हुये बताया कि इस सम्बंध में परिवादी ने दर्ज कराया था कि 6 मई की रात्रि को परिवार सहित खाना खाकर सो गये थे। सुबह उठ कर देखे तो एक कमरे का दरवाजा खुला हुआ था तथा सामान भी बिखरा हुआ था, जिसमें सोने का मंगल सूत्र, एक घड़ी, पर्स में रखी 20-20 रूपयों की नोटों की गड्डी सहित अन्य नकदी गायब थी।

इस सम्बंध में पुलिस ने मामला दर्ज करते हुये जांच शुरू की, साथ ही आसपास के सीसीटीवी फुटेज जांच करते हुये 24 घण्टे के भीतर वारदात के अभियुक्त नासिर (20) पुत्र मुस्तफा अली पठान निवासी सुल्तानपुर पट्टी, थाना बाजपुर जिला उधमसिंह नगर उत्तराखण्ड हाल निवासी रजा मस्जिद के पास, थाना स्वार जिला रामपुर (उत्तरप्रदेश) को गिरफ्तार करते हुये वारदात में चोरी किया गया माल बरामद कर लिया।

पुलिस ने चोरी के आरोपी को गिरफ्तार किया।

विकास कार्यों सहित अन्य मुद्दों पर चर्चा की

अजमेर, (कासं)। शालीमार कॉलोनी विकास समिति आदर्श नगर अजमेर की कार्यकारिणी की बैठक समिति के अध्यक्ष सुनील राका की अध्यक्षता में शनिवार को आयोजित हुई। बैठक में भावी कार्यक्रम सहित कॉलोनी के विकास कार्यों सहित अन्य मुद्दों पर चर्चा कर निर्णय लिए गए। शालीमार कॉलोनी विकास समिति आदर्श नगर के सचिव सौरभ खत्री ने जानकारी देते हुए बताया कि बैठक में अध्यक्ष सुनील राका, वरिष्ठ चेयरमैन जय सिंह राठौड़, चेयरमैन राधेश्याम वर्मा, उपाध्यक्ष उमेश शर्मा, सचिव सौरभ खत्री, कोषाध्यक्ष अमित गर्ग सहित अन्य पदाधिकारियों ने बैठक में कार्यकारिणी की कार्यवाही विवरण पढ़कर सुनाया जिसका सभी ने अनुमोदन किया। बैठक में बताया कि कार्यकारिणी के सदस्यों द्वारा हनुमान प्रसाद और मनोज भूरानी को कॉलोनी में गृह प्रवेश पर अभिनंदन किया गया, साथ ही समिति द्वारा कॉलोनी के विकास में महत्वपूर्ण योगदान देते हुए नालियों के पैरोकवर लगाए, मंदिर प्रांगण में दस दिवसीय गणेश उत्सव, महाशिवरात्रि पर्व और होली पर्व, सिक्योरिटी गार्ड का मासिक शुल्क, कॉलोनी में सीसी रोड, टाटा पावर के माध्यम से कॉलोनी में पावर कट की समस्या के समाधान के लिए विद्युत लोड डायवर्जन कराया गया।

अवैध बजरी खनन व परिवहन करते सात ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त

बौंली थाना पुलिस ने अवैध बजरी खनन व परिवहन कर चल रही सात ट्रैक्टर-ट्रॉलियों को जब्त किया।

बौंली-बामनवास, (निसं)। सवाई माधोपुर जिला पुलिस द्वारा चलाए जा रहे अवैध बजरी खनन व परिवहन रोकथाम अभियान के तहत बौंली थाना पुलिस ने अवैध बजरी खनन व परिवहन कर चल रही सात ट्रैक्टर-ट्रॉलियों को जब्त कर मामला दर्ज कर चालकों की तलाश शुरू कर दी। बौंली पुलिस थाने के हैड कांस्टेबल धर्मेंद्र चौधरी ने बताया कि सहायक उप निरीक्षक रूप सिंह पुलिस थाना बौंली एवं सहायक उप निरीक्षक मुरारी लाल पुलिस चौकी खिरनी के नेतृत्व में गठित दो अलग-अलग टीमों ने ग्राम हिंदूपुरा में अलग-अलग स्थानों पर घेराबंदी करते हुए बनास नदी से अवैध बजरी खनन व परिवहन करते सात ट्रैक्टर-ट्रॉलियों को जब्त कर उनके चालक व मालिकों के विरुद्ध अभियोग दर्ज कर ट्रैक्टर ट्राली छोड़कर भागे चालकों की तलाश शुरू की है।

मैं सीमा पर स्थिति के बारे में हाल ही में कई गई अपनी टिप्पणी को स्पष्ट करना चाहता हूं। जिसे गलत समझा गया है। मेरा ऐसा कोई इरादा नहीं था, और मैं इस बात को स्पष्ट करना चाहता हूं। - **अंबाती रायुडू**

पूर्व भारतीय क्रिकेटर, ऑपरेशन सिंदूर को लेकर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

नीरज चोपड़ा

भारत और पाकिस्तान के बीच मौजूदा तनाव के मद्देनजर 24 मई को श्री कांतीरवा स्टेडियम में होने वाले नीरज चोपड़ा क्लासिक 2025 के उद्घाटन संस्करण को स्थगित कर दिया गया है। चोपड़ा अगले महीने चेकिया में होने वाली गोल्डन स्पाइक एथलेटिक्स मीट में भाग लेने के लिए सूचीबद्ध हैं। आयोजन समिति ने शनिवार को एक बयान में कहा, मौजूदा स्थिति के मद्देनजर, एनसी क्लासिक के उद्घाटन संस्करण को अगली सूचना तक स्थगित कर दिया गया है। यह निर्णय हितधारकों के साथ उचित विचार-विमर्श और परामर्श के बाद लिया गया।

क्या आप जानते हैं ?... आईपीएल में लगातार सबसे अधिक मैच जीतने का रिकॉर्ड कोलकाता नाइट राइडर्सके नाम है। कोलकाता नाइट राइडर्स ने 2014 सीजन में लगातार 10 मैच जीते थे और यह आज कर भी रिकॉर्ड है।

रोहित के बाद कोहली भी टेस्ट क्रिकेट से लेना चाहते हैं संन्यास

नई दिल्ली, 10 मई। रोहित शर्मा के बाद विराट कोहली भी टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेना चाहते हैं जिसकी जानकारी उन्होंने बीसीसीआई को दी है। लेकिन बोर्ड के शीर्ष अधिकारियों ने उनसे

इस फैसले पर पुनर्विचार करने को कहा है। उन्होंने अपना मन बना लिया है और बोर्ड को सूचित कर दिया है कि वह टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले रहे हैं। बोर्ड ने उनसे इस पर पुनर्विचार करने को कहा है। क्योंकि इंग्लैंड का अहम दौरा होने वाला है। उन्होंने अब तक इस अनुरोध पर कोई जवाब नहीं दिया है।विराट कोहली का ये फैसला कुछ दिन पहले रोहित शर्मा के टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद आया है। बीसीसीआई की सीनियर सिलेक्शन कमेटी के सदस्य अगले महीने इंग्लैंड में होने वाली पांच टेस्ट मैचों की सीरीज को लेकर टीम चुनने के लिए कुछ दिनों में बैठक करने वाले हैं। वहीं कहा जा रहा है कि, कोहली बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के बाद से ही अपने टेस्ट क्रिकेट के भविष्य पर विचार कर रहे हैं। वहीं कोहली ने बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के पहले टेस्ट मैच में सेंचुरी ठोकी थी। लेकिन उसके बाद वह अन्य चारों टेस्ट में खराब फार्म से जूझते रहे। अगर कोहली अपना विचार नहीं बदलते हैं और रोहित शर्मा भी टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले चुके हैं। ऐसे में भारत के पास काफी हद तक अनुभवहीन मध्यक्रम होगा।

आईपीएल 2025 के बचे हुए मैच को लेकर आज बीसीसीआई ले सकती है फैसला

नई दिल्ली, 10 मई। आईपीएल 2025 के दोबारा शुरू होने पर कल यानी 11 मई को फैसला लिया जा सकता है। ये अपडेट भारत-पाकिस्तान के बीच सीजफायर पर सहमति के बाद आया है। शनिवार शाम 5 बजे से भारत और पाकिस्तान, दोनों ओर से फायरिंग रोक दी गई है। इसके तुरंत बाद एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार अगले हफ्ते आईपीएल 2025 टूर्नामेंट को दोबारा शुरू किया जा सकता है।फिलहाल आईपीएल के 18वें सीजन के अभी भी 16 मुकाबले खेले जाने हैं। आईपीएल

2025 में 8 मई को पंजाब किंग्स बनाम दिल्ली कैपिटल्स मैच खेला जा रहा था। जिसे बीच में ही रोक कर रद्द कर दिया गया। बाद में आईपीएल चेयरमैन अरुण सिंह धूमल ने खुलासा किया कि मैदान में किसी भगदड़ की घटना से बचने के लिए तकनीकी खराबी का सहाराय लेना पड़ा।आईपीएल 2025 के बाकी मुकाबलों के लिए तीन मैदानों को चुना जा सकता है। ये 3 मैदान बेंगलुरु का एम चिन्नास्वामी स्टेडियम, चेन्नई का चेपॉक और हैदराबाद का राजीव गांधी इंटरनेशनल स्टेडियम हो सकता है। फिलहाल बीसीसीआई आईपीएल 2025 को दोबारा शुरू करने के लिए तारीख तय करने के लिए बीसीसीआई अधिकारी जल्द बैठक कर सकते हैं।

3 शहरों में खेले जाएंगे बचे हुए 16 मुकाबले

नई दिल्ली, 10 मई। आईपीएल 2025 को लेकर बड़ा अपडेट सामने आया है। दरअसल, कहा जा रहा है कि, आईपीएल के 18वें सीजन के बचे हुए 16 मुकाबले बेंगलुरु, चेन्नई और हैदराबाद में खेले जा सकते हैं। बीसीसीआई सरकार से अनुमति मिलने का इंतजार कर रही है। विदेशी खिलाड़ियों की उपलब्धता एक बड़ी चुनौती है। कई खिलाड़ी राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय टूर्नामेंट में व्यस्त रहेंगे।बता दें कि, भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ने के कारण बीसीसीआई ने आईपीएल 2025 पर एक हफ्ते का सस्पेंसन लगा दिया था। ये भी साफ नहीं है कि अगर मई में आईपीएल को फिर से शुरू करना हो तो बीसीसीआई कब तक इस पर कोई फैसला लेगी। हालांकि, बीसीसीआई ने तीन शहरों को तैयार रखने का फैसला किया है। लेकिन बीसीसीआई के अधिकारियों को कहना है कि अभी के माहौल में आईपीएल को जल्दी शुरू करना मुश्किल है। ईएसपीएनक्रिकइंफो की रिपोर्ट के अनुसार, आईपीएल ने टूर्नामेंट को फिर से शुरू करने के लिए भारत सरकार से मंजूरी मिलने की स्थिति में संभावित योजना के तहत तीन दक्षिणी भारतीय शहरों को चुना है। तीन मैदानों को तैयार रखने के बावजूद बोर्ड अधिकारियों ने मौजूदा माहौल में आईपीएल को जल्दी से फिर से शुरू करने में कठिनाई को स्वीकार किया। शुक्रवार को फ्रेंचाइजी अधिकारियों को अनौपचारिक रूप से इसकी जानकारी दी गई। कई टीम अधिकारियों ने संकेत दिया कि शेष सत्र इस साल के अंत में खेला जा सकता है। मई में फिर से शुरू होने के मामले में बीसीसीआई के लिए सबसे अहम चुनौतियों में से एक विदेशी खिलाड़ियों को वापस लाना है। आईपीएल 2025 स्थगित होने के बाद टीमें टूटने लगी हैं। खिलाड़ी अपने घर जाने लगे हैं। विदेशी प्लेयर भी अपने-अपने देश की उड़ान भरने लगे हैं।

आईपीएल 2025 स्थगित होने पर बीसीसीआई को बड़ा नुकसान

नई दिल्ली, 10 मई। भारत और पाकिस्तान तनाव के बीच आईपीएल हफ्ते भर के लिए स्थगित हो चुका है। बीसीसीआई ने साफ कहा है कि जब देश युद्ध में हो तो क्रिकेट अच्छा नहीं लगता। हालांकि, एक तथ्य ये भी है कि आईपीएल के स्थगित होने से बड़े पैमाने पर नुकसान हुआ है। ये झटका सिर्फ बीसीसीआई या आईपीएल ही नहीं बल्कि इससे जुड़े तमाम लोगों को लगा है। इनमें वेंडर्स, आईपीएल मैच वाले शहरों और अन्य छोटे-बड़े व्यापारी भी शामिल हैं। मौजूदा समय में देश जिन हालातों से जूझ रहा है उसके सामने ये नुकसान कोई बड़ी चीज नहीं है। बावजूद अनुमान के मुताबिक आईपीएल के इस तरह से स्थगित होने से बीसीसीआई को प्रति मैच तकरीबन 100 से 125 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है।

वैसे तो आईपीएल गवर्निंग काउंसिल पूरी कोशिश में है आईपीएल को जल्द से जल्द शुरू किया जाए। हालांकि, फिर से शुरू हने के बाद आईपीएल किस तरह से आगे बढ़ेगा ये देखने वाली बात होगी। इसका कारण ये है कि, सभी फ्रेंचाइजियों में विदेशी खिलाड़ियों, कोच और सपोर्ट स्टाफ की संख्या काफी ज्यादा है। भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ने के बाद से ही सभी विदेशी खिलाड़ी और स्टाफ अपने देश लौटने लगे हैं। हालांकि, इनमेंसे कई खिलाड़ी और

अन्य स्टाफ को बीसीसीआई पर काफी ज्यादा भरोसा है। ऐसे में अगर उनकी नेशनल ड्यूटी आड़े नहीं आती है तो वह आईपीएल के बचे मैचों के लिए भारत जरूर लौटना चाहेंगे। बता दें कि, बीसीसीआई की पहली प्राथमिकता मई में ही आईपीएल को पूरा कराने पर है। अगर ऐसा नहीं होता है तो फिर भारत के पास अगस्त और सितंबर की विंडो है। हालांकि, इसके लिए भारत के बांग्लादेश टूर और टी20 एशिया कप का कार्यक्रम रद्द करना पड़ सकता है। एक अंदेशा ये भी जताया जा रहा है कि, अगर हालात नियंत्रण में नहीं आए और आईपीएल 2025 पूरी तरह से रद्द हो गया तो क्या होगा? ऐसी स्थिति में अनुमान के मुताबिक मेजबान प्रसारकों को अनुमानित 5,500 करोड़ के विज्ञापन राजस्व का एक तिहाई से ज्यादा छोड़ना होगा।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाड़ियों की स्वदेश वापसी शुरु

सिडनी, 10 मई। भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव के हालात के चलते इंडियन प्रीमियर लीग और पाकिस्तान सुपर लीग के स्थगित होने के कारण आस्ट्रेलिया के खिलाड़ियों की स्वदेश वापसी शुरु हो गयी है। पाकिस्तान के साथ बढ़ते तनाव के कारण इंडियन प्रीमियर लीग को एक सप्ताह के लिए स्थगित कर दिया गया है। भारतीय अधिकारियों ने शुक्रवार को घोषणा की कि लीग को तत्काल प्रभाव से एक सप्ताह के लिए स्थगित कर दिया जाएगा। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के सूत्रों ने बताया कि इस सूचना के बाद पाकिस्तान सुपर लीग ने अपने शेष मैचों को स्थगित कर दिया, इससे पहले उसने संयुक्त अरब अमीरात में स्थानांतरित करने की घोषणा की थी। यह घटनाक्रम धर्मशाला में आईपीएल मैच के रद्द किए जाने के बाद हुआ। खिलाड़ियों को हवाई अड्डे बंद होने के कारण देश छोड़ने में कई तरह की बाधाओं का सामना करना पड़ रहा है। कुछ खिलाड़ियों को उड़ान से पहले आठ घंटे की ट्रेन यात्रा और चार घंटे तक की बस यात्रा करनी पड़ी है। पंजाब किंग्स और दिल्ली कैपिटल्स के बीच मैच रद्द होने के बाद आईपीएल खिलाड़ियों और कर्मचारियों के साथ-साथ कमेंटेटरों और प्रोडक्शन क्रू को धर्मशाला से वापस दिल्ली लाने के लिए एक विशेष ट्रेन सेवा शुरू की गई थी। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के सीईओ टॉड ग्रीनबर्ग ने कहा, हमारे खिलाड़ियों और कर्मचारियों की सुरक्षा हमेशा एक मुख्य प्राथमिकता है और हम बीसीसीआई के फैसले का समर्थन करते हैं। हम ऑस्ट्रेलियाई सरकार, पीसीबी और बीसीसीआई के साथ मिलकर काम करना जारी रखते हैं और भारत और पाकिस्तान दोनों में खिलाड़ियों और सहयोगी कर्मचारियों के साथ नियमित रूप से संवाद बनाए रखते है। आईपीएल के निलंबन से कई सवाल उठेंगे, जिसमें यह भी शामिल है कि क्या यह आकर्षक लीग एक सप्ताह के बाद फिर से शुरू हो सकती है या इस साल फिर से शुरू हो सकती है। अगर यह फिर से शुरू होती है, तो इस बात की भी कोई गारंटी नहीं है कि विदेशी खिलाड़ी वापस आएंगे और उपलब्ध रहेंगे। नियमित सत्र में लगभग 12 खेल बचे हैं, साथ ही चार मैचों की फाइनल सीरीज़ भी है। खिलाड़ियों के भुगतान के बारे में भी सवाल उठेंगे, क्योंकि सभी टीमों के पास खेलने के लिए दो मैच बचे हैं।

क्रिकेट इतिहास में हुआ ऐसा पहली बार, यूएई की ग्यारह बल्लेबाज हुई रिटायर आउट

बैंकॉक, 10 मई। संयुक्त अरब अमीरात ने महिला टी20 वर्ल्ड कप एशिया क्वालिफायर 2025 के एक मुकाबले में कतर के खिलाफ अनोखा कदम उठाया। दरअसल, इस टीम की सभी 11 खिलाड़ी रिटायर आउट हो गईं। यूएई ने बैंकॉक के टेर्डथाई क्रिकेट ग्राउंड में कतर के खिलाफ अपने मुकाबले में अपनी पूरी टीम को रिटायर्ड आउट कर दिया। क्रिकेट के इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ जब पूरी टीम रिटायर आउट हो गई।कतर के खिलाफ पहले बल्लेबाजी करने उतरी यूएई की टीम ने अपने सलामी बल्लेबाज तीर्था सतीश और कप्तान ईसा ओजा की बदौलत बेहतरीन शुरुआत की। दोनों ने पहले विकेट के लिए 16 ओवर में 192 रन की साझेदारी की और कतर के गेंदबाजों पर दबाव बनाया, लेकिन जब यूएई को लगा कि बारिश की संभावना है तो उसने अपनी पूरी टीम को रिटायर्ड आउट कर दिया। टी20 अंतर्राष्ट्रीय मैचों में पारी घोषित करने का नियम लागू नहीं होता, इसलिए हर बल्लेबाज पैड पहनकर क्रीज की ओर दौड़ा और मैदान पर पहंचने पर रिटायर्ड आउट हो गया। यूएई की ओपनर बल्लेबाज तीर्था ने 42 गेंदों पर 11 चौकों की मदद से 74 रन की पारी खेली जबकि ईशा ओजा ने 5 छक्के और 14 चौकों की मदद से 55 गेंदों पर 133 रनकी पारी खेली। यूएई ने 16 ओवर में बिना कोई विकेट खोए 192 रन बनाए।

लक्ष्य एकेडमी की जीत में शुभांकर का पंजा

जयपुर, 10 मई। चंबल स्पोर्ट्स क्लब द्वारा आयोजित 17वी नन्द सिंह मेमोरियल क्रिकेट लीग के आज नारायणा ग्राउंड पर खेले गए मैच में लक्ष्य क्रिकेट एकेडमी ने इवेंट्स क्रिकेट एकेडमी को आठ विकेट से हराकर जीत दर्ज की। इवेंट्स क्रिकेट एकेडमी ने लक्ष्य क्रिकेट एकेडमी के लेफ्ट आर्म तेज गेंदबाज शुभांकर त्यागी 25 पे 5 ,पियूष हिन्दुस्तानी 16 पे 4 की घातक गेंदबाजी के सामने मात्र 16 ओवर में 41 रन बनाकर ऑल आउटर हुई। लक्ष्य का पीछा करते हुए लक्ष्य एकेडमी ने नितिन घुलोटिया 21 राघव प्रजापत 10 रन के सहयोग से 2 विकेट पर 45 रन बनाकर जीत दर्ज की।मैच के प्लेयर ऑफ़ द मैच पियूष हिन्दुस्तानी रहे।

फ्रेंच ओपन से पहले जोकोविच ने ली जिनेवा ओपन में वाइल्डकार्ड एंट्री

जिनेवा, 10 मई। फ्रेंच ओपन से पहले फॉर्म और फिटनेस हासिल करने के प्रयास के तहत जोकोविच ने जिनेवा ओपन में खेलने के लिए वाइल्डकार्ड एंट्री ली है। पेरिस में अपना 25वां ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने की कोशिश कर रहे जोकोविच ने इटैलियन ओपन से नाम वापस ले लिया है। 37 वर्षीय सार्बियाई खिलाड़ी पिछले महीने मोंटे कार्लो और मैड्रिड में क्ले-कोर्ट इवेंट में शुरुआती दौर में बाहर होने के बाद अपने पिछले तीन मैच हार चुके हैं। छह बार के चैंपियन जोकोविच ने रोम में एटीपी मास्टर्स टूर्नामेंट में हिस्सा नहीं लेने का कोई कारण नहीं बताया है।

यूएई एथलेटिक्स ग्रैंड प्रिक्स में अफजल ने बनाया 800 मीटर का नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड

दुबई, 10 मई। मोहम्मद अफजल ने शनिवार को यूएई एथलेटिक्स ग्रैंड प्रिक्स 2025 में पुरुषों की 800 मीटर स्पर्धा में भारतीय राष्ट्रीय रिकॉर्ड को फिर से बनाया। दुबई पुलिस क्लब स्टेडियम में आयोजित टूर्नामेंट 29 वर्षीय धावक ने एक मिनट 45.61 सेकंड का समय लेकर स्पर्धा में दूसरा स्थान हासिल किया।

उनकी टाइमिंग ने 2018 में गुवाहाटी में राष्ट्रीय अंतर-राज्यीय चैंपियनशिप में जिनसन जॉनसन द्वारा बनाए गए 1:45.65 के पिछले राष्ट्रीय रिकॉर्ड को 0.04 सेकंड के अंतर से पीछे छोड़ दिया। केन्या के निकोलस किपलागट ने 1:45.38 के समय के साथ रेस जीती, जबकि दक्षिण अफ्रीका के क्रिस्टोफर स्वार्ट 1:45.84 के समय के साथ तीसरे स्थान पर रहे। अफजल ने 2023 एशियाई खेलों में 1:48.43 के प्रयास के साथ रजत पदक जीता था। वह अब तक किसी

भारतीय द्वारा सबसे तेज़ 800 मीटर समय दर्ज करने का गौरव प्राप्त कर चुके हैं।

उनके अलावा अनिमेष कुजूर ने पुरुषों की 200 मीटर स्पर्धा में 20.45 सेकंड के मीट रिकॉर्ड समय के साथ स्वर्ण पदक जीता, जो पिछले महीने कोच्चि में फेडरेशन कप में उनके द्वारा बनाए गए राष्ट्रीय रिकॉर्ड से केवल 0.05 सेकंड कम है। चाड के महामत गौबे यूसुफ (20.93 सेकंड) और यूएई के इमैनुएल बामिडेल (20.97 सेकंड) ने क्रमशः दूसरा और तीसरा स्थान प्राप्त किया।

अनाहत ने विश्व की 28वें नंबर की खिलाड़ी को घुटनों पर बैठाया

शिकागो, 10 मई। भारत की युवा स्क्वैश सनसनी अनाहत सिंह ने वर्ल्ड स्क्वैश चैंपियनशिप में अपने पदार्पण मैच में शनिवार को शानदार प्रदर्शन करते हुये अमेरिका की वर्ल्ड नंबर 28 मरीना स्टेफनोनी को हराकर दूसरे दौर में प्रवेश किया। विश्व में 62वें स्थान पर और भारत की शीर्ष रैंक की 17 वर्षीय महिला खिलाड़ी अनाहत ने शुक्रवार को उच्च रैंक वाली अमेरिकी खिलाड़ी के खिलाफ 51 मिनट के मैच में 1-2 से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए 3-2 (10-12, 11-9, 6-11, 11-6, 11-6) से रोमांचक जीत दर्ज की। मैच के बाद अनाहत ने कहा, हमने वास्तव में लंबी रैलियां कीं और वह एक बेहतरीन खिलाड़ी हैं। वह वास्तव में अच्छा खेल रही है और शीर्ष 30 में शामिल हो गई है। मुझे पता था कि यह एक संघर्ष होने वाला है। मैं थक गई हूँ, लेकिन वास्तव में खुश हूँ कि मैं इससे बाहर निकल गई।

रोमानिया में प्रग्गनानंद ने अब्दुसत्तोरोव को हराया

बुखारेस्ट, 10 मई। भारत के आर प्रग्गनानंद ने उज्बेकिस्तान के नोडिरबेक अब्दुसत्तोरोव पर महत्वपूर्ण जीत दर्ज करने के साथ ग्रैंड शतरंज टूर के सुपरबेट शतरंज क्लासिक 2025 में संयुक्त बढ़त हासिल कर ली है। 19 वर्षीय ग्रैंडमास्टर ने पूर्व विश्व रैपिड चैंपियन अब्दुसत्तोरोव के गलत निर्णय का फायदा

जिन्होंने अपना डार्क-स्क्वायर बिशप बहुत जल्दी छोड़ दिया था। अन्य मैच में, भारतीय प्रतिभा डी गुकेश को रोमानिया के बोगदान-डैनियल डेक ने ड्रॉ पर रोक दिया। दोनों खिलाड़ियों ने मामूली अवसरों को गंवा दिया और तनावपूर्ण संघर्ष के बाद साझा अंक पर समझौता किया। इस बीच अमेरिका के नंबर 1 फैबियानो कारुआना ने फ्रांस के अलीरेजा फिरौजा को हराकर प्रागनानंदा के साथ बढ़त बना ली है। फ्रांसीसी खिलाड़ी ने अंतिम गेम में बाजी मारी, जिससे कारुआना को पूरा अंक मिल गया और वह स्टैंडिंग में 2/3 पर पहुंच गए। तीन राउंड पूरे होने के साथ, प्रागनानंदा और कारुआना 2-2 अंक लेकर लीडरबोर्ड में शीर्ष पर हैं। उनके पीछे 1.5 अंक वाले छह खिलाड़ियों का समूह है, जिसमें मौजूदा विश्व चैंपियन डिंग लिरेन भी शामिल हैं।

इंग्लैंड दौरे के लिए भारतीय टेस्ट टीम का चयन 23 मई को संभव

नई दिल्ली, 10 मई। टीम इंडिया को आने वाले समय में इंग्लैंड का दौरा करना है। जहां दोनों टीमों के बीच 5 मैचों की टेस्ट सीरीज खेली जाएगी। लेकिन उससे पहले बीसीसीआई विराट कोहली के टेस्ट क्रिकेट से कथित तौर पर संन्यास लेने के फैसले पर उनसे बातचीत कर सकता है। टीम इंडिया के एक बेहद प्रभावशाली व्यक्ति के इस स्टार बल्लेबाज से मिलने की उम्मीद है जिससे उन्हें टेस्ट फॉर्मेट में बने रहने के लिए राजी किया जा सके।

इंग्लैंड दौरे के लिए भारतीय टेस्ट टीम का चयन 23 माई को किया जा सकता है। इसी दिन नए कप्तान के नाम की घोषणा की जाएगी। हालांकि, चयन समिति की बैठक के लिए अभी स्थान तय नहीं किया गया है लेकिन बीसीसीआई ने नए टेस्ट कप्तान के नाम का ऐलान करने के लिए एक मीडिया कॉन्फ्रेंस आयोजित करने की भी योजना बनाई है।

वहीं अगले कुछ दिनों में इंग्लैंड दौरे के लिए भारत ए टीम का चयन होने की उम्मीद है।बीसीसीआई पहले भी खिलाड़ियों को मनाने में कामयाब रहा है जैसा कि उन्होंने रोहित शर्मा के साथ किया था कि वे टेस्ट में कप्तानी छोड़ दें। ऐसा माना जा रहा है कि रोहित द्वारा टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लने की घोषणा करने से पहले इस प्रभावशाली व्यक्ति के साथ कुछ चर्चा हुई होगी।

बोर्ड कोहली को मनाने में सफल होगा या नहीं ये तो समय बताएगा लेकिन इस बात की उम्मीद है कि उनसे बात करने के लिए चुना गया व्यक्ति कुछ हद तक उनके फैसले पर प्रभाव डाल सकता है। बोर्ड कोहली की टेस्ट क्रिकेट से दूर रहने की इच्छा के पीछे के कारणों को समझना चाहता है। ये एक ऐसा प्रारूप जिसमें हाल ही में उनका औसत 50 से ज्यादा था।

कोलिंस ने इतालवी ओपन में मौजूदा चैम्पियन स्वियाटेक को हराया

रोम, 10 मई। अमेरिकी खिलाड़ी डेनियल कोलिन्स ने शनिवार को इतालवी ओपन के तीसरे दौर में मौजूदा चैंपियन इगा स्वियाटेक के खिलाफ सीधे सेटों में जीत दर्ज की। कोलिन्स ने विश्व की दूसरे नंबर की खिलाड़ी स्वियाटेक की खराब सर्विस का फायदा उठाते हुए पहले सेट में बढ़त हासिल की और फिर दूसरे सेट में ब्रेक डाउन से उबरते हुए 6-1, 7-5 से जीत दर्ज की।पांच बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन के खिलाफ नौ मैचों में यह उनकी दूसरी जीत थी और क्ले पर पहली जीत थी। 31 वर्षीय कोलिन्स का सामना चौथे दौर में यूक्रेन की एलिना स्वितोलिना या हमवतन हैली बैपटिस्ट से होगा, जबकि स्वियाटेक को अब 25 मई से शुरू होने वाले फ्रेंच ओपन से पहले फिर से खेलना होगा।

भारत ने श्रीलंका को 8-0 से हराया

यूपिया (अरुणाचल प्रदेश), 10 मई। भारत ने यहां गोल्डन जुबली स्टेडियम में ग्रुप बी के अपने पहले मैच में श्रीलंका को 8-0 से हराकर सैफ अंडर19 चैम्पियनशिप खिताब की रक्षा की शानदार शुरुआत की।

डैनी मेइतेई लैशराम (26', 31', 50') ने टूर्नामेंट में पहली बार शानदार हैट्रिक लगाई, जबकि प्रशान जाजो (17', 62') ने शानदार ऑलराउंड प्रदर्शन करते हुए दो गोल किए। शुक्रवार रात को एमडी अर्बाश (40'), ओमंग डोडम (48') और कप्तान सिंगमयुम शमी (81') ने एक-एक गोल किया। अरुणाचल प्रदेश में पहली बार आयोजित अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल टूर्नामेंट में मेजबान टीम ने पहली सीटी बजने के साथ ही अपने इरादे दिखा दिए। शानदार पासिंग और लगातार दबाव के साथ भारत ने मैदान पर अपना जलवा दिखाया और श्रीलंका को पीछे छोड़ दिया। भारत के मिडफील्ड ने तेज पास के साथ गति को नियंत्रित किया, जबकि उनके फॉरवर्ड ने श्रीलंका की अव्यवस्थित बैकलाइन को तहस-नहस कर दिया। अर्बाश और रोहन सिंह मेहमान टीम के लिये विशेष रूप से खतरनाक साबित हुये 17वें मिनट प्रशान जाजो ने शानदार फील्ड गोल किया। इसके ठीक नौ मिनट बाद, श्रीलंका के एक गलत बैकपास ने ओमंग डोडम को आगे बढ़ने का मौका दिया और डैनी ने सही समय पर हेडर से गोल करने में कोई गलती नहीं की। भारत ने 31वें मिनट में 3-0 की बढ़त बनाई जब डैनी ने फिर से गोल किया। चौथा गोल हाफ-टाइम से पहले हुआ, जब डैनी ने बॉक्स में एक क्रॉस फेंका, जिसे जाजो ने चतुराई से अर्बाश के रास्ते में हेड किया, जिन्होंने आसानी से गोल कर दिया। दूसरे हाफ की शुरुआत पहले हाफ की तरह ही जोश के साथ हुई। लोकल ब्वाय ओमंग डोडम ने 48वें मिनट में स्कोरशीट पर अपनी जगह बनाई। उन्होंने शानदार फुटवर्क दिखाते हुए सेनापाला के पैरों के बीच से गोल कर दिया। कुछ मिनट बाद, डैनी ने ओमिथ एदिरिसिंघे की गलती का फायदा उठाते हुए अपनी हैट्रिक पूरी की और स्कोर 6-0 कर दिया। 62वें मिनट में सातवां गोल जाजो ने किया। आठवां और अंतिम गोल शमी की व्यक्तिगत प्रतिभा का गवाह बना जब उन्होंने 81वें मिनट में दो डिफेंडरों को छकाते हुये गोल किया। इसके अलावा सैफ अंडर 19 चैम्पियनशिप 2025 के उद्घाटन मैच में बांग्लादेश और मालदीव ने रोमांचक 2-2 से ड्रॉ खेला। बांग्लादेश अंडर-19 ने पहले हाफ में शानदार प्रदर्शन करते हुए 2-0 की बढ़त हासिल की। हालांकि, दूसरे हाफ में मालदीव की टीम ने शानदार वापसी की और स्कोर 2-2 से बराबर हो गया।

मधुरा ने जीता पहला विश्व कप स्वर्ण

शंघाई, 10 मई। मधुरा धामनगांवकर ने विश्वकप तीरंदाजी की व्यक्तिगत स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतकर अपने सपनों की वापसी की जबकि भारतीय पुरुष कंपाउंड टीम ने शनिवार को यहां तीरंदाजी विश्व कप स्टेज 2 में एक और स्वर्ण पदक जीतकर भारत को पदकों की झड़ी लगा दी। तीन साल के अंतराल के कारण विश्व तीरंदाजी स्टैंडिंग महिलाओं की कंपाउंड टीम के फाइनल में ज्योति सुरेखा वेन्नम, मधुरा धामनगांवकर और चिकिथा तानिपार्थी की भारतीय तिकडी को मजबूत मैक्सिकन टीम से 221-234 से हार के बाद रजत पदक से संतोष करना पड़ा। एकतरफा फाइनल के बावजूद टीम ने पूरे टूर्नामेंट में निरंतरता दिखाई।

अनिकेत श्रीवास्तव की बल्लेबाजी तथा रौनक की गेंदबाजी से केंडलविक की 1 रन से जीत

जयपुर, 10 मई। यूनियन क्रिकेट क्लब द्वारा आयोजित 27वीं नवीन नफीस स्मृति क्रिकेट प्रतियोगिता में आज सेण्डफोल्ड क्रिकेट ग्राउण्ड कालवाड़ रोड पर खेले गये पूल-ई के मैच में अनिकेत श्रीवास्तव 76 रन (46 गेन्द, 4 चौके, 6 छक्के), तथा रोनक सैनी 33 रन पर 3 विकेट की शानदार गेन्दबाजी की बदोलत कडे मुकाबले में केण्डलविक क्रिकेट एकेडमी ने नारायणा स्पोर्टस एकेडमी को मात्र 1 रन से हराकर 2 अंक अर्जित किये।

टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुये केण्डलविक क्रिकेट एकेडमी में अनिकेत श्रीवास्तव 76 रन, आकाश सिंह

38 रन, कुशाग्र ओझा 22 रन, मेहूल सिंह 20 रन, दक्ष कासलीवाल 10 रन की मदद से निर्धारित 20 ओवर में 7 विकेट खोकर 185 रन बनाये, गेन्दबाजी में नारायणा स्पोर्टस एकेडमी की ओर से मनीष गुर्जर 44 रन पर 4 विकेट गुलशन जांगिड़ 26 रन पर 2 विकेट तथा नवीन बूरी 32 रन पर 1 विकेट लेकर सफल गेन्दबाज रहे। 186 रन के विजय लक्ष्य को लेकर खेलने उतरी नारायणा स्पोर्टस एकेडमी ने शानदार शुरूआत करते हुये यश खींचड 59 रन, श्रीवत्सन सैन 30 रन, गुलशन जांगिड़ 20 रन, दीपक सौंलकी 19 रन, रोशन सारण 13 रन की मदद से स्कोर 1 समय 3 विकेट खोकर 145 रन था लेकिन केण्डलविक के गेन्दबाजों रोनक सैनी 33 रन पर 3 विकेट, आयुष गुर्जर 39 रन पर 2 विकेट, सार्थक त्यागी 38 रन पर 2 विकेट तथा हिमांक झालानी 13 रन पर 1 विकेट ने शानदार गेन्दबाजी 20 ओवर में नारायणा स्पोर्टस की पुरी टीम को 184 रन पर ऑलआउट कर 1 रन से जीत दर्ज कर ली। मैच का मैन ऑफ दा मैच अनिकेत श्रीवास्तव कोडाई स्पोर्ट एकेडमी रहे।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शनिवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में आयोजित सर्वदलीय बैठक को संबोधित किया। उन्होंने सभी दलों से एकजुटता और आपसी सामंजस्य स्थापित करने का आव्हान किया और कहा कि वे प्रदेश हित में सरकार के साथ मिलकर कार्य करें।

मु.मंत्री भजनलाल ने सर्वदलीय बैठक में सभी दलों से मिलकर काम करने का आव्हान किया

विभिन्न दलों ने केन्द्र व राज्य सरकार की जवाबी कार्यवाही व तैयारियों की सराहना की व सुझाव दिए

- **मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सभी दलों से अपील की कि वे अपने कार्यकर्ताओं के साथ सम्पर्क में रहें और राज्य सरकार द्वारा आयोजित ब्लड डोनेशन, रेस्क्यू कार्यक्रमों, ब्लैक आउट व अन्य व्यवस्थाओं से जुड़े मामलों में सहयोग करें।**

जयपुर, 10 मई। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि भारत और पाकिस्तान के बीच उत्पन्न वर्तमान परिस्थितियों को देखते हुए, प्रदेश और प्रदेशवासियों की सुरक्षा राज्य सरकार की पहली प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि हम परिस्थितियों का विश्लेषण कर सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के लिए अहम निर्णय ले रहे हैं। इसमें सरकार को सभी दलों का भी सहयोग मिलना बेहद आवश्यक है।

शर्मा शनिवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में सर्वदलीय बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने सभी दलों से एकजुटता और आपसी सामंजस्य स्थापित करने का आ ान करते हुए कहा कि वे प्रदेश हित में सरकार के साथ मिलकर कार्य करें। उन्होंने कहा कि हम प्रदेश में किसी भी स्थिति का सामना करने के लिए तैयार हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सीमावर्ती जिलों में मानव संसाधन की आवश्यकता को देखते हुए सभी रिक्त पदों को तुरंत भरने की कार्यवाही की जा रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जरूरत के मुताबिक आरएसी, आपदा राहत बलों, सिविल डिफेंस की अतिरिक्त नफरी सीमावर्ती इलाकों में सुरक्षा व्यवस्था में सहयोग करने के लिए लगाई गई है। सीमावर्ती जिलों में प्रशासन ब्लैकआउट एवं आवागमन प्रतिबंधों की पूर्ण पालना सुनिश्चित करा रहा है, जिसमें नागरिकों का भी अपेक्षित सहयोग मिल रहा है। शादियों व अन्य समारोहों में तेज रोशनी, चकाचौंध एवं आतिशबाजी नहीं करने के निर्देश दिए गए हैं। निजी ड्रोन को उडाने पर भी पूर्णत: प्रतिबंध लगाया गया है।

शर्मा ने सभी दलों से अपील करते हुए कहा कि अपनी पार्टी के कार्यकर्ताओं और वॉलेंटियर्स के साथ संपर्क में रहें और राज्य सरकार द्वारा आयोजित ब्लड डोनेशन, रेस्क्यू कार्यक्रमों, ब्लैक आउट और अन्य व्यवस्था से जुडे मामलों में सहयोग करें।

सर्वदलीय बैठक में उपस्थित विभिन्न दलों के नेताओं ने कहा कि वे वर्तमान परिस्थिति में पूरी तरह राज्य सरकार के साथ हैं। उन्होंने केन्द्र सरकार द्वारा की गई जवाबी कार्रवाई और वर्तमान परिस्थितियों में केन्द्र और राज्य सरकार की तैयारियों की सराहना करते हुए विभिन्न सुझाव दिए।

बैठक में उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा, संसदीय कार्यमंत्री जोगाराम पटेल, विधानसभा में सरकारी मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग, कांग्रेस पार्टी प्रतिनिधि व नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली, विधायक रफीक खान, राष्ट्रीय लोकदल से विधायक डॉ. सुभाष गर्ग, बहुजन समाज पार्टी से विधायक मनोज कुमार एवं भारत आदिवासी पार्टी से विधायक उमेश मीणा उपस्थित थे।

न्यूज़ चैनल नागरिक सुरक्षा सायरन का उपयोग समझदारी से करें

नयी दिल्ली, 10 मई। नागरिक सुरक्षा महानिदेशक ने भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ ते तनाव के बीच नागरिक सुरक्षा तैयारियों को प्रभावी ढ ंग से लागू करने के लिए मीडिया चैनलों को सलाह दी है कि वे अपने कार्यक्रमों में नागरिक सुरक्षा हवाई हमले के प्रति लोगों को सचेत करने वाले सायरन का इस्तेमाल न करें, क्योंकि इसे बेवजह बजाने से इसके प्रति लोगों की संवेदनशीलता खत्म हो जायेगी।

नागरिक सुरक्षा महानिदेशक ने शनिवार को यहां नागरिक सुरक्षा अधिनियम 1968 की धारा 3(1) का इस्तेमाल करते हुए, मीडिया चैनलों को इन सायरनों का अपने कार्यक्रमों में इस्तेमाल नहीं करने की सलाह दी है।

- **नागरिक सुरक्षा महानिदेशक ने कहा कि चैनलों द्वारा अपने कार्यक्रमों में सायरन बजने से इसके प्रति लोगों की संवेदनशीलता खत्म हो जायेगी।**

सलाह में कहा गया है कि इस सायरन का नियमित रूप से इस्तेमाल करने से लोगों की इसके प्रति संवेदनशीलता समाप्त हो जायेगी और लोग इसे नियमित मामला समझ कर इसकी परवाह नहीं करेंगे। इसमें कहा गया है कि इसका परिणाम यह होगा कि जब वास्तव में हवाई हमले से सचेत रहने के लिए सायरन बजाया जायेगा तो लोग उस पर भी ध्यान नहीं देंगे।

उल्लेखनीय है कि अधिकतर मीडिया चैनल अपने कार्यक्रमों में इस तरह के सायरन का नियमित रूप से बेवजह इस्तेमाल कर रहे हैं।

तमिलनाडु, केरल व प.बंगाल में त्रिभाषा फॉर्मूला लागू करने से सुप्रीम कोर्ट ने इन्कार किया

सुप्रीम कोर्ट ने इस संबंध में दायर जनहित याचिका खारिज कर दी

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 10 मई। सर्वोच्च न्यायालय ने शुक्रवार को उस जनहित याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें माँग की गई थी कि तमिलनाडु केरल और पश्चिम बंगाल सरकारों को नेशनल एजुकेशन पालिसी (एनईपी) 2020 के तहत प्रस्तावित त्रिभाषा सूत्र (थ्री लैग्वेज फॉर्मूला) को लागू करने के निर्देश दिये जायें।

भाजपा से जुड़े वकील जी.एस. मणि द्वारा दायर इस पीआईल पर विचार करने से इनकार करते हुये, न्यायमूर्ति जे.बी. पारदीवाला एवं मनोज मिश्रा की बैंच ने कहा कि अदालत किसी राष्ट्रीय नीति को अपनाने के लिये राज्यों को तब तक बाध्य नहीं कर सकती, जब तक किसी मौलिक अधिकार का प्रमाणित उल्लंघन न हुआ हो।

बैंच ने इस पीआईएल को खारिज करते हुये अपने आदेश में कहा, "अदालत नेशनल एजुकेशन पॉलिसी 2020 जैसी किसी पॉलिसी को अपनाने के किसी राज्य को सीधे तौर पर बाध्य नहीं कर सकती। लेकिन अगर नेशनल एजुकेशन पॉलिसी से सम्बंधित किसी राज्य की कोई कार्यवाही या निष्क्रियता किसी मौलिक अधिकार का उल्लंघन करती है, तो अदालत हस्तक्षेप कर सकती है। हम इस रिट याचिका के इस मुद्दे पर विचार नहीं करेंगे।"

शीर्ष अदालत ने याचिकाकर्ता की सदाशयता पर भी प्रश्न खड़े किये तथा कहा कि भले ही वे तमिलनाडु से हों, लेकिन वे रहते तो दिल्ली में हैं, इसलिये इस मामले में उनकी कोई सीधी रुचि दिखाई नहीं देती।

बैंच ने कहा, "हमारा मानना है कि याचिकाकर्ता को उस कारण से कोई लेना-देना नहीं है, जिसका वे समर्थन कर रहे हैं। वे मूलरुप से तमिलनाडु राज्य से भले ही हों, लेकिन जैसा कि उन्होंने स्वयं स्वीकार किया है, वे नई दिल्ली में रह रहे हैं। इन हालात में, यह याचिका खारिज की जाती है।"

भाजपा से सम्बद्ध वकील जी.एस. मणि द्वारा दायर इस याचिका में दलील दी गई है कि एनईपी 2020 को तीन राज्यों द्वारा लागू न किया जाना नागरिकों के मौलिक अधिकारों, खासतौर से शिक्षा के अधिकार का हनन है। याचिकाकर्ता ने एनईपी लागू करने के लिये इन राज्यों को निर्देश दिये जाने, तथा इसके लिये बाध्य करने के लिये केन्द्र सरकार के साथ मेमोरेन्डम ऑफ अन्डरस्टैन्डिंग (एमओयू) किये जाने की माँग की थी।

मणि ने दलील दी थी कि त्रिभाषा सूत्र समावेशी एवं न्यायसंगत शिक्षा के लिये, खासतौर से अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति तथा आर्थिक रुप से पिछड़े वर्गों के बच्चों के लिये बहुत आवश्यक एवं महत्वपूर्ण है। उन्होंने आरोप लगाया कि खासतौर से तमिलनाडु सरकार, जो (उसके शब्दों में) "हिन्दी थोपे जाने" की निरन्तर विरोधी रही है, के राजनैतिक उद्देश्य उसे इन नीति को लागू करने से रोक रहे हैं।

केन्द्र सरकार ने, एनईपी का बचाव करते हुये, कहा है कि यह नीति बहुभाषावाद को प्रोत्साहित करती है तथा राज्यों और विद्यार्थियों को लचीलापन प्रदान करती है। किन्तु तमिलनाडु सरकार ने, अपने विरोध को दोहराते हुये, तर्क दिया कि त्रिभाषा सूत्र गैर-हिन्दी भाषी राज्यों पर अनुचित दबाव डालता है तथा भाषाई संघवाद को कमजोर करता है।

मणि की याचिका पर की गई अपनी प्रतिक्रिया में, तमिलनाडु ने हिन्दी - विरोधी आंदोलन से लेकर अब तक की इस प्रकार की नीतियों के विरोध के इतिहास का उल्लेख किया तथा शैक्षिक ढ़ाँचे के माध्यम से हिन्दी थोपने के किसी भी अप्रत्यक्ष प्रयास के खिलाफ अपने दृढ़ रुख को दोहराया।

इस मामले में हस्तक्षेप करने से इन्कार करते हुये, बैंच ने कहा कि नीति-निर्माण और उनका क्रियान्वयन राज्यों की विधायिका एवं कार्यपालिका के अधिकार क्षेत्र में आता है तथा न्यायिक हस्तक्षेप उनहीं मामलों तक सीमित है, जहाँ संवैधानिक अधिकार प्रमाणित रुप से प्रभावित हो रहे हों।

एनईपी 2020 में प्रस्तावित त्रिभाषा नीति विद्यार्थियों को तीन भाषाएं सीखने के लिये प्रेरित -प्रोत्साहित करती है, जिनमें कम से कम दो भारत की देशीय भाषाएं हों, जो राष्ट्रीय एकता और भाषाई विविधता को प्रोत्साहित करती हों। तमिलनाडु, दो भाषाओं की नीति का अनुसरण करता है और उससे किसी भी प्रकार के विचलन को खारिज करने में काफी मुखर रहा है।

- **जस्टिस जे.बी. पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की बैंच ने कहा कि अगर किसी मौलिक अधिकार का उल्लंघन नहीं हुआ है तो कोर्ट किसी भी राज्य को कोई भी राष्ट्रीय नीति मानने के लिए बाध्य नहीं कर सकता है।**
- **सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाकर्ता, वकील जी.एस. मणि पर भी सवालिया निशान लगाया और कहा कि वे भले मूलतः तमिलनाडु के हैं, पर, दिल्ली में रहते हैं और इस मामले में उनसे सीधे ही कोई हित जुड़े हुए नहीं हैं।**
- **सुप्रीम कोर्ट ने कहा, नीति बनाना व लागू करना राज्य की सरकार व विधानसभा का काम है। कोर्ट इसमें दखल नहीं दे सकता है।**

क्या भारत-पाक ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कांग्रेस कह रही है कि सर्वदलीय बैठक बुलाई जाए, संसद का सत्र बुलाया जाए। वे इंदिरा गांधी का नाम ले रहे हैं, लेकिन अभी तक मोदी और उनकी सरकार पर खुलकर हमला नहीं कर रहे हैं। इस घटनाक्रम के राजनीतिक परिणाम आने वाले दिनों में दिखने शुरु होंगे, लेकिन फिलहाल तो युद्ध जैसी स्थिति के शोर-शराबे के बाद हर तरफ सन्नाटा है।

प.बंगाल में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

गांव से महिलाओं और बच्चों सहित 24 अवैध बंगलादेशी घुसपैठियों की गिरफ्तारी के बाद उठाया गया है, जिससे संभावित मानव तस्करी और सीमा पार नेटवर्क पर खतरे के बादल मंडरा रहे हैं। बीएसएफ के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, "पश्चिम बंगाल में भारत-बंगलादेश सीमा का 350 किलोमीटर लंबा नदी क्षेत्र हमेशा से सुरक्षा के लिए चुनौती रहा है, क्योंकि बाड़ लगाना संभव नहीं है और भौतिक निगरानी ही एकमात्र विकल्प है।" उन्होंने कहा कि बल लगातार सतर्कता बरतता है, लेकिन जलमार्गों के माध्यम से घुसपैठ का जोखिम अभी भी बना हुआ है।

एसीबी को रिश्वत लेकर जाते विधायक का सीसीटीवी फुटेज मिला

विधायक पटेल का पीए रोहित मीणा लगातार छापे मारने के बाद भी अभी पकड़ में नहीं आया

- **फरार पीए रोहित मीणा के रिश्तेदार जगराम और लक्ष्मण से एसीबी पूछताछ कर रही है। रोहित के कई अन्य नेताओं से भी संपर्क बताये जाते हैं।**

जयपुर, 10 मई। बागीदौरा (बांसवाडा) से भारत आदिवासी पार्टी (बाप) के विधायक जयकृष्ण पटेल के बीस लाख की रिश्वत लेने के मामले में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) को एक सीसीटीवी फुटेज मिला है। इस सीसीटीवी फुटेज में विधायक पैसा लेकर जाता नजर आ रहा है। वहीं, दूसरी तरफ फरार पीए रोहित मीणा को एसीबी अभी तक नहीं पकड पाई है। आरोपी के संभावित ठिकानों पर लगातार छापेमारी की जा रही है।

एसीबी रोहित मीणा के फैंके जीपीएस और बैग को भी रिकवर कर चुकी है। इसी बैग में परिवादी ने विधायक को पैसा दिया था। रोहित ने इससे पैसा निकाल कर सुनसान जगह पर फैंक दिया था। सीसीटीवी फुटेज और बैग को एसीबी एफएसएल के पास जांच के लिए भेज चुकी है। एसीबी ने फरार रोहित मीणा के रिश्तेदार जगराम और लक्ष्मण से इस पूरी घटना को लेकर पूछताछ की। लेकिन दोनों ने घटना को लेकर कोई भी जानकारी होने से इनकार कर दिया है। जगराम और लक्ष्मण दोनों ने 83 हजार रुपए के बारे में भी एसीबी को अभी तक नहीं बताया है। 20 लाख रुपए में से 83 हजार रुपए एसीबी को कम मिले थे। यह पैसा किसके पास है। इसकी अभी जांच की जा रही हैं। वहीं, रोहित मीणा के बारे में दोनों ने एसीबी को कोई जानकारी नहीं दी है। इसलिए एसीबी अपने स्तर पर रोहित की तलाश में लगी हुई है। एसीबी के अधिकारियों का दावा है कि जल्द से जल्द रोहित मीणा की भी गिरफ्तारी एसीबी के द्वारा की जाएगी, जिस से इस केस को आगे बढ़ाने में मदद मिलेगी।

बाप विधायक का पीए रोहित कई अन्य नेताओं के भी सम्पर्क में था। रोहित को लेकर एसीबी दूसरे अन्य नेताओं से भी जानकारी जुटा रही है। रोहित ने विधायक से जुड़ने के बाद घर आना-जाना कम कर दिया था और लगातार विधायक के साथ ही रहता था। रोहित को लेकर एसीबी अन्य जानकारी भी जुटा रही है।

चुनिंदा 32 हवाई अड्डे 14 मई तक बंद

इन हवाई अड्डों पर सभी नागरिक उड़ान गतिविधियाँ बंद रहेंगी

- **इन हवाई अड्डों में राजस्थान के जैसलमेर, जोधपुर, बीकानेर व किशनगढ़ हवाई अड्डे शामिल हैं।**

नयी दिल्ली, 10 मई। केन्द्र सरकार ने पाकिस्तान के साथ सैन्य कार्रवाई को देखते हुए हिंडन, श्रीनगर, चंडीगढ़ , जोधपुर, राजकोट और भुज समेत 32 हवाई अड्डों पर नागरिक उड्डयन गतिविधियां 14 मई तक अस्थायी रूप से बंद करने के आदेश दिए हैं।

नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने शनिवार को यहां बताया कि भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) और संबद्ध विमानन प्राधिकरणों ने परिचालन संबंधी कारणों से नौ से 14 मई 2025 तक उत्तरी और पश्चिमी भारत के 32 हवाई अड्डों को सभी तरह के नागरिक उड़ान संचालन के लिए अस्थायी रूप से बंद करने की घोषणा की है।

मंत्रालय ने कहा है कि नोटिस टू एयरमैन (नोटम) के अनुसार उधमपुर, अम्बाला,

अमृतसर, अवंतीपुर, बठिंडा, भुज,बीकानेर, चंडीगढ़ , हलवारा, हिंडन, जैसलमेर, जम्मू, जामनगर, जोधपुर, कांडला, कांगड़ा (गग्गल), केशोद, किशनगढ़ , कुल्लू, मनाली (भुंतर), लेह, लुधियाना, मुंद्रा, नलिया, पठानकोट,पटियाला, पोरबंदर, राजकोट (हीरासर), सरसावा, शिमला, श्रीनगर, थोइस और उत्तरलाई शामिल हैं।

मंत्रालय ने कहा है कि इन सभी हवाई अड्डों पर 14 मई तक सभी नागरिक उड़ान-गतिविधियाँ बंद रहेंगी।

एएआई ने परिचालन संबंधी कारणों से दिल्ली और मुंबई उड़ान सूचना क्षेत्रों (एफआईआर) के भीतर हवाई यातायात सेवा (एटीएस) मार्गों के 25 खंडों के अस्थायी रूप से बंद रहने की अवधि को भी बढ़ा दिया है। एयरलाइंस और फ्लाइट ऑपरेटरों को मौजूदा हवाई यातायात परामर्श के अनुसार वैकल्पिक रूटिंग की योजना बनाने की सलाह दी गई है।

लोक अदालत में 5.98 लाख लंबित मुकदमों का हुआ निस्तारण

जयपुर, 10 मई। राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से शनिवार को साल की दूसरी राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया। हाईकोर्ट विधिक सेवा समिति के अध्यक्ष जस्टिस इन्द्रजीत सिंह ने हाईकोर्ट में लोक अदालत का विधिवत शुभारंभ किया। इस मौके पर अनेक न्यायाधीश सहित, अन्य न्यायिक अधिकारी मौजूद रहे। लोक अदालत में कुल 5 लाख 98 हजार 407 लंबित प्रकरणों का निस्तारण किया गया। वहीं, प्री-लिटिगेशन सहित कुल 43.19 लाख प्रकरण राजीनामे से तय किए गए। इसके साथ ही, 6.15 अरब रुपए के अवार्ड जारी किए गए। भारत-पाक तनाव को देखते हुए बालोतरा, बीकानेर, श्रीगंगानगर और जैसलमेर जिले में लोक अदालत को स्थगित रखा गया। वहीं, जोधपुर में भी दोपहर 12.30 बजे के बाद लोक अदालत को स्थगित कर दिया गया। जस्टिस इन्द्रजीत सिंह ने कहा कि भारतीय संविधान में प्रत्येक नागरिक को सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय उपलब्ध कराने का उद्देश्य शामिल किया गया है। ऐसे में न्याय प्रणाली को इस तरह का रूप दिया गया है कि वह मुकदमे की प्रकृति के अनुसार उसके पक्षकारों को न्याय प्रदान करे। कई पक्षकारों के बीच ऐसे सिविल व छोटे आपराधिक प्रकृति के मामले होते हैं, जिन्हें आपसी सहमति से ही सुलझाया जा सकता है।

- **भारत-पाक तनाव को देखते हुए बालोतरा, बीकानेर, श्रीगंगानगर व जैसलमेर जिलों में लोक अदालत स्थगित रखी गई तथा जोधपुर में लोक अदालत दोपहर 12:30 बजे बाद स्थगित कर दी गई।**

ऑपरेशन सिंदूर ने 5 आतंकवादी सरगना का सफाया किया

- **ये सभी भारत में बड़े आतंकवादी हमलों में लिप्त थे व पाकिस्तान सरकार में प्रभावी थे।**

नयी दिल्ली, 10 मई। पहलगाम आतंकवादी हमले के जवाब में भारतीय सशस्त्र बलों के 6 मई की रात को चलाये गये ऑपरेशन सिंदूर में पांच आतंकवादी सरगनाओं के साथ साथ सैकड़ों अन्य आतंकवादी मारे गये।

सूत्रों ने बताया कि ऑपरेशन सिंदूर में मौलाना मसूद अजहर के परिजनों सहित ऐसे बर्बर आतंकवादी मारे गये हैं जिनकी भारत में कई बड़े आतंकवादी हमलों में तलाश थी।

मारे गये आतंकवादियों में कुख्यात आतंकवादी संगठन लश्कर-ए-तैयबा का मुदस्सर खादियां खास उर्फ मुदस्सर उर्फ अबू जुंदाल भी शामिल है। यह मरकज़ तैयबा, मुरीदके का प्रभारी था और इसकी पाकिस्तानी सरकार में अच्छी पैठ थी। पाकिस्तान सेना द्वारा उसके अंतिम संस्कार में गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। पाकिस्तानी सेना के प्रमुख और पंजाब की मुख्यमंत्री मरियम नवाज़ की ओर से उसे पुष्पांजलि अर्पित की गई। उसके अंतिम संस्कार की नमाज एक सरकारी स्कूल में आयोजित की गई, इसमें जमात-उद-दावा के नामित वैश्विक आतंकवादी के हाफिज अब्दुल रऊफ ने किया। पाकिस्तानी सेना एक सेवारत लेफ्टिनेंट जनरल और पंजाब पुलिस के आईजी नमाज में शामिल हुए।

इस ऑपरेशन में जैश-ए-मोहम्मद का कुख्यात आतंकवादी हाफिज मुहम्मद जमील भी मारा गया है। यह मौलाना मसूद अजहर का सबसे बड़ा साला और बहावलपुर के मरकज सुभान अल्लाह का प्रभारी था। यह युवाओं को कट्टरपंथी बनाने और जैश-ए-मोहम्मद के लिए धन जुटाने में सक्रिय रूप से शामिल था।

मारे गये तीसरे बड़े आतंकवादी का नाम जैश-ए-मोहम्मद के मोहम्मद यूसुफ अजहर उर्फ उस्ताद जी उर्फ मोहम्मद सलीम उर्फ घोसी साहब है। यह भी मौलाना मसूद अजहर का साला और जैश-ए-मोहम्मद के लिए हथियारों के प्रशिक्षण का काम देखता था। यह जम्मू-कश्मीर में कई आतंकवादी हमलों में शामिल था। इस आतंकवादी की कंधार विमान अपहरण मामले में भी तलाश थी।

हमलों में मारा जाने वाला चौथा आतंकवादी लश्कर-ए-तैयबा का खालिद उर्फ अबू अकाशा था जो जम्मू-कश्मीर में कई आतंकवादी हमलों में शामिल था। यह अफगानिस्तान से हथियारों की तस्करी में शामिल था। इसका अंतिम संस्कार फ़ैसलाबाद में किया गया। इसमें पाकिस्तानी सेना के वरिष्ठ अधिकारी और फ़ैसलाबाद के डिप्टी कमिश्नर शामिल हुए।

पांचवां आतंकवादी जैश-ए-मोहम्मद का मोहम्मद हसन खान था। वह मुफ्ती असगर खान कश्मीरी का बेटा था जो पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में जैश का ऑपरेशनल कमांडर था। इसने जम्मू और कश्मीर में आतंकवादी हमलों के समन्वय में अहम भूमिका निभाई।

भारत के एक भी युद्धक विमान को नुकसान नहीं पहुंचा

नयी दिल्ली,10 मई। पाकिस्तान के साथ जारी सैन्य संघर्ष में भारतीय वायुसेना के किसी भी युद्धक विमान का कोई नुकसान नहीं हुआ है और न मिसाइल प्रतिरक्षा प्रणाली एस-400 या किसी हवाई अड्डे को कोई खतरा पहुंचा है।

सूत्रों ने आज यहां बताया कि बीते तीन दिनों से पाकिस्तान के खिलाफ नपीतुली, गैर- समानुपातिक एवं सीमित कार्रवाई में भारतीय वायुसेना के किसी भी विमान का कोई नुकसान नहीं हुआ है।

इस बारे में पाकिस्तान की ओर से सोशल मीडिया में किये जा रहे दावे बेबुनियाद और मनगढ़ंत हैं।

क्या ट्रंप ने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सीधा संवाद हुआ। तब से यह स्पष्ट हो गया था कि पाकिस्तान अब सीज़फायर और संवाद की कोशिश कर रहा है।

इस बीच, अमेरिकी राष्ट्रपति ने दावा किया कि दोनों देशों के बीच अचानक शत्रुता समाप्त होने का श्रेय उनके प्रशासन को जाता है।

डॉनल्ड ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म "ट्रुथ सोशल" पर घोषणा की कि भारत और पाकिस्तान तत्काल और पूर्ण सीज़फायर पर सहमत हो गए हैं। उन्होंने लिखा कि यह समझौता रातभर चली मध्यस्थता की प्रक्रिया के बाद हुआ।

इसके कुछ ही मिनटों बाद, पाकिस्तान के विदेश मंत्री इशाक डार ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर ट्वीट किया कि सीज़फायर समझौता हो गया है। फिर रूबियो ने भी सोशल मीडिया पर इस समझौते की पुष्टि की।

'रातभर की लम्बी वार्ता के बाद भारत और...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

तनाव के बाद हुई, जिसकी शुरुआत 22 अप्रैल को भारतीय कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले से हुई थी, जिसमें 26 नागरिक मारे गए थे। भारत ने इस हमले के लिए पाकिस्तान समर्थित आतंकवादियों को जिम्मेदार ठहराया, जबकि पाकिस्तान ने इन आरोपों को नकारा।

इसके जवाब में, भारत ने पाकिस्तान में कथित आतंकी ढांचों पर हवाई हमले किए, जिसके बाद सीमा पार मिसाइल और ड्रोन हमलों का सिलसिला शुरू हो गया। पाकिस्तान ने "ऑपरेशन बुनेयन उल मर्सूस' के तहत, कई भारतीय सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया। इस संघर्ष में 60 से अधिक नागरिकों की मौत हो चुकी है और प्रभावित क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर लोगों को निकालना पड़ा।

इस बीच, अमेरिका सहित, चीन और उ7 देशों ने दोनों देशों से तत्काल तनाव कम करने की अपील की और मध्यस्थता की पेशकश की। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्क रूबियो ने दोनों देशों के अधिकारियों के लगातार संपर्क में रहते हुए सीधी बातचीत की आवश्यकता पर ज़ोर दिया।

हालाँकि दोनों देशों ने तनाव कम करने की सशर्त इच्छा ज़ाहिर की, पर आपसी अविश्वास और घरेलू दबावों के कारण शांति की कोशिशें कठिन बनी रहीं। स्थिति अब भी अस्थिर है और अंतरराष्ट्रीय समुदाय घटनाक्रम पर कड़ी निगरानी रखे हुए है।

कुछ नया होने का पहला संकेत तब मिला, जब लगातार तीन दिनों तक पाकिस्तानी हमलों के बाद भारत ने कहा कि "भविष्य में पाकिस्तान द्वारा किया गया कोई भी आतंकी हमला युद्ध की कार्यवाही माना जाएगा"। प्रश्न यह उठा: "भविष्य में" क्यों? "अब" क्यों नहीं?-यह एक ठोस संकेत था।

इसका मतलब यह था कि भारत पीछे हटने और तनाव कम करने के लिए तैयार था और इस्लामाबाद भी इस प्रक्रिया में शामिल था।

22 अप्रैल से शुरू हुए घटनाक्रम का ईमानदार मूल्यांकन यह दर्शाता है कि पाकिस्तान भारत की कार्रवाई से झुका नहीं, बल्कि अमेरिका के दबाव में युद्धविराम पर सहमत हुआ, जो आईएमएफ से आर्थिक राहत दिलाने में मददगार होगा।

वहीं दूसरी ओर, अमेरिका ने भारत पर दबाव डालकर व्यापार वार्ता में भारी टैरिफ छूट देने के लिए मजबूर किया और यह भी दिखाया कि अमेरिकी मूल्यांकन में मोदी सरकार की जगह क्या है। पहले भी अमेरिका ने अवैध भारतीय प्रवासियों को अपमानजनक परिस्थितियों में भारत वापस भेजा था और नई दिल्ली ने इसका विरोध तक नहीं किया।

22 अप्रैल को कश्मीर के पहलगाम में हुए दुखद हमले के बाद भारत द्वारा पाकिस्तान में नौ आतंकवादी ठिकानों पर की गई जवाबी कार्रवाई का संदेश स्पष्ट है: प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अमेरिकी राष्ट्रपति के आदेश को स्वीकार किया और उनके लिए ट्रंप सर्वोपरि हैं।

राजस्थान के सात सीमावर्ती जिलों ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

हनुमानगढ़ में शाम 7 बजे से सूर्योदय तक और बाड़मेर में 8.30 से सुबह 6 बजे तक, फलोदी में शाम 7 बजे से सुबह 6 बजे तक ब्लैकआउट रहेगा।

जिला प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि आपातकालीन परिस्थिति में ब्लैकआउट पहले भी घोषित किया जा सकता है, ऐसे में रात को अनावश्यक रूप से घरों से बाहर नहीं निकलें और घरों में रोशनी को कम रखें।

अमृतसर सीमा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

और सहायक उपकरण, दो पिस्तौल, चार मैगजीन, 30 कारतूस, दो डेटोनेटर और आईईडी सर्किट युक्त एक बड़ा पैकेट सफलतापूर्वक बरामद किया।

पैकेट पीले रंग के प्लास्टिक मटेरियल में लिपटा हुआ मिला, जिस पर एक इम्प्रोवाइज्ड मेटल वायर लूप लगा हुआ था, जो यह दर्शाता है कि यह ड्रोन द्वारा गिराया गया था। यह महत्वपूर्ण बरामदगी अमृतसर के शेख भट्टी गांव के पास एक खेत से हुई।

यह अविश्वसनीय रूप से सफल ऑपरेशन सटीक, सूचना और बीएसएफ और पंजाब पुलिस द्वारा अच्छी तरह से समन्वित अनुवर्ती कार्रवाई का परिणाम था, जिसने पंजाब में हथियार, गोला-बारूद और विस्फोटकों की तस्करी के एक और प्रयास को विफल कर दिया, जिससे कई निर्दोष लोगों की जान बच गई।

सरकार ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

उन्होंने कहा, संसद का एक विशेष सत्र तत्काल बुलाया जाए, जिसमें पिछले 18 दिनों की घटनाओं, विशेषकर पहलगाम में हुए बर्बर आतंकी हमले से लेकर अब तक की स्थिति पर विस्तार से चर्चा हो और आगे की दिशा तय की जाए, ताकि देश एकजुट होकर सामूहिक संकल्प का प्रदर्शन कर सके।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, जी-1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौन सिटी, जिला करौली से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2008/27147 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908